

537

# The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित । PUBLISHED BY AUTHORITY

32] नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 7, 1982 (श्रावण 16, 1904)

NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 7, 1982 (SRAVANA 16, 1904)

भाग में भिन्त पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग III—खण्ड

# [PART III—SECTION 1]

यन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत कार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

Jubic Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India

संज लोक सेवा श्रायोग

नई दिल्ली-1100011, दिनांक 3 जून 1982

सं० 32014/1/82-प्रभाग III—संघ लोक सेवा ग्रायोग के कार्यालय म निम्नलिखित सहायकों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट ग्रवधि के लिए ग्रथवा ग्रागामी ग्रादेशों तक जो भी पहले हो, ग्रनुभाग ग्रधिकारी के पद पर तदर्थ ग्रधार पर स्थान।पन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है:—

<b>क</b> ० सं	नाम		पदोन्नति व	की स्रवधि
1.	श्री श्रो०सी० नाग		1-7-82 से	3-9-82 तक
2.	श्री वी० पी० कपल		3-6-82 से	1-9-82 तक
3.	श्री ग्रार० के० गौड	•	4-6-82 से	3-9-82 तक
4.	श्री बी० सी० गुप्ता	•	31-5-82 से	3-7-82 तक
5.	श्री एम० के० राय	•	1-6-82 से	30-6-82 तक

दिनांक 28 जून 1982

REGISTERED NO. D-

सं० ए० 32014/1/82-प्रशा०-III—संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में निम्नलिखित सहायकों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट श्रवधि के लिए श्रागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, श्रनुभाग श्रधिकारी के पद पर तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है:—

素の	नाम	पदोन्नति की स्रवधि
सं०		
1.	श्री के० सी० सेहगल	21-6-82 से 5-8-82 तक
2.	श्री राज कुमार	1-7-82 से 15-8-82तक
	وی کارو کید کی در کارورو ایک شاک کی میای کید کارورو	و المراقب

य ० रा० गांधी

ग्रवर सचिव (प्रशा०)

संघ लोक सेवा श्रायोग

### गृह मंत्रालय

# कार्मिक स्रीट प्रशासनिक सुधार त्रिभाग केन्द्रीय भ्रन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 14 ज्लाई 1982

सं० ए०-12/72-प्रणा०-5—प्रत्यावर्तन हो जाने पर श्री ए० के० वनर्जी, भारतीय पुलिस सेवा (उत्तर प्रदेण 1955), पुलिस उप-महानिरीक्षक, केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो, विणेष पुलिस स्थापना, नई दिल्ली की सेवाएं दिनांक 30-11-1981 के श्रपराह्म से उत्तर प्रदेण सरकार की वापस साँप दी गई थीं।

सं० ए०-19036/22/79-प्रशा०-5—प्रतिनियुक्ति पर पुलिस उपाधीक्षक के रूप में नियुक्ति के लिए श्री बी० एम० पंडित, पुलिस उपाधीक्षक, (नदर्थ)/केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो की सेवाएं दिनांक 21 जून, 1982 (श्रपराह्न) से मध्य प्रदेश राज्य सरकार को सौंपी जाती हैं,।

# दिनांक 15 जुलाई 1982

सं० ए०-19036/13/75-प्रणा०-5---मध्य प्रदेश पुलिस में केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरों में प्रतिनियुक्त श्री सी० के० तिवारी, पुलिस उपाधीक्षक की सेवाएं दिनांक 3 जुलाई, 1982 के ग्रपराह्म से मध्य प्रदेश सरकार को वापस सौप दी गई।

> ग्रार० एस० नागपाल प्रणासनिक ग्राधिकारी (स्था०) केन्द्रीय ग्रन्वेपण ब्यूरो

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ली-110022, दिनांक 15 जुलाई 1982

सं० श्रो० दो-1762/82-स्थापना महानिवेशक केन्द्रीय रिजर्ब पुलिस बल ने डा० टी० दिवाकर जैसक्ता को 30 जून 1982 के पूर्वाह्म से केवल तीन माह के लिए श्रथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा श्रिधकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

# दिनांक 16 जुलाई 1982

सं० थ्रो० दो 1604/81-स्थापना—राष्ट्रपति जी ने डा० पी० वासुदेवा राव, जनरल ड्यृटी श्राफिसर ग्रेड-1 (डी० एस० पी०/कम्पनी कमान्डर) वेस हस्पीटल केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, हैदराबाद, का त्यागपत्र दिनांक 8 जुलाई 1982 अपराह्न से स्वीकार कर लिया है।

ए० के० सूरी महायक निदेशक (स्थापना)

भारत के महापंजीकार का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनांक 16 जुलाई 1982

सं० 11/36/79-प्रशा०-1—इस कार्यालय की तारीख 18 मार्च, 1982 की समसंख्यांक श्रधिसूचना के श्रनुक्रम में राष्ट्रपति, केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्युरो के दिल्ली ब्रांच के कार्यालय अधिक्षक, श्री एम० एल० गुलाटी को नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में तारीख 31 दिसम्बर, 1982 तक की श्रीर श्रवधि के लिए या जब तक पद नियमित श्राधार पर भरा जाए, जो भी श्रवधि पहले हो, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा तदर्थ श्राधार पर उप निदेशक के पद पर सहर्थ नियुक्त करते हैं।

2. श्री गुलाटी का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

सं० 10/8/80-प्रणा०-1—इस कार्यालय की नारी 10 फरवरी, 1982 की समसंख्यांक प्रधिसूचना के प्रमुक्तम में राष्ट्रपति नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय के सहायक महापंजीकार (सामाजिक अध्यत) श्री एन० जी० नाग इ उसी कार्यालय में तारीख 31 दिसम्बर, 1982 तक के और अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, पूर्णतः अस्थाई रूप से तदर्थ आधार पर उप महापंजीकार (सामाजिक अध्ययन) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री नाग का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

# दिनांक 17 जुलाई 1982

सं० 10/4/80-प्रशा०-1--इस कार्यालय की तारीख 10 जून, 1982 की समसंख्यांक ग्रिधिसूचना के ग्रमुक्रम में राष्ट्रपति, नई दिल्ली में, भारत के महापंजीकार के कार्यालय के निम्नलिखित कन्सोल श्रापरेटरों को तारीख 31 दिसम्बर, 1982 तक या जब तक पद नियमित ग्राधार पर भरा जाए, जो भी श्रविध पहले हो, विद्यमान गर्तों के ग्राधार पर सहायक निदेशक (प्रोग्राम) के पद की तदर्थ श्रविध को सहर्ष बढ़ाते हैं:--

ऋ०सं०	नाम		मुख्यालय 	
1.	श्री ग्रार० एन० पुरी	,	नई दिल्ली	
2.	श्रीए०पी०गुप्त	•	नई दिल्ली	
3.	श्री सत्य प्रकाश		नई दिल्ली	
	<del></del>	 	<del></del>	

पी० पद्मनाभ भारत के महापंजीकार

मरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस प्रकादमी हैदराबाद-500252, दिनांक 14 जुलाई 1982

सं० 15014/80-स्थापना—रक्षा मंत्रालय में ग्रा केन्द्रीय सचिवालय सेवा के श्रनुभाग श्रीधकारी वर्ग के स्व् ग्रिधकारी श्री वी० धर्माराय ने स० व० प० राष्ट्रीय १ श्रकादमी, हैदराबाद में श्रपनी श्रवधि की समाप्ति पर दिः 14 जुलाई 1982 के पूर्वाह्म में प्रशासन श्रिधकारी के पढ कार्यभार छोड़ा।

> प्रेमधर मासर्व प्रमारी निदेश

# वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग)

# सीमा शुल्क उत्पाद शुल्क श्रौर स्वर्ण नियंत्रण ग्रपील श्रधिकरण का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 19 जुलाई, 1982

फा० मं० 6-सी० उ० स्व० ग्र० ग्र०/82—श्री बुद्ध सिंह ने जो कि पहले निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निर्देशालय (सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन णुल्क) नयी दिल्ली में सहायक मुख्य लेखा ग्रिश्वकारी के पद पर कार्य कर रहे थे, 15 जुलाई, 1982 (पूर्वाह्न) से सीमा णुल्क उत्पाद णुल्क ग्रौर स्वर्ण नियंत्रण प्रपील ग्रिधिकरण में सहायक पंजीकार के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

ग्रार० एन० सहगल पंजीकार

क।र्याक्षय निदेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय राजस्व नई दिल्ली-2 दिनांक 1.2 जुलाई 1982

मं० प्रशासन-1/कार्यालय श्रावेश सं० 172--इस कार्या-लय के एक स्थायी लेखापरीक्षा ग्रधिकारी श्री प्रेमचन्द मिल्लक, वार्धक्य श्रायु प्राप्त करने के परिणामस्वरूप 31 जुलाई, 1982 श्रपराह्म को भारत सरकार की सेवा में निवृत्त हो जाएंगे । ऊनकी जन्म तिथि 3 जूलाई 1924 है।

> अ०सी० मोहिन्द्रा. संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा (प्रणासन)

### रक्षालेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियंत्रक नई दिल्ली-110066 दिनांक 16 जुलाई, 1982

सं० प्रगा० /1/1172/1/1 (पी०सी०-JI)—-राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्निलिखित प्रधिकारियों (जो उनके नामों के सामने लिख: प्रतिनियुक्तियों पर हैं) को उक्त सेवा के वरिष्ठ प्रणासनिक ग्रेड (रुपये 2250-125/2-2500) के स्तर JI में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए छ: माह की श्रवधि श्रथवा नियमित प्रबन्ध हो जाने तक के लिए, डनमें जो भी पहले हो, उनके मों के सामने दर्शायी गई तारीखों से, तदर्थ श्राधार पर, सनुक्रम नियम के श्रधीन सहर्ष नियुक्त करने हैं:—-

ानुक्रम नि	ायम के श्रधीन	सहय नियुक्त	करन हः
.,.; <u>.</u> (1)	 श्री श्रार०	28-02-82	- वित्तीय सलाहकार,
fa.	कल्याण सुन्दरम		दामोदर घाटी
ţŢ.	. •		निगम श्रलीपुर,
, .नि			कलकत्ता ।
	श्रीबी०वी०	06-05-82	: एकीकरण वित्तीय
·	श्रदाघी		सलाहकार, राज <del>स</del> ्व
15 <b>†</b>			विभाग,
,हा 			वित्त मंत्रालय.
<b>1</b>   − 1			नई दिल्ली ।

मं० प्रशा ०/1/1/1173/1: — राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड, श्रिधकारियों को उक्त सेवा के कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के प्रवरण ग्रेड (वेतनमान रु० 2000-125/2-2250) में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए उनके नामों के समक्ष दर्शायी गई नारीखों से भ्रागामी श्रादेश पर्यन्त, सहर्प नियुक्त करने हैं:—

क०संख्या	नाम	तारी <b>ख</b>
1.	श्री राजेन्द्र कुमार चावला	11-01-82
2.	श्री प्रियरंजन प्रसाद	15-02-82
3.	श्री एन० डी० मोरं	01-03-82

मं० प्रणा०/1/1173/1/I :—राष्ट्रपति. भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित कनिष्ठ प्रशासिनक ग्रेष्ठ ग्रिधिकारियों (जो उनके नामों के सामने लिखी प्रतिनियुक्तियों पर हैं) को उक्त सेवा के कनिष्ठ प्रशासिनक ग्रेष्ठ के प्रवरण श्रेणी ग्रेड (वेतनमान ६० 2000-125/2-2250) में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए, उनके नामों के सामने दर्शायी गई तारीखों से आगामी ग्रादेश पर्यन्त, अनुक्रम नियम के ग्रिथीन, सहर्ष नियुक्त करते हैं:—

<b>क</b> ० सं०	नं(म	तारीख	वर्तमान कार्य भार
1.	श्री के ० गणेशन <sup>अ</sup> रू	11-01-82	निदेशक, वित्तः मंत्रालय, व्यय- विभाग (रक्षा प्रभाग) नर्षः दिल्ली ।
2.	श्री एस औए० वेंकटारामन	15-02-82	भुगतान श्रायुक्त मैसर्स वर्न एण्ड को० ग्रादि भारी उद्योग विभाग कलकत्ता (उद्योग मंत्रालय के ग्रधीन)
3.	श्री बी० नागराजन	01-03-82	निदेशक, लेखा एवं भंडार, श्रनु- संधान एवं विकास संगठन, रक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली ।

ग्रार० के० माथुर रक्षा लेखा ग्रपर महा नियंत्रक

### रक्षा मंत्रालय

# श्रार्डनेंस फैनद्री बोर्ड

कलकत्ता-700069, दिनांक 7 जुलाई, 1982

सं० 8/82/ए०ई०-1--वार्धक्य निवृत्ति श्रायु प्राप्त कर श्री सतीनाथ मुखर्जी मौलिक एवं स्थायी महायक, स्थानापन्न सहायक स्टाफ श्रफसर दिनांक 30 जून, 1982 (श्रपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए ।

# दिनांक 9 जुलाई, 1982

सं० 38/जी०/82—राष्ट्रपति महोदय निम्नलिखित श्रफसरों को एडीजीब्रोएफ ग्रेड-1/महाप्रबन्धक ग्रेड-1 के पद पर, प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तारीखों से पुष्टि करते हैं:—

श्रफसर का नाम	पुष्टिकरण की तारीख
<ol> <li>श्री बाई ० मी ० सुब्रहमण्यम्</li> <li>स्थानापन्न डी डी जी श्रो एफ/स्तर-1</li> </ol>	31 जुलाई, 1979
<ol> <li>श्री सी ०एम ० चन्द्रशेखरम स्थानापन्न महाप्रबन्धक (एस जी)/</li> </ol>	•
स्तर–1 3. श्री एन०एस० राधवन स्थानापन्न डी डी जी श्रो एफ	1ली सितम्बर, 1979
स्तर-।	1ती जुलाई, 1980

सं० 36/जी०/82---राष्ट्रपति महोदय निम्नलिखित श्रफ-सरों को ए डी जी श्रो एफ ग्रेड-II महाप्रबन्धक ग्रेड-II उप-महाप्रबन्धक के पद पर, प्रत्येक के नाम के सामने दर्शाई गई तारीख से पुष्टि करते हैं:---

श्रफसरका नाम पुरि	ष्टकरण की तारीख
1	2
(1) श्री एस०पी० रामामूर्ति, स्थानापन्न	•
डीडीजी/स्तर 1 स्तर-11	1ली−1−1975
(2) श्री पी०एस० मणि, स्थानापन्न म	हा-
प्रबन्धक / ग्रेड-1	1লী-1-1976
(3) श्री एस० ग्रार० घोष, स्थानापः	ਸ
महाप्रबन्धक │ग्रेड-1	1ली <b>−1−197</b> 6
(4) श्रीवी०एल० खुराना स्थानापन	न
महाप्रबन्धक /ग्रेड1	1ली−1−1976
(5) श्री डी०पी० चक्रवर्ती, स्थानाप	ম
ए०डी०जी० / ग्रेड−1	
(श्रवकाश प्राप्त)	1ली−1−1976
(6) श्री एन० पांडियन, स्थानापद	T
महाप्रबन्धक / ग्रेड−1	17-1-1976
(7) श्री ए० जे० चन्द्र, स्थानापन्न मह	T-
प्रबन्धक / ग्रेड-1	1-2-1976

श्रफसर का नाम प्	पुष्टिकरण की तारीख
(8) श्री एल० सी० कालिया, स्थाना- पन्न उप-प्रबन्धक (सेवानिवृत्त)	1ली−3 <b>~</b> 1976
(9) श्री जी० बी० गावदेकर, स्थाना-	
पन्न संयुक्त महाप्रबन्धक	1लीं−4−1976
(10) श्री एस० एस० राव, स्थानापन्न ए०डी० जी / ग्रेड1	23-4-1976
(11) श्री सी ० एनं ० गोविन्दन्, स्थानापन्न	
महाप्रबन्धक / ग्रेड-1 (12) श्री भ्रार० सुन्दरम्, स्थानापन्न ए०	1ली−5~1976
(12) श्री भ्रार० सुन्दरम्, स्थानापन्न ए० डी०जी०/ग्रेड-1	1ली−5−1976
(13) श्री एस० कन्नन, स्थानापन्न संयुक्त	_
महाप्रबन्धक (14) श्री जे०जी० जावानी, स्थानापन्न	1ली−9~1976
संयुक्त महाप्रबन्धक	1ली−4~1977
(15) श्री जी० एन० चतुर्वेदी, स्थानापन्न	_
महाप्रबन्धक/ग्रेड-1 (16) श्री बी० वाई० घासकाहबी, स्था-	1ली∸6−1977
नापन्न संयुक्त महाप्रबन्धक	1-9-1977
(17) श्री एस० पी० बन्ना, स्थानापन्न	
संयुक्त महाप्रबन्धक (18) श्री श्रार० रामामृति, स्थानापन्न	8-10-1977
महाप्रबन्धक/ग्रेड-1	8-10-1977
(19) श्री सी० पी० गुप्ता, स्थानापन्न	
महाप्रबन्धक/ग्रेड-1 (20) श्री एस० के० नायर, स्थानापन्न	8-10-1977
ए०डी० जी० ग्रेड-1	8-10-1977
(21) श्री एम० एस० नटराजन, स्थानापन्न	
महाप्रबन्धक/प्रेड-1 (22) श्री श्रार० ए० कृष्णन, स्थानापन्न	1ली−11−1977
संयुक्त महाप्रबन्धक	1ली−11−1977
(23) श्री जगजीत सिंह, स्थानापन्न	
संयुक्त महाप्रबन्धक (24) श्री वी० वी० धवन, स्थानापन्न	1र्ला≔1−1978
संयुक्त महाप्रवन्धक	1सी-1-1978
(25) श्री जी० चटर्जी, स्थानापन्न महा-	
प्रवन्धक/ग्रेड 1	1ली-2-1978
(26) श्री भ्रार० ईश्वरन्, स्थानापन्न संयुक्त महाप्रबन्धक	ं 1ली <b>−</b> 3−1978
(27) श्री जे० एम० कालरा, स्थानापन्न	
संयुक्त महाप्रबन्धक	1ली−5-1978
(28) श्री टी ब्वी बरामकृष्णन्, स्थानापन्न	
संयुक्त महाप्रश्वन्धक (29) श्री वी०एन०पट्टाविरामन्, स्थानाः	1ली−6 <del>-</del> 1978 -
पन्न संयुक्त महाप्रबन्धक	1ली-9-1978
(30) श्री बी० पालानिपण्डि, स्थानापृष्ट	
ए०डी०जी० /ग्रेड−1	1ली <b>-</b> 1-1979

<b>ग्रफ</b> सरकानाम पुष्टि	टकरण की तारीख
(31) श्री एस० मनवालन्, स्थानापन्न	
संयुक्त महाप्रबन्धक	1ली−41979
(32) श्री एस० म्रार० सभापति, स्थाना-	
पन्न संयुक्त महाप्रबन्धक	13-6-1979
(33) श्री वी० के० मेहना, स्थानापन्न	
ए० डी०जी० / ग्रेड⊷ 1	31-7-1979
(34) श्री एस० नारायण स्वामी, स्थाना-	
पन्न संयुक्त महाप्रबन्धक	31-7-1979
(35) श्री ए० के० नियांगी, स्थानापन्न	
ए०डी०जी० ∕ग्रेड—1	1ৰ্ল(-8-1979
(36) श्री टी० एम०स्वामीनाथन,स्था-	
नापन्न संयुक्त महाप्रवन्धक	1ली91979
(37) श्री एम० एल० दत्ता, स्थानापन्न	,
ए०डी०जी० /ग्रेड-1	1ली-2-1980
(38) श्री के० के० मिलक, स्थानापन्न	
महाप्रबन्धक / ग्रेड-1	1ली7 <del>-</del> 1980

# दिनांक 13 जुलाई 1982

सं० 9/82/ए०ई०-1—योग्य चिकित्सा श्रधिकारी ने श्री पन्ना लाल दास, मौलिक एवं स्थायी स्थानापन्न सहायक स्टाफ श्रफसर को सरकारी नेवा से स्थायी रूप से श्रसमर्थ घोषित किया है तथा डी० जी० ग्रो० एफ० ने नियम 38 सी० सी० एस० पेंगन नियमों के श्रन्तर्गत उन्हें श्रसमर्थ पंगन स्वीकृत किया है। तदनुसार श्री दास की तवादला पेंगन स्थापना में दिनांक 28-6-1982 से की जाती है, जिस तारीख से चिकित्सा श्रधिकारी उन्हें श्रामामी सरकारी सेवा करने से स्थायी रूप से श्रसमर्थ घोषित किया है। सी० एस० गौरीणंकरन, सदस्य/कार्मिक

# विकास ग्रायुक्त का कार्यालय

(लघु उद्योग)

नई दिल्ली, दिनांक 19 जुलाई, 1982

सं० ए० 19018/611/82-प्रशा (रिजि०)— विकास श्रायुक्त ने लघु उद्योग सेवा संस्थान, बंगलीर में लघु उद्योग संवर्धन श्रधिकारी (रसायन) श्री एस० श्रार० देशपाण्डे को उसी संस्थान में 24-6-1982 पूर्वाह्न से श्रगले श्रादेशों तक सहायक निदेशक ग्रेड- (रसायन) नियुक्त किया है।

सी० सी० राय, उप-निदेशक (प्रशासन)

### विस्फोटक विभाग

नागपुर, दिनांक 13 जुलाई, 1982

सं० ई० 11 (7)—इस विभाग के दिनांक 11 जुलाई, 1969 की ग्रधिसूचना सं० ई० 11 (7) में श्रेणी 2 नायट्रेट मिश्रण के अधीन "पावरफ्लो-1" प्रविध्टि के पूर्व "केलवेक्स एक्सट्रा तथा केलवान-एक्सट्र" विनिद्धिट स्थलों पर श्रिभि-प्रयोग विनिर्माण एवं क्षेत्र श्रिभिप्रयोग हेतु 31-12-82 पर्यन्त जोडा जाए।

> चरणजीत लाल मुख्य विस्फोटक नियंत्रक

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भु-वैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 8 जुलाई 1982

सं० 4726 बी ए० 19012 (1-के०मी०सी०)/79-81/
19ए-भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक भूवैज्ञानिक डा० के० वैंकटरियाचारी को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की सेवाग्रों से 27-4-1981 के प्रपराह्म से मुक्त किया जा रहा है ताकि वे एस० बी० विग्वविद्यालय, पी० जी० केन्द्र, कुष्ट्रपा में प्रवक्ता के पद पर ग्रपनी नई नियुक्ति ग्रहण कर सकें।

जे० स्वामी नाथ महानिदेशक

# भारतीय प्राणि सर्वेक्षण कलकत्ता-12, दिनांक 16 जुलाई 1982

मं० एक 9-1-82-स्थापना/207/3—निम्नलिखित वरिष्ठ प्राणिविज्ञान सहायक, भारतीय प्राणि सर्वेक्षण, कलकत्ता स्थित मुख्यालय में सहायक प्राणिवैज्ञानिक (ग्रुप 'बी') के पद पर 650-1200 रु० के वेतनमान में ग्रस्थाई रूप से तदर्थ भ्राधार पर 31 मई, 1982 (पूर्वाह्न ) से भ्रागामी श्रादेशों तक नियुक्त किये जा रहे हैं:—

- 1. श्री विषवनाथ दास
- 2. श्री एच० सी० घोष।

डा० बी० के० टिकादर निदेशक भारनीय प्राणि सर्वेक्षण

# भ्राकाणवाणी महानिवेशालय (सिविल निर्माण स्कंध) नई दिल्ली, दिनांक 15 जुलाई, 1982

मं० ए०12011/5/82-सी० डब्ल्यू०-1—महानिदेशक, श्राकाणवाणी, नई दिल्ली निम्निलिखित श्रनुभागीय श्रिधिकारियों (सिविल) को उनके नाम के सामने दिए गए स्थानों पर श्रौर तारीखों से 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- रुपए के वेतनमान

में, पदोन्नति पर, सहायक इंजीनियर/सहायक कार्य-सर्वेक्षव (सिविल) के रुप में स्थापन्न क्षमता में नियुक्त करतें है:-

# क्रम संख्या नाम ग्रौर पदनाम तैनाती का स्थान नियुक्ति की तारीख

- सर्वेश्रो के० वीर राघवलू, मद्रास डिवीजन 3-5-82
   सहायक कार्य-सर्वेक्षक (पूर्वाह्र)
   (सिविल)
- 2. श्री के० बाबूजनार्धन पोर्ट-ब्लेयर, सब-डिवीजन, 10-5-82 महायक इंजीनियर मद्रास डिवीजन के श्रधीन (पूर्वाह्न) (सिविल)
- 2. ये नियुक्तियां पहले से जारी पदोन्नति के श्रादेण संख्या ए-19011/14/77-सी० डब्ल्यू०-1 दिनांक 20-2-82 में दी गई णतों ब्रारा नियन्तित होगी।

एस०एम०नन्द गाँवकर मुख्य इंजीनियर (सी) के इंजीनियर श्रिधकारी

# नई दिल्ली, दिनांक 15 जुलाई 1982

सं० 4(16)/75-एम एक— श्रीमती के० तुलसी कार्यक्रम निष्पादक आकाणवाणी बम्बई के त्याग पत्न को स्वीकार करने पर उन्होंने 30 श्रप्रैल, 1982 के अपराह्म से पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

> सी० एल० भसीन प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

# नई दिल्ली, दिनांक 17 जुलाई 1982

सं० 29/8/81-एस०-2---महानिदेशक, श्राकाशवाणी, एतद्बारा श्री के० एन० यादव को श्राकाशवाणी, कोहिमा में दिनांक 1-6-82 (पूर्वाह्म) से फार्म रेडियो श्रधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

एस० वी० सेषाद्रि उप निदेशक प्रशासन **कृते** महानिदेशक

### स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

# नई दिल्ली, दिनांक 14 जुलाई) 1982

सं० ए० 19019/5/79-के०स० स्वा० यो०-I—केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली में होम्योपैथिक फिजिशियन डा० (कुमारी) बनी मलिक राय का विवाह हो जाने के फलस्वरूप श्रव वह डा० (श्रीमती) बनी सरकार के नाम से जानी जायेंगी।

टी० एस० राव उप निदेशक प्रशासन कृते स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक

# भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र (कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 1 जुलाई 1982

सं० पी० ए०/79(4)80 प्रार०-III—नियंत्रक, भाभा परमाणु प्रमुसंधान केन्द्र श्री सुंदरेणन कृष्णामूर्ति, वरिष्ठ प्राशुलिपिक को सहायक कार्मिक प्रधिकारी (रुपये 650-960) पद पर कार्य करने हेतु इस अनुसंधान केन्द्र में 3-5-1982 (पूर्वाह्न) से 16-6-1982 (अपराह्न) तक की समयाविध के लिए तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

# दिनांक 3 जुलाई 1982

सं०पी०ए०/79(4)/80 म्रार०-III : —— नियंवक, भाभा परमाणु म्रनुसंधान केन्द्र, श्री म्राजित रामचंद्र शिंदे सहायक सुरक्षा म्रधिकारी को सुरक्षा म्रधिकारी (रुपये 650-960) पद पर कार्य करने हेतु इस म्रनुसंधान केन्द्र में 14-5-1982 (पूर्वाह्न) से 30-6-1982 (म्रपराह्न) तक की समयाविध के लिए तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० पी०ए०/79(4)/80 आर०-III : ——नियंत्रक, भाभा परमाणु प्रनुसंधान केन्द्र, श्री पालसेरी सेतुमाधवन, सहायक सुरक्षा प्रधिकारी को सुरक्षा प्रधिकारी (रुपये 650-960) पद पर कार्य करने हेतु इस प्रनुसंधान केन्द्र में 24-5-1982 (पूर्वाह्न) से 25-6-1982 (श्रपराह्न) तक की समयाविध के लिए तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

# दिनांक 7 जुलाई 1982

सं० पी० ए.०/79(4)/80 श्रार०-III—नियंत्रक, भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र, श्री नाइक जयंत विश्वनाथ, सहायक को सहायक कार्मिक श्रधिकारी (रुपये 650-960) पद पर कार्य करने हेतु इस अनुसंधान केन्द्र में 10-5-1982 (पूर्वाह्न) से 19-6-1982 (श्रपराह्न) तक की समयाविध के लिए तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

# दिनांक 8 जुलाई 1982

सं० पी० ए०/79(4)/80 प्रार०-III—नियंत्रक, भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र, श्री वसंत पुरुषोक्षम कुलकर्णी, सहायक को सहायक कार्मिक श्रधिकारी (रुपये 650-960) पद पर कार्य करने हेतु इस श्रनुसंधान केन्द्र में 17-5-1982 (पूर्वाह्न) से 19-6-1982 (श्रपराह्न) तक की समयायधि के लिए तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 81(5)/82-म्रार०-4 /608---निदेशक, भाभा परमाणु म्रमुसंधान केन्द्र के निम्नलिखित म्रधिकारियों को वैशानिक म्रधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० पद पर दिनांक 1 फरवरी, 1982 पूर्वाङ्ग सं अगिम म्रादेंशों तक इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्त रूप से नियुक्त करते हैं।

ऋमांक	नाम		 व	र्तमान	पद
1	2	•		3	
1. श्री ए	न० पद्मनाभन .		एस०	цe	(बी०)
2. श्री ग्र	ार० एट्रस० वरधन	•	एस०	πo	(सी०)

1 2	3
3. श्री एम० ए० श्रीनि	वास . एस० ए० (मी०)
4 श्री भारं० रंगराजन	
<ol> <li>श्री ए० व्हि० डेरे</li> </ol>	एस० ए० (सी०)
<ol> <li>श्री ए० एस० पाटी</li> </ol>	ल एस० ए० (सी०)
<ol> <li>श्री भ्रार० राजगो</li> </ol>	
8. श्री थे० म्रो० परेरा	फो <b>रमै</b> न
9. श्री एस० के० रामचंद्रन	। नायंर . फोरमैन
10. श्री एच० एल० मंगल	वेढेकर एस० ए० (सी०)
11. श्री व्हि० ए० सत्यरंजन	त . एस० ए० (सी०)
12. श्री ए० एन० रामस्वाम	ग्गी
13. श्री व्हि० जी० गोरे	. एस० ए० (सी०)
14. श्री एन० राममूर्ति	. एस० ए० (सी०)
15. श्री जे० डी० गाडगील	. एस० ए० (सी०)
16. श्रीमति एल० डी० नार	<b>गर एम० ए० (सी०)</b>
17. श्रीके० एन० जी० कैंग	नल . एस० ए० (सी०)
18. श्री ए० ए० सिंग	एस० ए० (सी०)
19. श्री एस० एन० बिदल	. एस० ए० (सी०)
2 0. श्रीके० बी० गुहा <b>गरम</b>	त्र . एस० ए० (सी०)
21. श्री सी० एस० तुलापुर	कर . ड्रामन ए० (सी०)
22. श्री एस० एच० ताउप	ले . एस० ए० (सी०)
23. श्री बी० यदुनाथ	. एस० ए० (सी०)
24. श्री न्हिी० श्रार० वरव	ान . एम० ए० (सी०)
25. श्री ए० भ्रार० पाटील	एस० ए० (बी०)
26. श्रीएस० एस० गिदे	. एस० ए० (सी०)
27. श्री जे० जोसेफ	. एस० ए० (सी०)
28. श्रीमति ज्योत्स्ना गुप्ता	. एस० ए० (सी०)
29. श्री एस० एम० शेट्टी	. ट्रेडस <b>मै</b> न—डी
30. श्रीबी० के० मुख्योपाः	ध्याय एस० ए० (सी०)
31. श्री टी० पालानी	. एस० ए० (सी०)
32. श्रीविही० बी० धूरू	एस० ए० (सी०)
33. श्री एन० के० वर्मा	एस० ए० (सी०)
34. श्री डी० श्रार० राऊत	. ड्रा'मैन (सी०)

बी० सी० पाल, उपस्थापना ग्रिधिकारी

# परमाणु ऊर्जा विभाग विश्वुत परियोजना इंजीनियरिंग प्रभाग बम्बई-5, दिनांक 16 जून 1982

मं० पी० पी० ई० डी०/4(659)/75/प्रशासन/8062— भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र के स्थायी श्राशुलिपिक तथा इस प्रभाग के स्थानापन्न सहायक कार्मिक श्रधिकारी श्री पी० बी० नायर ने श्रपनी नियुक्ति परमाणु ऊर्जा विभाग सचिवालय में श्रनुभाग श्रधिकारी के रूप में होने पर 14 जून, 1982 के श्रपराह्म में उस प्रभाग में श्रपने पद का कार्यभार छोड़ विया।

### दिनांक 17 जुन 1982

सं० पी० पी० ई० डी०/4 (707)/77/प्रणा०/8123— इस प्रभाग के सहायक लेखा ग्रधिकारी श्री एम० के० ग्रय्यर ने, ग्रपना तबादला कलपाक्कम स्थित मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना में होने पर, 8 जून 1982 के श्रपराह्न में इस प्रभाग में ग्रपने पद का भार छोड़ दिया।

> श्रार० वी० वाजपेयी सामान्य प्रणासन श्रधिकारी

# ऋथ स्नीर भंडार निदेशालय बम्बई-400001, दिनांक 13 जुलाई 1982

सं० ऋमिन/म्र०/32011/3/76 स्थापना/15303—निदेशक ऋय और भंडार निदेशालय परमाणु ऊर्जा विभाग इस निदेशालय के श्रस्थायी सहायक श्री कस्वानिल रिवन्द्रन को स्थानापन्न रूप से सहायक कार्मिक ग्रिधिकारी के पद पर बेतन ऋम ६० 650-30-740-35-880 द० रो०-40-960 में 28 श्रप्रैल 1982 (पूर्वीह्म) से 14 जून 1982 (श्रपराह्म) क इसी निदेणालय में तदर्थ रूप से नियुवत किया है।

# दिनांक 15 जुलाई 1982

मं० ऋमिन/2/15/80-स्थापना/15366—परमाणु ऊर्जी विभाग की ऋय और भंडार निर्देशालय के निर्देशक ने स्थायी कनिष्ठ भंडारी श्रीर ग्रस्थायी भंडारी श्री बादूकूट श्रीघरन् को रुपए 650-30-740-35-810 द० रो० 35-880-40-1000 द० रो० 40-1200 के बेतन ऋम में तदर्थ ग्राधार पर निम्नलिखित श्रवधियों के लिये सहायक भंडार ग्रिधकारी नियुक्त किया है:—

- (i) 16, नवम्बर 1981 (पूर्वाह्म) से 6 दिसम्बर, 1981 (५०) तक,
- (ii) 6 म्राप्रैल, 1982 (पू०) से 27 ग्राप्रैल, 1982 (ग्र०) तक,
- (jii) 5 मई, 1982 (पू॰) से 18 जून 1982 (ग्र॰) तक।

# दिनांक 16 जुलाई 1982

सं० क्रिमिक/23/5/79-स्थापना/15526—निदेशक क्रय ग्रीर भंडार निदेशालय, परमाणु ऊर्जा विभाग इस निदेशालय के सहायक भंडार ग्रिधिकारी श्री अर्राबंदा पांडा की छुट्टी मंजूर होने पर स्थायी भंडारी श्रीर श्रस्थायी मुख्य भंडारी श्री वाजीर चंद को स्थानापन्न रूप से सहायक भंडार श्रीधिकारी के पद पर वेतन क्रम ६० 650-30-740-35-810 ई० बी० 35-880-40-1000 ई० बी० 40-1200 में दिनांक 5 श्रप्रैल 1982 (पू०) से मई 28, 1982 (ग्र०) तक तदर्थ रूप से नियुक्त किया है।

के० पी० जोसफ, प्रशासन श्रधिकारी

### नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद- 500 762, दिनांक 13 जुलाई 1982

सं० का० प्र० भ० 10704/1896—हस कार्यालय की प्रिधिमूचना संख्या का० प्र० भ०/1704/1167, दिनांक मई 8, 1982 के कम में नाभिकीय ईंधन समिम्श्र के मुख्य कार्यपालक जी उच्च श्रेणी लिपिक श्री पी० वेंकट राव को नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र में प्रवकाण रिक्ति पर दिनांक 6-6-1982 से 10-7-1982 पर्यंत स्थानापन्न सहायक कार्मिक श्रिधिकारी के पद पर तदर्थ श्राधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० का० प्र० भ/0704/1897—इस कार्यालय की ग्रंधिसूचना संख्या का० प्रा० भ०/0704/1168, दिनांक मई 8, 1982 के कम में नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के मुख्य कार्यपालक जी प्रवरण श्रेणी लिपिक श्री पी० राजगीपालन को नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र में श्रवकाण रिक्ति पर दिनांक 16-5-1982 से 10-7-1982 पर्यत स्थानापन्न सहायक कामिक श्रिधिकारी के पद पर तदर्थ ग्राधार पर नियुक्त करते हैं।

जी० जी० कुलकर्णी, प्रबंधक, कार्मिक व प्रशासन

# मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना

कलपाक्कम-603102, दिनांक 2 जुलाई 1982

सं० एम० ए० पी० पी०/3 (1351)/81 भर्सी——लेखा ग्रिधिकारी-II के नियुक्ति के चयन हेतु श्री एम० के० ग्रय्यर एक स्थाई लेखा कार एवम् स्थानापन्न लेखा ग्रिधिकारी पावर प्रोजेक्टर इन्जिनियरिंग डिबीजन, बाम्बे, ने ग्रस्थाई रूप से मद्राम् परमाणु विद्युत परियोजना में दिनांक 21 जून पूर्वाह्म से लेखा ग्रिधिकारीII- का पदभार ग्रहण किया।

# दिनाँक 17 जुलाई 1982

सं० एम० ए० पी० बी०/3 (1361)/82 भर्सी— सहायक लेखा प्रधिकारी के नियुक्ति के चयन हेतु श्री सी० पी० राधाकृष्णन एक स्थानापन्न सहायक लेखाकार, भारी पानी परियोजना तलचेर को ग्रस्थाई रूप मे सहायक लेखा ग्रधिकारी के पद पर दिनांक 29 मार्च 1982 पूर्वाह्न से मद्राम परमाणु विद्युत परियोजना में नियुक्त किया जाना है।

> टी० रामानुजम्, प्रशासनिक श्रधिकारी

# भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई-400 008, दिनांक 12 जुलाई 1982

सं० 05000/सा०-411/3406—भारी पानी परियोजनाम्रों के, विशेष कार्य म्रधिकारी, श्री राजा किशोर साहू, महा-लेखाकार (उडीसा), भुवनेश्वर के कार्यालय के स्थायी लेखा परीक्षक को, भारी पानी परियोजना (तलचर) में 5 म्रगस्त, 1981 (पूर्वाह्म) से ग्रागे श्रादेंण होने तक ग्रारम्भ में 2 वर्ष के लिए स्थानापन्न सहायक लेखा ग्रधिकारी प्रतिनियुक्त करने हैं।

मं० 05052/82/फर०/3407---भारी पानी परियोजनाश्रों के, विशेष कार्य श्रिधिकारी, श्री प्रदीप कुमार धोष, भारी पानी परियोजना (तलचर) के स्थायी वैज्ञानिक सहायक 'बी' को उसी परियोजना में पहली फरवरी 1982 के पूर्वाह्न से श्रागे श्रादेश होने तक के लिए स्थानापन्न वैज्ञानिक ग्रिधिकारी श्रिभियन्ता (ग्रेड एभ० बी०) नियुक्त करते हैं।

> एस० स्वामीनाथनः वरिष्ठ प्रमासन ग्रधिकारी

# रिएक्टर म्रनुसंधान केन्द्र कलपक्कम, दिनांक 24 जून 1982

मं० ग्रार० ग्रार० सी०/पी० एफ०-3768/82/8104— निदेशक, रिएक्टर श्रनुसंधान केन्द्र ने क्रय ग्रीर भंडार निदे-गालय, मद्रास के प्रादेशिक लेखा यूनिट के स्थायी श्रपर श्रेणी लिपिक श्री बी० जयराज को 27 मई, 1982 के पूर्वाह्र से श्रगला ग्रादेश होने तक के लिए इस केन्द्र में सहायक लेखा ग्रिधकारी के पद पर श्रस्थायी रूप से नियुक्त किया है।

> एस० पद्मनाभन प्रशासनिक स्रधिकारी

# महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 5 जुलाई 1982

सं० ए० 32013/8/80 ई० ए०—राष्ट्रपति ने श्री जी० सी० लोहार, उपनिदेशक, कलकत्ता एयरपोर्ट को 1 जुलाई, 1982 से अन्य श्रादेश होने तक क्षेत्रीय विमानक्षेत्र नियंत्रक, कलकत्ता के पद पर नियुक्त किया है।

दिनांक 7 जुलाई 1982

सं० ए०-32013/3/79-ई--ा इस कार्यालय की दिनांक 3-4-82 की श्रिधसूचना सं० ए० 32013/3/79-ई० कि कम में राष्ट्रपति ने श्री एफ० सी० शर्मी की वरिष्ठ वैज्ञानिक, श्रिधकारी के बेड में की गई सदर्थ नियुक्ति को दिनांक 30-4-1982 स आगे 31-10-1982 तक या पद के नियमित श्राधार पर भरे जाने तक इनमें जो भी पहले हो, जारी रखने की मंजूरी दे दी है।

# दिनांक 17 जुलाई 1982

मं० ए०-32014/5/81-ई० ए०--महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित सहायक विमानन क्षेत्र अधिकारियों की तदर्थ नियुक्ति दिनांक 31 अन्त्रबर 1982 तक जारी रखने की अनुमृति दी हैं :—

**क**० नाम सं०

### सर्वश्री:

- 1. एल० राजेन्द्रन
- 2. ग्राई० एस० डोलकिया

### सर्वश्री

3. एस० डब्स्यू० एम० राय

2

- 4. पवित्र विश्वास
- जे० स्तानिएलीस
- 6. एम० ग्रो० कूरेशी
- 7. मार० एच० भ्रययर
- 8. वी० रंगानाथन
- 9. एच० एन० व्रिसल
- 10. जी० एस० मिरानी
- 11. ग्रार० के० कपर
- 12. भ्रार० एल० रोडा
- 13. ए० ग्रार० मितरा
- 14. जी० सी० सरकार
- 15. श्रार० श्रार० सक्सेना
- 16. के० एस० हजारे

सुधाकर गुप्ता उपनिदेशक प्रशासन

# नई दिल्ली, दिनांक 7 जून 1982

सं० ए०-32013/2/81-ई० उष्टल्य ०—दिनांक सितम्बर, 1981 की श्रधिसूचना सं० ए०-32013/2/81<del>-</del>ई० डब्ल्यू०के कम में, राष्ट्रपति ने, श्री ग्रार० एस० सरा, सहायक प्रग्निशमन प्रधिकारी को ग्रागे दिनांक 31 ग्रगस्त 1982 तक की प्रविध के लिए प्रथवापद के नियमित प्राधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, ग्रन्शिमन ग्रिधिकारी के ग्रेड में तदर्थ ग्राधार पर नियुक्त किया है।

2. इस तदर्थ नियुक्ति के कारण श्री भ्रार० एस० सरा, सहायक श्रग्निशमन श्रधिकारी नियमित नियम्ति का दावा करने के हकदार नहीं होंगे और न ही तदर्थ आधार पर की गई उनकी सेवा ग्रेष्ठ में बरिष्ठता के प्रयोजन के लिए या भगले उच्चतर ग्रेड में पदोन्नति के लिए गिनी जाएगी।

# दिनांक 12 जुलाई 1982

सं ० ए०-32013/3/81-ई० डब्ल्यू०---राष्ट्रपति ने, श्री म्रार० एस० सरा, सहायक भ्रग्निशमन भ्रधिकारी (तदर्थ म्राधार पर स्थानापन्न रूप से कार्यरत ग्रग्निशमन ग्रधिकारी) को दिनांक 9 जून, 1982 से ग्रौर ग्रन्य ग्रादेश होने तक इ० 700-1300 के वेसनमान में नागर विमानन विभाग में प्रनि-शमन भ्रधिकारी के ग्रेड में नियमित आधार पर नियुक्त किया है।

 श्री भ्रार० एस० सरा को क्षेत्रीय निदेशक का कार्यालय, नागर विमानन विभाग, कलकत्ता में तैनाप्त किया गया है।

> ई० एल० दैसलर सहायक निदेशक प्रशासन

# नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई 1982

सं ए०-39012/1/82-ई० सी०--राष्ट्रपति ने क्षेत्रीय नियंत्रक संचार के कार्यालय, वैज्ञानिक मंचार स्टेशन, कलकत्ता 2-186GI/82

एयरपोर्ट, कलकला के श्री सौमित्र सैन, वरिष्ठ संवार प्रधिकारी का दिनांक 31-5-1982 (ब्रयराह्म) से त्यागपत मंजूर कर लिया है।

> प्रेम चन्द सहायक निवेशक प्रशासन

### विदेश संचार सेवा

### बम्बई, दिनांक ग्रगस्त 1982

मं 1/188/82-स्था०---विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतद्द्वारा मुख्य कार्यालय के सहायक प्रशासन प्रधिकारी श्री एन० व्ही० पदमनाभन को 1-7-1982 के से आगामी श्रादेशों तक उसी कार्यालय में स्थानापन्न रूप से प्रणासन श्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

> पी० के० जी० नायर निदेशक (प्रशा०) **फ्ले** महानिदेशक

# केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय म्दरई, दिनांक 14 जुलाई 1982

सं० 3/82--केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के वरिष्ठ श्रेणी निरीक्षकों की नियुक्ति ग्रगले श्रादेश होने तक 650-30-740-35-810-द० गे०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान पर स्थानापन्न रूप से ग्राधीक्षक ग्रुप 'बी०' के रूप में की गई है। ग्राधीक्षकों के रूप में कार्यभार ग्रहण किया गया स्थान एवं तारीख उनके नाम के सामने दिये गये अनुसार है।

कम सं०	ग्रिधिकारी का नाम	नियुक्त स्थान	कार्यभार ग्रहण की गई सारीख
	सर्वेश्री		
1.	बी० ग्ररोन	निवार <del>क</del> दल	27-1-82
		शिवकाशी	
2.	ए० सुंदरराजन	तिरुतु रैपूण्डी	29-1-82
3.	के० कालीम <del>ुलु</del>	कोविलपट्टी	30-1-82
4.	भ्रार० कण्णुसामी	तेनकाशी रेंज	1 5 <b>- 2-</b> 8 2
5.	एम० पी० मोहनराज	टूटीकोरिन	22-2-82
6.	पी० कालीमुत्तु	शिवकाशी रेंज-IV	8-4-82
7.	एस० सम्पत	रामेश्वरम	29-4-82
8.	एस० सेत्रामलिंगम	रामनाथपुरम	28-5-82
			(अपराह्न)
9.	ए० सी० पोन्नुसामी	टूटीकोरिन रेंज	2-6-82
10-	के० करुपय्या	पलनी रेंज	17-6-82
11.	सी० सवरिपेक्माल	नार्थरेंज	17-6-82
		मदुराई प्रभाग-II	

सं०	4/82केन्द्रीय	उत्पादन मुत	क के निम्नलिखित
कार्यालय	<b>प्र</b> धीक्षकों की	नियुक्ति अगसे	ो श्रादेश होने तक
रु० 650-3	30-740-35-81	0-द॰ रो०-35	5-880-40-1000-द०
रो०-40-1	। 200 के वेतन मा	न पर स्थानापर	प्र रूप से प्रशासनिक
स्रधिकारी	(ग्रुप 'बी०') के	रूप में तदर्थ	फ्राधार पर की गई है।
प्रशासनिक	ग्रिधिकारी के	रूप में कार्यभा	र ग्रहण किया गया
स्थान एंव	तारीख श्रनके	नाम के सामन	ो दिये गये धनुसार
है ।			-

कम प्रधिकारी का नाम सं०	नियुक्ति स्थान	कार्यभार ग्रहण की गई तारीख
सर्वेश्री		,
1. एम० भ्रब्दुल लतीफ खान	कोविलपट्टी	23-1-82
2. एम० सुब्बरामन	डिन्डीगल <sup>ं</sup>	3-4-82
-		(म्रपराह्म)
<ol> <li>ए० उमामहेश्वरन</li> </ol>	मदुरई <sub>्</sub> प्रभाग-ा	6-5-82
		(ग्रपराह्न)
4. डब्ल्यू० षण्मुगम —————	्टूटीकोरिन 	14-6-82
	श्रा	ार० जयरामन
		समाहर्ता

# कानपुर, दिनांक 8 जुलाई 1982

सं० 1/1982—निम्नलिखित निरीक्षकों (प्रवरण श्रेणी), केन्द्रीय उत्पाद णुल्क ने ग्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद णुल्क वर्ग 'ख' वेतनमान ६० 650-30-740-35-810-६० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के पद पर पदोन्नति होने पर ग्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख' के पद का कार्यभार उनके नाम के सामने दिये गये स्थान तथा तारीख़ को ग्रहण कर लिया।

ऋम सं०	नाम	#	स्थान का नाम जहा पर पदोन्नति पर कार्यभार ग्रहण किया	कार्यभार ग्रहण करने की की तारीख
1	2		3	4
	सर्वश्री			
1.	ए० के० बनर्जी		बरेली डिवीजन	2-3-81 (पूर्वाह्न)
2.	पी० सी० सक्सेना		मुख्यालय, कानपुर	4-7-81 (पूर्वाह्न)
3.	बी०पी०दीक्षित		केन्द्रीय उत्पाद शुल्क रेंज पीलीभीत सीतापुर डिवीजन	10-7-81 (पूर्वाह्न)

		<del></del>	
1	2	3	4
	सर्वंश्री		
4.	नथानी राम	कानपुर डिवीजन II	4-8-81
		ŭ	(पूर्वाह्न)
5.	पी० सी० गुप्ता	मुख्यालय कानपुर	20-8-81
			(पूर्वाह्न)
6.	एम० एल० खण्डेलवाल	<b>अलीगढ़ डिवीजन</b>	29-8-81
			(पूर्वाह्न)
7.	जी० ग्रार० श्रानन्द	गोला रेंज	9-9-81
			(भ्रपराह्म)
		सीतापुर डिवीजन	
8.	एस० एन० कुरील	मुख्यालय कानपुर	11-9-81
	.0		(भ्रपराह्न)
9.	शांति कुमार वर्मा	कानपुर ङ्विजन-II	26-9-81
		2.2	(पूर्वाह्न)
10.	सुधील कुमार	कानपुर डिवीजन-I	30-10-81
	c		(पूर्वाह्न)
11.	यमुना दास तिवारी	मुख्यालय कानपुर	1-4-82
	<u> </u>		(पूर्वाह्न)
12.	बी० भ्रार० भ्रहूजा	मुख्यालय कानपुर	7-4-82
10	<del>3</del> . <del>A</del>	<del></del>	(पूर्वाह्न)
13.	जे० पी० एस० मोर्य	फतेहगढ़ डिबीजन	12-4-82
1.4	ए० के० जेन	ਕਰੀਜ਼ਮਾਤ <del>ਸੀ ੀ</del> ਵੇਂ~	(पूर्वाह्न)
14.	ए० ५० जन	लखीमपुर खीरी रेंज	13-4-82
		मीनापर क्रिकेट	(पूर्वाह्न)
1.5	एच० सी० श्रीवास्तव	सीतापुर डिवीजन कानपुर डिवीजन	C = 0.0
1 3.	८४० सार आभारत	नमगुर ।७५।जन	6-5-82 (ਬਰੀਵਾ)
			(पूर्वाह्न)

जे० रामकृष्णन समाहती

# नौवहन श्रौर परिवहन मंत्रालय नौवहन महानिदेशालय

बम्बई-400038, दिनांक 17 जुलाई 1982 सं० 11-टी० श्रार० (5)/81:—-राष्ट्रपति, श्री श्रार० मुभन्नता बमु, इंजीनियर ग्रिधिकारी, मरीन इंजीनियरी प्रशिक्षण निदेशालय, कलकत्ता का स्यागपत्र तारीख 18-1-1982 (श्रपराह्न) में स्वीकार करते हैं।

> पी० घोष नौवहन उप महानिदेणक

### केन्द्रीय जल श्रायोग

नई दिल्ली-66, दिनांक 19 जुलाई 1982

सं०ए०-19012/984/81-स्था०-पांच—श्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल श्रायोग, श्री जे० श्रार० दिवान, पर्यवेक्षक को रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-350-880-40-1000-द० रो० 40-1200 के वेतनमान में स्नितिक्त सहायक निदेशक/ सहायक इंजीनियर (इंजीनियरिंग) के ग्रेड में 5 दिसम्बर, 1981 की पूर्वीह्न से छः महीने की स्नवधि के लिये श्रथवा पद को नियमित श्राधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतः श्रस्थायी एवं तदर्थ श्राधार पर नियुक्त करते हैं।

> ए० भट्टाचार्य ग्रवर सचिव केन्द्रीय जल श्रायोग

# केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

नई विल्ली-1, दिनांक 15 जुलाई 1982

सं० 22/6/81-प्र0-1(बी०):— प्रध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण एतद्द्वारा श्री प्रदीप मजुमदार, तकनीकी सहायक को केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (ग्रुप-बी०) सेवा के प्रतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में, स्थानापन्न क्षमता में, 9 जून, 1982 (ग्रपराह्न) से ग्रागामी ग्रादेश होने तक नियुक्त करते हैं।

सन्तोष विश्वास ग्रवर सचिव

विधि, न्याय भ्रौर कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रिजस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रौर मैं० सर्वाल फाइनेन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1982

सं० 4373/11790—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एसद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैं ० सर्वाल फाइनेन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिंगत न किया गया तो रिजस्टर से काठ दिया जायेगा श्रौर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 ग्रौर म० भायरा इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

नई दिल्ली, दिनांक 15 जुलाई 1982

सं० 3205/12226—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मैं० मायरा इन्डस्ट्रीज प्रा० लिमिटेड का नाम ग्राज रजिस्टर से काट दिया गया है ग्रीर उक्त कम्पनी विषटित हो गई है। कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैं० ग्रेट इण्डिया इलैक्ट्रोनिक्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

नई दिल्ली, दिनांक 15 जुलाई 1982

सं० 3224/12268—कम्पनी म्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के म्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि मैं० ग्रेड इण्डिया इलैक्ट्रोनिक्स प्रा० लिमिटेड का नाम भ्राज रिजस्टर से काट दिया गया है ग्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कस्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर मैं बग्गा फाइनेन्स एण्ड चिट फण्ड प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

नई दिल्ली, दिनांक 15 जुलाई, 1982

सं० 3641/12271—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतब्दारा सूचना दी जाती है कि मैं० बग्गा फाइनेन्स एण्ड चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधटित हो गई है।

डी० एन० पेगू, सहायक रजिस्ट्रार भ्राफ कम्पनीज, दिल्ली ।

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 ग्रौर मैं० साधना फर्टीलाइजसँ प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बंगलीर, विनांक 14 जुलाई, 1982

सं० 1762/560/82-83—कम्पनी श्रिधिनयम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतदहारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन मास के अवसान पर मैं० साधना फर्टीलाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जायेगी।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर एम० श्रार० मेटल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बंगलौर, दिनांक 14 जुलाई 1982

सं० 3210/560/82-83—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के ग्रनुसरण में एतब्दारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन मास के ग्रवसान पर एम० भार० मेटल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा श्रीर उक्त कम्पनी विषटित कर धी जायेगी।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रीर समादिरी कन्सल्टैन्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बंगलौर, दिनांक 14 जुलाई 1982

सं० 3810/560/82-83— कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के ग्रनुसरण में एतद्3हारा

सूचना दी जाती है कि संयादिरी कन्सलटैन्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम भाज रिजस्टर से काट दिया क्या है भ्रौर उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी भ्रधिनियम, 1956 श्रौर प्रीमियर कारबन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बंगलौर, दिनांक 14 जुलाई 1982

मं० 2827/560/82-83—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्दारा सूचना वी जाती है कि प्रीमियर कारबन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विधटित हो गई है।

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 श्रीर पेसटाप श्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बंगलौर, दिनांक 14 जुलाई 1982

सं० 1624/560/82-83—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि पेसटाप प्राइवेट लिमिटेड का नाम ग्राज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटिस हो गई है।

कम्पनी ग्रिक्षिनियम, 1956 ग्रीर ग्रोम इन्वेस्टमेन्ट्स एण्ड चिट फण्ड्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बंगलौर, दिनांक 14 जुलाई 1982

संव 1896/560/82-83--कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के ग्रनुसरण में एतद्बारा सूचना दी जाती है कि ग्रोम इन्वेस्टमेंट्स एण्ड चिट फण्ड्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम ग्राज रजिस्टर से काट दिया गया है ग्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 और मनजोग हाउसिंग प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बंगलीर, दिनांक 14 जुलाई 1982

सं० 3640/560/82-83—कम्पनी भ्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्दारा सूचना दी जाती है कि मनजोग हाउसिंग प्राइवेट लिमिटेड का नाम भ्राज रजिस्टर से काट दिया गया है भीर उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर मरीन एण्ड जनरल सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बंगलौर, दिनांक 14 जुलाई 1982

सं० 3425/560/82-83—कम्पनी मिधनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के मनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मरीन एण्ड जनरल सर्रावसेस प्राइवेट लिमिटेड का नाम ग्राज रिजस्टर से काट दिया गया है ग्रौर उक्त कम्पनी विधटित हो गई है।

कम्पनी श्रिशिनियम, 1956 और फ्रीगीलेटर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बंगलौर, दिनांक 14 जुलाई 1982

सं० 2648/560/82-83—कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि कीगीलेटर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर काट दिया गया है श्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी श्रधिनियम. 1956 और स्टेन्डर्ड केमिकल्स एण्ड युड प्रीसरवेटिव्स प्राडवेट लिमिटेड के विषय में

बंगलौर, दिनांक 14 जुलाई 1982

सं० 737/560/82-83—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि स्टेन्डड केमिकल्स एण्ड वेड प्रीसरवेटिक्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम भ्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विधटित हो गई है।

य० सत्यनारायण, कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 श्रीर नयादिरी चिट्स (इण्डिया) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बंगलौर, दिनांक 14 जुलाई 1982

संज 3229/560/82-83—कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एसद्-द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन मास के श्रवसान पर सयाविरी चिट्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रौर श्रीमीयर मशीन टूल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बंगलौर, दिनांक 14 जुलाई 1982

सं० 3012/560/82-83—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के ग्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन मास के ग्रवसान पर प्रीमीयर मणीन दूल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा ग्रौर उक्त कम्पनी विषटित कर दी जायेगी

बंगलौर, दिनांक 14 जुलाई 1982 कम्पनी भ्रधिनियम, 1956 श्रौर इलेक्टोवेय श्राइवेट लिमिटेड के विषय में

सं० 3120/560/82-83:—कम्पनी स्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्बारा सूचना दी जाती है कि इक्षेक्टोवेय प्राइवेट लिमिटेड का नाम प्राज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रीर शिवक्रपा चिट फण्ड एण्ड फाइनेन्स कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बंगलीर, दिनांक 10 जुलाई 1982

सं० 2647/560/82-83—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतस्तारा सूचना दी जाती है कि शिवक्रपा चिट फण्ड एण्ड फाइनेन्स कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

वि० एन० जगन्नाथ सहायक कम्पनियों का रजिस्ट्रार

भम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रीर सेठ स्टील एण्ड वायर्स प्रा० लिमिटेड के विषय में

नई दिल्ली, दिनांक 14 जुलाई 1982

सं० 4893/12164—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सेठ स्टील एण्ड वायर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण विश्वत न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विधटित कर दी जायेगी।

सत्येन्द्र सिंह सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार, दिल्ली एवं हरियाणा

कम्पनी मधिनियम, 1956 भौर मैसर्स ट्रस्ट एसोसियेशन भाफ किश्चियन इन्स्टीट्यूशन्स (ऐच्छिक परिसमापक) के विषय में

ग्वालियर, दिनांक 15 जुलाई 1982

सं० 916/लिक्बीडेशन/1272—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतब्हारा यह सूचना दी जाती है कि मैसर्स ट्रस्ट एसोसियेशन आफ किश्चियन इन्स्टीट्यूशन (ऐच्छिक परिसमापक) का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

सुरेन्द्र कुमार सक्सेना कम्पनी रजिस्ट्रार, मध्य प्रदेश, ग्वालियर कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 और श्रोबुल रेड्डी (मद्रास) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 16 जुलाई 1982

सं० 1945/560(5)/82—कम्पनी प्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के प्रनुसरण में एतद्दारा मूचना दी जाती है कि प्रोबुल रेड्डी (मद्रास) प्राइवेट लिमिटेड का नाम ग्राज रजिस्टर से काट दिया गया है ग्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

जे० के० रमणी कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार तमिलना**ड**़

श्रायकर श्रपीलीय श्रधिकरण

बम्बई-400020, दिनांक 14 जुलाई 1982

मं० एफ० 48-एडी/एटी/82:—श्री एस० बी० नारायणन, वरिष्ठ ग्राणुलिपिक ग्रा० क० ग्र० ग्रिधिकरण, हैदराबाद न्यायपीठ, हैदराबाद जिन्हें इस कार्यालय की ग्रिधिस्त्रचना क्रमांक एफ० 48-एडी/एटी/82 दिनांक 4 मार्च, 1982 द्वारा एक वर्ष की ग्रविध के लिये तारीख 1-6-1981 से 31-5-1982 तक ग्रस्थायी हैसियत में तदर्थ ग्राधार पर ग्रायकर ग्रपील ग्रिधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में सहायक पंजीकार के पद पर स्थानापन्न रूप से जारी रखा गया था को, दिनांक 1-6-1982 से 30-11-1982 तक के छः माह की ग्रीर ग्रविध के लिये ग्रथवा उक्त पद के नियमित ग्राधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, ग्राय कर ग्रपील ग्रिधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में सहायक पंजीकार की उसी हैसियत में जारी रखने की ग्रनुमित ग्रदान की जाती है।

उपरोक्त नियुक्ति तदर्थ है तथा इससे श्री एस० पी० नारायणन को उक्त श्रेणी में नियमित नियुक्ति का श्रिधकार प्राप्त नहीं होगा, उनके द्वारा इस श्रेणी में तदर्थ श्राधार पर की गई सेवा की गणना ज्येष्ठता के उद्देश्य के लिये श्रथवा श्रागामी उच्च वर्ग में पदोन्नति हेतु पास्नता के लिये नहीं की जाएगी।

> टी० डी० शुग्ला भध्यक्ष

कर्यालय भायकर भ्रायुक्त लखनऊ, दिनांक 13 जुलाई 1982 भ्रायकर विभाग

सं० 91—श्री श्रम्बिका प्रसाद सक्सेना, श्रायकर निरीक्षक लखनऊ प्रभार को श्रायकर श्रधिकारी (वर्ग "ख") के पव पर श्राफिशियेट करने के लिये ६० 650-30-740-30-810-६० रो०-35-880-40-1000-६० रो०-40-1200 के वैतनमान में पदोन्नत किया जाता है। पदोन्नति पर उन्होंने दिनांक 14-6-82 के पूर्वाह्म में श्रायकर श्रधिकारी, सी वार्ड, वेतन क्स, लखनऊ के रूप में कार्यभार संभाला।

सं० 92—श्री लक्ष्मी नारायणन वैश्य, भ्रायकर निरीक्षक, लखनऊ प्रभार को भ्रायकर अधिकारी (वर्ग "ख") के पद पर भ्राफिणियेट करने के लिये ६० 650-30-740-30-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पदोन्नत किया जाता है। पदोन्नति पर उन्होंने दिनांक 29-6-82 को भ्रपराह्न में श्रायकर भ्रधिकारी बी वार्ड, गोरख-पूर के रूप में कार्यभार संभाला।

सं० 93--श्री रमेश चन्द्र पन्त, श्रायकर निरीक्षक, लखनऊ प्रभार को श्रायकर प्रश्रिकारो (वर्ष "ख") के पद पर श्राफिणियेट करने के लिये रु० 650-30-740-30-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पदोन्नत किया जाता है। पदोन्नति पर उन्होंने दिनांक 22-6-82 को अपराह्न में श्रायकर श्रधिकारी, पिथौरा गढ के रूप में कार्यभार संभाला।

धरनी धर भ्रायकर भ्रायुक्त, लखनऊ प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई, 1982

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—बकोली, दिल्ली में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनांक नवम्बर, 1981

को प्रशंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिशित उच्चेश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (अर्थ) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उमत अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; औड़/बा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थानु:---

- (1) श्री श्रमीचन्द सुपुत्र श्री हेतराम, निवासी—ग्राम-बकोली, दिल्ली प्रशासन दिल्ली (श्रन्तरक)
- (2) श्री खाजान सिंह सुपुन्न श्री हेता, निवासी---ग्राम-अकोली, दिल्ली प्रशासन; दिल्ली (भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्र्राहर के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजप में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्ठ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विचित्तयम् के बच्चाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गंगा है।

### बन्स्ची

कृषि भूमि तदादी 6 बिघे 17 बिघ्ले, खसरा नं० 235 (3-14) 234(0-7), 236(2-16), स्थापित—ग्राम—बकोली, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 1-7-82

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा269-क(1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज II, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई, 1982

निर्देश सं आई० ए० सी०/एवयू०/2/एस०-आर०-2/ 11-81/6371---श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-बकोली, दिल्ली प्रशासन दिल्ली में स्थित है थौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण भो, भी, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री ग्रमीचन्व सुपुन्न श्री हेतराम, निवासी-प्राम-बकौली, विल्ली प्रशासन, विल्ली (ग्रन्तरक)
- (2) श्री जयपाल सिंह सुपुत्र श्री ध्रमीचन्द , निवासी-ग्राम-बकौली, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्यांकितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बत्रिक्ष जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### **मन्**स्ची

भूमि तादादी 6 बिघे 16 विग्न्वे, खसरा नं 262(4-16), 236(2-0), स्थापित—ग्राम—बकोली, दिल्ली प्रशासन दिल्ली

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 1-7-1982

### प्र**कप धार्षः टी०** एन० एस०-

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-म (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, महत्यक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 1 जुलाई, 1982

भ्रायकर भ्रिष्ठित्यमः 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रिष्ठित्यम' कहा गया है), की भ्रारा 269-स्थ के अभ्रीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000 -रुपय से भ्रिष्ठिक है

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-वकोली, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में पुर्ण रूप से विणित है), र्राजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक नवम्बर, 1981

को प्योंक्त संपरित के उचित बाजार मूल्यू में कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्जीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत जकत अधि-नियम के सभीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; भौर/मा
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या अन्य धारितयों की, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिवित्यम, या धनकर प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिभयम की धारा 26% म की चपधारा (1) के ग्राधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः —
3—186GI/82

(1) श्री श्रमीचन्द सुपुत्र श्री हेतराम. निवामी—गाम-धकोली, दिल्ली प्रशामन दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सुरते सुपुत्र श्री रिजल, निवासी--ग्राम-वकोली, दिल्खी प्रशासन, विक्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना **बारी करके पूर्वोक्ट** संपत्ति के प्रजेन के लिए कार्यकाहियां क**रता हूं।** 

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाषाप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर प्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति मो हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि तादावी 6 विघे 17 विश्वे, खसरा नं० 234 (6-17), स्यापित-ग्राम-क्रकोनी दिल्ली प्रणासन, दिल्ली

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारा सहायक प्रायकप प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज II दिल्ली, नईदिल्ली—110002

दिनांक : 1-7-1982

### प्ररूप धाईं • टी • एन • एस • -- --

# कायकर प्रधिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई विरुली, दिनांक 1 जुलाई, 1982

निर्देश सं० म्नाई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-म्नार०-2 11-81/6334---म्नतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-च के प्रधीन सकम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- क्पमे से प्रधिक है, श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—बुरारी, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पुण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नयम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक्ष (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण निष्ति में वास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है:——

- (%) प्रग्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधितियम के अधीन कर देने के अग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिये; और।या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आहितयों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठित्यम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने म मुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त आंधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण को, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीम निम्निसिस व्यक्तियों अधीत्:—

(1) श्री जसवन्त सुपुन्न श्री देवी सहाय निवासी-ग्राम-बुरारी, दिल्ली

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती महादेवी श्रग्रवाल परनी बनारसी लाल श्रग्रवाल श्रौर महाबीर प्रसाद श्रग्रवाल सुपुत्र श्री बनारसी लाल श्रग्रवाल निवासी-ग्राम श्रौर पो० श्रेकर, चौक बाजार, बर्दवान, वेस्ट बंगाल ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी श्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी श्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अत्रोहस्ताक्षरी के पाय जिखित में किये जा मर्केंगे।

स्पब्होकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी हा, जो उक्त अधिनियम के अध्याप 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया है ।

### **जन्मुची**

कृषि भूमि ताबादी (2-0), खसरा नं॰ 46/16, श्रौर 46/25/1 एरिया ग्राम-बुरारी, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारः सहायक पायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली--110002

दिनांक : 1→7-1982

प्ररूप बाई , टी., एन, एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

### भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I , नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिमांक 1 जुलाई, 1982

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-श्रार०-2/11-81/6335—श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-बुरारी, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पुर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवम्बर, 1981

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित् बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्वदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया ग्या है:—

- (फ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत अधि-निवस को अभीन कुट दोने के अन्तरक के दायित्व भें कभी कुटने मा उससे बुखने में सुन्धि के लिए; और/या
  - (स) ऐसी किसी आय या किसी धन था अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात— (1) श्री जसवन्त सुपुत्र श्री देवी सहाय, निवासी--ग्राम--बुरारी, दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हनुमान प्रसाद श्रग्रवाल श्रौर सागर मल अग्रवाल सुपुत्र श्री दुलीचन्द अग्रवाल श्रौर सांवर मल गोयल सुपुत्र श्री श्रोम प्रकाश गोयल श्रौर मुरारी लाल श्रग्रवाल सुपुत्र स्वर्गीय श्री दुली चन्द अग्रवाल निवासी-ग्राम-श्रौर पो० निरसा चटी जयतरा रोड, जिला—धनवाद (बिहार)

(भ्रन्लरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित् के शुर्वन् के सम्बन्ध् में कोई' भी आक्षेप 💝 🗝

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रीच से 45 विन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिंध, जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (व) इस सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में डि्त- वव्य किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीवे।

स्थव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>द</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि (5–16), खसरा नं॰ 46/16 भ्रौर 46/25/1 एरिया ग्राम-ब्रारी, दिल्ली

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रामकर धायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज II दिल्ली, नई दिल्ली-1100

दिनांक : 1-7-1982

### प्रक्ष भाई. टी. एन. एस.----

नाभकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई, 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आर०-2/ 11-81/6192---श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. सं अधिक ही

भीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-नवादा, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पुर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिज-स्ट्रीकरण ग्रितिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दहयमान प्रतिफल से, एसे दहयमान प्रतिफल का पंन्यह प्रतिशत्त से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया ग्रंमा प्रतिफल किन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्ति किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने को अस्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; और/वा
- (स) एसी किसी आव या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री भीमसिंह ग्रौर श्री पोखर सुपुत्र श्री हर लाल, निवासी-ग्राम-नवादा, दिस्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मदन मोहन गांधी सुपुत्र श्री सेठ हवन लाल, निजासी-47- नर्थ ग्राफिस पारा, पो० हीनू, राँची साउथ बिहार,

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सबीध बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क्) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्लाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अन्स्ची

कृषि भूमि तावादी 2 बिघे खसरा नं० 791, स्थापित-ग्राम-नवादा, दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज II दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अवः, अक्तः अधिनियमं की धारा 269-ए के अनुपरणः में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

दिनांक : 1-7-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस्.-----

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भ्रार्जन रेंज II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई, 1982

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-ग्रार०-2/ 11~81/6193--ग्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-नवादा. दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण व्य से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपितित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किस्तित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारण (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थातः—-

- (1) भीम सिंह श्रीर (2) पोखर सुपुत्र श्री हरलाल निवासी-ग्राम-नवादा, दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री कृशन सुध श्री श्री मीर सिंह, निवासी-ग्राम-श्रसलतपुर, जनकपुरी, नई दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कड़ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में यथा गरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वन्स्ची

कृषि भूमि तादादी 2 बिघे खसरा नं० 785 ( 1 बिघा 3 बिघ्वे), खसरा नं० 791 (0-12 बिघ्वे) स्थापित-ग्राम नवादा, दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी, संहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II दिल्ली, नई दिल्ली—110002

तारीख: 1-7-82

प्रारूप आइ. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 2 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 1 जुलाई, 1982

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०भ्रार०-2/ 11-81/6166,--म्प्रत: मुझे, नरेन्द्र सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम अलीपुर, विल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्य अनुसूची में पुर्ण रूप से विल्ली है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख नवम्बर, 81 ।

को पूर्वानित सम्पत्ति के उष्यत बार्..र मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वानित सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिशत से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आया या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

बतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण बाँ, बाँ, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) की अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्री सरदार सिंह (2) रामचन्दर (3) जीलेसिह (4) मुंशी सुपुत्र श्री प्यारे निवासी-ग्राम, श्रनीपुर, दिल्ली ।

(म्रन्तरक)

(2) मैं० के० बी० बी० एस० एसोसीएट्स-25-डीपुटी गंज, सदर बाजार, दिल्ली ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पृत्ति के अर्थन के दिल्य कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिहित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

# अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 46 बिधे 16 बिश्वे, स्थापित ग्राम भ्रलीपुर, दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारी**ख**: 1-7-82

### प्रकप भाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध् (1) के अधीन सृजना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जुलाई 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी० /एक्यू०/2/एस०ग्रार० 1/ 11-81/8616, ग्रत: मुझे नरेन्द्र सिंह,

शाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थापर संप्रति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है।

श्रीर जिसकी सं० जे-58, है तथा जो राजोरी गार्डन, नई दिल्ली एरिया वसई दारापुर, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर, 81, को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उकत अधि-नियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; बौर/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्सित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री ग्रभय भटनागर ग्रौर
- (2) म्रजय भटनागर सुपुत्र श्री जगदीण पी० भटनागर, निवासी--3006 ए, वजीरपुर, मिबिल लाइन ग्रागरा

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सतीम कुमार गुप्ता सुपुत्र श्री जवाहर लाल गुप्ता ग्रीर श्रीमती मीना कुमारी गुप्ता पत्नी श्री विजय कुमार गुप्ता, नोदो निवासी—एन० 16, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शम निस्तित में किए जा सकरो।

स्थब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

### अनुसूची

प्रो० जे०-58, तादादी 240 वर्गगज, स्थापित राजोरी गार्डन, नई दिल्ली एरिया ग्राम-बसईदारापुर, दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली—110002

तारीख: 5-7-1982

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-II, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जुलाई, 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एवयू०/2/एस० श्रार०-2/11-81/6256, श्रत: मुझे, नरे॰ सिंह श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य

25,000 / रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या 7, रोड नं० 40 है तथा जो क्लास डी, पंज बी बाग, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में पूर्ग रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख नवम्बर, 81 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उिषत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्च है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वर्ष से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किमी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह<sup>3</sup> भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्रीमती हरभजन कौर पत्नी श्री श्रमर सिंह बिन्द्रा, निवासी-7823 रोशनारा रोड, दिल्ली । जनरल श्रटार्नी श्री प्रीतम सिंह सुपुत्र श्री लक्ष्मण सिंह

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ग्रमरसिंह बिन्द्रा सुपुत्त श्री जोध सिंह बिन्द्रा नियासी-7823 रोशनारा रोड, दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 विन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्वष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

1/2 भ्रविभाजित हिस्से मकान नं० 7, रोड नं० 48, फ्लास डी, पंजाबी बाग, विल्ली, तादादी-279.55 वर्ग गज ।

> नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारो सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-II दिल्ली, नई दिल्ली 110002

ता**रीख**: 5-7-1982

# मानकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 5 जुलाई, 1982

मिर्वेश सं० ग्राई० ए० मी०/एक्यू०/2/एम० ग्रार०-2/ 11-81/6257, श्रत: मुझे नरेन्द्र सिंह,

बायकर धिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रश्चितियम' कहा नया है), की बारा 269-ख हे अधीन सम्माधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ४० से प्रष्टिक है

श्रीर जिसकी संख्या 7, रोड नं० 48, है तथा जो क्लाम डी पंजाबी बाग, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ प्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठित्तयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन तारीख नवम्बर, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृष्यमान श्रिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने उसके दृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृष्यमान श्रिक्त का पन्द्रत् प्रतिक्रत से पिष्ठक है धीर अन्तरित (अन्तरिकों) भीर अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रिक्त, निक्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कियत नहीं किया गया है :--

- (क) अंग्लरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भीक्षितिया के भावति कर देने के अन्तरक के दायिस्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्सरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

186-+ J5 GI/82

- (1) श्री अप्रमर सिंह बिन्द्रा सुपृत श्री जोध सिंह बिन्द्रा, निवासी—7823, रोशनारा रोड, दिल्ली, जेनरल श्रटानीं श्री प्रीतम सिंह सुपृत्न श्री लक्षामण सिंह (अन्तरक)
- (2) श्रीमती हरभजन कौर पत्नी श्री ग्रमर सिंह बिन्द्रा, निवासी~7823. रोणनारा रोड, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उयत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कार्ड भी आक्षेप '---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पूर्वों क्या स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### वनसंची

1/2 म्नविभाजित हिस्से मकान नं० 7, रोड नं० 48, क्लास-डी पंजाबी बाग, दिल्ली, तादादी -279.55 वर्गगज ।

नरेन्द्र सिंह

सभम प्राधिकारी

सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2 विल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 5-7-82

### प्रकप कार्च, टी. एन्. एस.----

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) को अधीन सुचना

### भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आय्वत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2 नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 1 ज्लाई 1982

निर्देण सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-श्रार०-2/ 11-81/6314--श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

भायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ए. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं सी०-33, है तथा जो इन्दरपुरी, नरायणा, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवम्बर, 1981

कं पूर्वेक्ति स्म्पिति के उचित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्भित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तथ प्या गया प्रतिफत निम्नतिशित उद्देश्य से उक्त भन्तरण निष्टित में बास्तिक क्य में कथित नहीं किया गया है है न

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियस के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जामा चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखित व्यक्तिस्थों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती दयावती पत्नी ग्रमर नाथ सिंघल श्रौर श्रमर नाथ सिंघल सुपुत्र श्री लक्षमी धन्द सिंघल, निवासी—बी-12/30, देव नगर, करोल बाग, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कुलबंत सिंह साधी सुपुत्र श्री गोबिन्द सिंह सोधी निवासी-ए०-5 नरायणा, रिंग रोड, नई दिल्ली श्रीर श्रीमती कृष्णा फुल पत्नी स्वर्गीय श्री हरबंस लाल, निवासी सकान नं० 136-करतारपुरा, नाभा (पंजाब)

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 विन की भवधिया तरसंबंधी व्यक्तियों पर गूचना की सामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवन व्यक्तियों में गें किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी प्रम्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोत्स्ताक्षरी के पाप सिक्षा में किए जा सर्कों।

स्थव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट नं ० सी ० – 33, तादादी 500 वर्गगज, इन्दरपुरी, नरायणा, नई विल्ली ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रजन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 1-7-1982

प्र**रूप क्षाइं**.टी.एन.एस.-----

आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सृष्या
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1982

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-म्रार०-2/ 11-81/8582---ग्रनः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हो

ग्रीर जिसकी सं० एच०-48, है तथा जो बालीनगर, ग्राम वमई दारापुर, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक्क प्रमुसूची में पूर्व रूप से वांणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपृतित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अभिनियम, के सुधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व के कभी करने या उससे वचने में सुविधा क लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूर्विधा के लिए;

(1) श्री वजीर सिंह दत्ता सुपुत इकबाल सिंह दत्ता निवासी—एच०-58 बाली नगर, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)

(2) श्री राजीन्दर सिंह सुपुत्त एस० लाभ सिंह ग्रौर श्रीमती गुरबचन कौर पत्नी एस० राजीन्दर सिंह, निवासी-एच०-58, बाली नगर, नई दिल्ली (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करना हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारी सू से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूबोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मन्त्रची

डी०-एस०- हाउस प्लाट नं० एच०-58, तावादी 150 बगगज, स्थापित बाली ∮ नगर, एरिया ग्राम-बसई वारापुर, दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली -110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अधीत :---

दिनांक : 1-7-1982

### प्रकप आई० टी + एन० एस•---

भायकर भीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1982 निर्देश स'० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एम०-श्रार०-2/ 11-81/6400—श्रप्तः मुझै, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं। 'क स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य, 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं ० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम मुंशीबाद, नजफगढ़ दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक नवम्बर, 1981

करें पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के टिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में सृविभा के लिए; बोर/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितयों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्स अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियमः, की धारा 269-ग के अन्*सरण* में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थुत्:--- (1 श्री कुलदीप कुमार सुपुत्र श्री रोशन लाल, निवासी-बी०-53, कृष्णा पार्क, नजकगढ़, रोड दिस्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती रणजीत कौर पत्नी श्री सन्त सिंह निवासी-सी०-103 नरायणा बिहार, नई दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित् को जर्बन के सिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन को अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस ब्वाराः
- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः ---इसमी प्रयुक्त घाट्यी और पदी का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मी दिया गया ही।

### अम्सूची

कृषि भूमि 6 बिधे स्थापित--ग्राम-मुंशीबाध, नजफगढ़, दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 1-7-1982

प्र**क्ष** धाई० टी• एन•एस•---

भ्रायकर भ्रम्भिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269ष(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० मी०/एक्यू०/2/एस०-म्रार०-2/ 11-81/6300---म्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर श्रिधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जन्त श्रिधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सञ्जम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मध्यति, जिसका उचित्र बाजार भूख्य 25,000/-रुपये से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं ० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम नजफगढ़, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्परित के उषित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिष्ठण के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोका सम्पति का उवित बाजार मृश्य उसके वृश्यमान प्रतिष्ठल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिष्ठल का पन्त्रह प्रतिशासि ग्राधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिष्ठल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण सिखित बास्तविक रूप में कथित नहां किया गरा है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्राग्ध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिख में कमी करने या उसमे अचने में सुविधा के लिए, और/या
- (च) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रम्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, द्विपाने में सुविधा के लिए।

कतः वन, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण मों, में उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री रोशन लाल सुपुत्त श्री बिशन सिंह, निवासी-ग्राम-नजफगढ़, दिल्ली

(ग्रन्सरक)

(2) श्री कुलदीप कुमार जुल्का मुयुस श्री रोशन लाल जुल्का निवासी-बी०-53, कृष्णा पार्क, दिल्ली (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्तिके वर्जन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षप :---

- (क) इन सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्मक्वनकी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की भ्रमिश्र, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्पावर सम्पत्ति में दितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्तक्षारों के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्वडतीकरण:--इसमें प्रयुक्त कक्दों श्रीर पदों का, जी उनत प्रधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

### नमूल्यी

क्रिष भूमि तादादी 4 बिघे 16 बिग्वे, ग्राम नजफगढ़, विस्ली।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, विश्ली नई दिल्ली-110002

विनोक : 1-7-82

प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

कावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269±व (1) के संबीत सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एम० श्रार-2/11-81/6301—श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके रक्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का फारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- क∙ से मिक्क है

स्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम नजफगढ़, दिल्ली में स्थित है (स्रौर इसमें उपाबढ़ अनुसूची में पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय र्राजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक नवस्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के जांचत बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफान के लिए अन्तरित की गई है घोर मुझे यह विश्वास करने का अ(रण है कि पथापूर्वोक्त संपत्ति का जीचा बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे प्रयमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिकात से घायक है धोर घन्तरक (घन्तरकों) घोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बोच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित चहेंग्यों से उन्त घन्तरण लिखात में बास्तविका रूप से कवित नहीं किया गया है।—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर बेने के मन्तरक के दायित्य में नामी करन या उससे बचने में सुविधा के निए। बीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य आस्तियों की, जिल्हें भारतीय भायकर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कं प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम् की धारा 269-गं के, अनुतरण में ,में, उक्त अधिनियम् की भारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों अधीत :--

(1) श्री रोशन लाल सुपुत्र श्री बिशन सिंह निवासी-ग्राम-नजफगढ़, दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कुलदीप कुमार जुल्का, सुपुत्र श्री रोशन लाल जुल्का, निवासी बी०53, कृष्णा पार्क, दिल्ली

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रजंन के सम्बन्ध में कोई धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन भी तारी का से 45 किन की अवधि मा तत्सम्बन्धी अवित्वों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवस्तियों में से विसी अवस्ति आवित आवित दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में दितयद किसी अन्य स्थित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंबे।

स्पब्टीकरण : इसमें प्रयुक्त गाव्यों और पर्वो का, जो खकत क्षिक्ष मिक्स के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहंद प्रयो होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि तादाधी 4 विघे 16 विषवे, 4 स्थापित-ग्राम-नजफगढ़, दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विनांक: 1-7-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  $oldsymbol{oldsymbol{x}}$  जीन रेंज- $\Pi$ , नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1982

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० श्रार०-2/11-81/6302---श्रमः म्झे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम नजफगढ़, दिल्ली में स्थित है श्रौर इससे उपावद्ध स्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक नवम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त्रितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योध्य से उस्त अन्तरण लिखत में बाल्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निल्कित व्यक्तियों अर्थात् :— (1) श्री रोशन लाल सुपुक्ष श्री बिशन सिंह, निवासी— ग्राम नजफगढ़, दिल्ली ।

(म्रन्तरक)

(2) श्री कुलदीप कुमार जुल्का मुपुत्र श्री रोणन लाल जुल्का, निवासी बी-53 कृष्णा पार्क, दिल्ली। (भ्रत्निरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कांई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकता व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियस, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुस्ची

कृषि भूमि तादादी 4 बिघे 16 बिग्वे, स्थापित-ग्राम-नजफगढ़, दिल्ली

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक: 1-7-1982

प्ररूप आह. टी. एन. एस. -----

न्नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार। 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-गा, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1982

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० प्रार०-2/11-81/6298---श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाए 'उन्त प्रिवित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर मम्पत्ति, जिपका उचित बाजार मूख्य 25,000/— ६५ए से ग्रिधिक है

स्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम होलम्बी खुर्द, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है, रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नयम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम् के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उपके दृग्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से धिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और पन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वान्तविक का से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त शिविषम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायिस्व म कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (स्) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्न अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, जिपाने में स्विधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री सुधन सिंह सुपुत्र श्री प्रभु दयाल, निवासी-ग्राम होलम्बी खुर्द, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती स्कमणी देवी नेहाता पत्नी श्री हरख चन्द नेहाता, निवासी 537 कटरा नील, दिल्ली ।

(श्रन्तरिती)

मो मह भूबता जारो करके पूर्वीका सम्पक्ति के प्रजैत के लिए कार्यवाहियां करतः हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :→-

- (क) इन ल्बना के राजपत्र मं नकाणन की नारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पांस लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त गर्वों ग्रीर पदों का, जो सक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बन्धि अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है

### अगस्पी

कृषि भूमि तादादी 10 बीघे ग्राम होलम्बी खुर्द, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-॥, दिल्ली नर्ड विल्ली

दिनांक: 1-7-1982

प्ररूप बार्ड. टी. एन्. एस.----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के क्षीन सम्बना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज-II, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक । जुलाई 1982

निर्देश सं० अर्थि० ए० सी०/एवयू०/2/एस० आर००- 2/ 11-81/6275----यतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

न्नीर जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम-होलम्बी खुई, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूर्ची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीयर्ची ग्रिधिनारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनारी नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख नवस्बर, 1981

को पूर्वोधित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान् प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रवह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

श्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन निम्हिल्लिस् व्यक्तियों, अधिन्य अ

(1) श्री देलेल सिंह सुपुत्र श्री जय राम, निवासी-ग्राम सूलतानपुर माजरा, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री बी० के० गुप्ता गुपुत्र लाला रघुवीर सरण, निवासी-1, शंकरायार्थ मार्ग, सिविल लाइन, दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विता व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज में 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधाहस्तावरी के पास लिखित में किए जा स्कोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसुची

कृषि भूमि तादादी 15 बिघे 13 बिखे, का भाग 7 बीभा 16-1/2 बिखे, खसरा नं० 30/20(4-07), 21(4-11), 31/25(4-16), 53/5/1 (1-00), 54/1/1 (0-19) ग्राम होलम्बी खूर्द, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिवारी, सहायक प्रायकर अध्युक्त (निर्राक्षण), भ्रजन रोज-11, दिल्ली, नई दिल्ली.

दिनांक: 1--7--1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. --------

आयकर अधिनियम, 1967 (1961 का 43) की धार्य 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत परकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयक्रत (निरक्षिण) श्रुर्जन रेंज-II

नई दिल्ली, दिनांक । जुलाई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एनयू०/2/एस० आर०-2/11-81/6376—श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिह,

भायकर श्रवितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके रेपचात् 'उक्त सिंधिमयम' कहा गया है), की घारा 269-त्र के मन्नीत सम्भागानिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित, जिसका छिचा शावार मूह्य 25, 000/- रु० हे श्रविक है

श्रौर जिसकी मं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम खेराखुर्द, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के श्रधीन विनोक नवम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्त के नुद्दे किसी आयं को बाबत, उरत आंश्रानयम के श्रधीन कर देते के श्रम्तरक के दायिस्य में कमी करते या उसमें कचने में मुक्किश के लिए; ग्रीर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य मास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त श्रीधिनियम, या धन-का पिंचित्रम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, स्थितने में पुविद्या के लिए।

जन: अत, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) श्री लक्ष्मी तरायण सुपुत्र श्री राम चन्दर निवासी-ग्राम-खेबरा, जिला मोनीपत, हरियाणा, श्रीर उतम जन्द गुपुत श्री मूल चन्द, निवासी-2975 त्रीनगर, चिरुली। (श्रन्तरक)
- (2) श्री श्रीभगवान गुपृत्र श्री रूपचन्द, निवासी-ग्राम-ग्रीर पो० वादली, दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को ।ट्रसूचना जारी करकेपुर्वीकासम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करताहुं।

जनत सम्पत्ति के प्रजेन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-शक्थ किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, त्र शे अर्थ होगा, जो उप भ्रष्याय में वियोगया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि (21-4) खसरा नं० 124/9, 10, 12 मीन 125/6, 7 मीन, एरिया ग्राम खेरा खुद्दे, विल्ली ।

नरेन्द्र सिंह् भक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-रा, नई दिल्ली

दिनांक: 1-7 1982

प्ररूप आई. टो. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा

### 269-ष(1) के अधीन स्थना

### भारत सरकार

`कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्य०/2/एस० श्रार०-2/11-81/6272—स्थतः सुझे, नरेन्द्र सिह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम होतम्बी खुर्द, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय. नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक नवस्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई ही और मुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उमके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वास से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण विखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्थ में कभी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

(1) श्री चन्दर भान सुपुत्र श्री जय राम, निवासी ग्राम सुलतानपुर माजरा, दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बी० के० गुप्ता सुपुत्र लाला र**धुबीर सरण**, निवासी 1-णंकराचार्य मार्ग, सिविल लाइन दिल्ली (श्रन्तरिती)

का यह भूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पोत्त के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में मभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसबुध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे गास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

### अनुसूची

कृषि भूमि तावादी 15 बीघे 13 बिश्वे का 1/2 भाग तावादी 7 बीघे 16-1/2 बिश्वे, खसरा नं० 30/20, (4-07), 21(4-11), 31/25(4-16), 53/5/1(1-00), 54/1/1(0-19), ग्राम होलम्बी खुर्द, दिल्ली

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

अत अब उक्त अभिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तित्यों, मधीत् छ ।

दिनांफ: 1-7-1982

मोहुदुः

प्रारूप बाइ टी. एन. एस., ----

मायुकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० श्रार-2/11-81/6338—श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बुरारी, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिस उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण संहुई किसी शाय की वावत, उन्स्त जीधिनियम के जधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी कर्रों या उससे बुचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आयु या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

कतः अत्र, रुक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-यु की उपधारा (1) के अधीन, रिम्मलिखित व्यक्तियों, अधृति :-- (1) श्री काली, कंबल सिंह सुपुत्र श्री मंगतु, निवासी— ग्राम-बुरारी, दिल्ली

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती सरती देवी श्रग्नवाल पत्नी पोकार मल श्रग्नवाल श्रौर शिव कुमार श्रग्नवाल सुपुत्न श्री पोकार मल श्रग्नवाल, निवासी-522, लाहोरी गेट, दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को सामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पध्यीकरणः --- इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

कृषि भूमि तावादी 1 बीधा 5 बिग्वे, मस्तातील नं० 94, किला नं० 4, 6, ग्राम—बुरारी, दिल्ली

> नरेन्द्र सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिलांक: 1-7-1982

# भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के भ्राधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1982

निर्देण सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-श्रार-2/11-81/6356--श्रातः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

मायकर अधिनियम, 1901 (1931 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बुरारी, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप ने विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक, नवम्बर 1981।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्ट्यमान प्रतिफन में, ऐसे दृष्ट्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत से प्रधिक है पौर प्रन्तरक (अन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तिबक हम से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरंक ये हुई किसी प्राय को बाबत, उक्त प्रक्षि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रम्तरंक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, ग्रीर/या।
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अत:, अब, उक्त अधिनियम्, क्री धारा 269-गृ के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास :----

- (1) श्री शाम लाल ग्रौर गोपी चन्द सुपुत्र श्री लुरीन्द चन्द, निवासी-147 हकीकत नगर, दिल्ली (ग्रन्तरक)
- (2) मैं अनर्दर्न एग्रीकल्चर एण्ड स्टुड फर्मस (र्राजि), (श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मी काई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी म्मिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्यब्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिष्ठ-नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ दीगा जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

#### अंत्रम की

कृषि भूमि (4-16), खसरा नं र 135/4, ग्राम-बुरारी, विल्ली ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

विनांक 1-7-1982

मोहरः

प्रकृष् आई. टी. एन. एस.-----

नायक ए सुधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1982

निर्देश सं० ग्रार्४० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० ग्रार० $\sim 2/11-81/6349$ —ग्रत: मुझे, नरेन्द्र सिंह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर नंपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. सं अधिया ही

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम श्रम्बरहुई, दिल्ली, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक नवस्वर, 1981

को पूरों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रवृह प्रतिशत से अधिक है और अंत्रक (अंतरकों) और अंत्रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत्रण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्त्रण लिखित में बास्त्विक स्मृस के कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उभक्ष अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूदिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ज्यारिती ब्वारा प्रकट नहीं किया ग्या धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः श्रव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम को धारा 269-च की उपधारा (1) को जुधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) श्री शीश राम श्रीर दौलत राम सुपुत्र श्री नेत राम, निवासी—ग्राम श्रम्बरहर्द, दिल्ली प्रशासन दिल्ली (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती वीना कक्कर पत्नी श्री हरदेश कक्कर, निवासी बी-1/632 जनकपुरी, नई दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या है।

# अनुसूची

कृषि भूमि तादावी 10 बीघे 8 बिख्वे, ग्राम श्रम्बरहर्द्द, दिल्ली प्रशासन दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विनांक: 1-7-1982

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निर्रोक्षण) प्रजन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/ए स०-श्रार-2/11-81/6350--श्रतः मृह्में, नरेन्द्र सिंह,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 हा 43) (जिसे ध्समें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ज के श्रधीन सक्षम श्रिधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से श्रिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम होलम्बी खुर्द, विल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमे उपायड अनुसूची में पूर्ण क्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवम्बर 1981

- की पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए चन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिभत से श्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य ये उचन अर्जरण लिखित में वास्तविक छप से क्षित कहीं किया गया है:—
  - (क) अस्तरण स हुई किसाआय का बाबत उक्त सिंधिक नियम के अधीन कर देने के अक्तरक के दायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। भौर/या
  - (ख) ऐसी किसी श्राय या जिसी धन या जन्म धास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिष्ठनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत श्रिष्ठित्यम, या धनकर श्रिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा या या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुजिधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री सुधन सिंह सुपुत्र श्री प्रभु वयाल, निवासी-ग्राम-होलम्बी खुर्द, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) हरख चन्द नेहाता सुपृषधी बीं० डीं० नेहाता, निवासी-537-कटरा नील, दिल्ली।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख मे 45 विन की प्रविध या तक्ष्मं की व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी धविध बाद में नमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख के 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीफरण: ---इसमें प्रमुक्त सब्दों श्रीर पदी का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रवं होगा, जो उस अध्याय में विमा गया है।

### अनुसूची

क्रुपि भूमि तादादी 10 बिघे 2 बिश्वे, ग्राम होलम्बी खुर्ट, विल्ली।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुका (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

दिनांक: 1-7-1982

ī

आयकर् अधिगयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के बभीन् सुचना

#### भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्राजैन रेंज-2, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० म्रार०-2/11-81/6308—म्रतः सुझे, नरेन्द्र सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- क से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० 1-ब्लाक-ई, है तथा जो भगवान दास नगर, दिल्ली में स्थित है (स्रौर इससे उपायक श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक, नवम्बर 1981।

को पूर्वोक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के छ्रयमान प्रतिकल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके छ्रयमान प्रतिकल से ऐसे छ्रयमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फस, निम्निलिखत उद्विषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिव्क क्य से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आयकी यावत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के सिए; और√या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्कत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अतः, उत्सर्त अधिनियमं की धारा 269-गं के, अनुसरणं में, में, उत्तर अधिनियमं की धारा 269-वं की उपधारा (।) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री श्रोम प्रकाश तर्नेजः मुपुन्न श्री भोला राम सनेजा, निवासी-4/37 अब्ब्स्यू० ई०-ए०-करोल बाग, नई दिल्ली (श्रन्तरक)
- (2) श्री णिय कुमार शर्मा श्रांर कैलाश चन्द शर्मा मुपुत स्वर्गीय श्री गीयासी राम, निवासी-313/101-डी, तुलमी नगर, श्रोल्ड रोह्तक रोड़, दिल्ली । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्तुसम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्धु में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकर्णः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्कर अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

#### अनस्ची

मकान कन्सट्रक्टेंड प्लाट नं० 1, ब्लाक नं० ई, क्षेत्रफल-243 वर्गगज, भगवान दास नगर, दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 1-7-1982

### प्रक्रम आई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के समीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1982

निर्धेष सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० ग्रार-1/11-81/8611--ग्रतः मृझ, नरेन्द्र सिंह,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राविकारी को, यह विश्वाक करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० 5-डी, है तथा जो ग्रोल्ड गुप्ता कालोनी, पोलो रोड़, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में पूर्ण क्य से वर्णिन है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक नवम्बर 1981।

को पृषोंक्स संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कृप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी अाय या किसी अन अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग को अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात——
6—186 GI/82

(1) भी समजीत सिंह सुपुत्र श्री राम सिंह निवासी-5-डी, पोली रोट, प्रोल्ड गुष्ता कालोनी, दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ए० डी० घाहूजा सुपुत श्री घ्रार० एन० ग्राहुजा, निवासी-ए-23. विजय नगर, दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त समात्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त मध्यक्ति के प्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस मूचना के राजांद्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की धविद्य या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर
  मूचना की तामील से 30 दिन की घविद्य, जो भी
  धविद्य बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस सूचता के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, घधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हराब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, को उक्त भिक्षितियम के श्रव्याय 20-क में परिभावित है, वही श्रर्थ होगः, जो उस श्रध्याय में दिया गा है।

### अमुसूची

प्रो० नं० 5-डी, क्षेत्रफल 150 वर्गगज, स्थापित स्रोल्ड गुफ्ता कालोनी, पोलो रोड़, दिल्ली

> नरेन्द्र सिंह, सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नर्ड दिल्ली-110002

दिनांक : 1-7-1982

प्रकृत शार्ष. टी. एत. एस.-----

# आयकर मिनियम, 1961 (1981 का 43) की बारा 269-व (1) के मिनि स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज 2, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एनयू०/2/एस० ग्रार-2/11-81/6177—ग्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह ग्रायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के ग्रजीत सदान प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूख्य 25,000/- ठ० से ग्राधिक है

श्रीर जिसकी सं० डब्स्यू० जेड० 228 है तथा जो प्लाट नं० बी०-215, फतेह नगर, नई विल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक तबस्बर, 1981।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रश्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्मापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से धिक है धौर प्रन्तरक (अन्तरकों) धौर प्रन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक स्व से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उबत महि-नियम के मधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती हरबंग कौर, निवासी डब्स्यू० जेड 8-सी महाबीर नगर, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एस० मंजीत सिह (2) एस० तेजीन्दर पाल सिह (3) एस० रिवन्दर सिह ग्रीर श्रीमती जसवन्त कीर, निवासी 165-ए, डी० डी० ए० फ्लेट्स, राजीरी गार्डेन, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को **ग्रह सूक्**ता <mark>जारी</mark> करके पूर्वीकत सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करका हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बग्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व्य से 45 विन की प्रवक्षि या तस्सन्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी इयकित दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी सन्य क्यक्ति द्वारा, अन्नोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीश्वरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उनत प्रधितियम के प्रध्याय 20-व में यथा परिचाणित हैं, वहीं धर्षे होगा, जो उस धन्याय में दिया गया है।

### मन्सूची

मकान नं डब्ल्यू० जेंड० 228, जो प्लाट नं बी० 213 पर बना हुआ है, क्षेत्र 176 वर्गगज, वाक्या फतेह नगर, नई दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह, सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज 2, नई दिल्ली

दिनांक: 1-7-1982

प्रकप बाई• टी• एन• एस•→

# धायकर प्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1982

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/एस्यू०/2/एस० श्रार-2/11-- 81/6368---श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंहे,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उस्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सभम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति जित्रका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपये से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बकौली, दिल्ली में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक नवम्बर, 1981।

पूर्वोत्रत सम्पत्ति के उधित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर पृष्ठ गई विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोत्रत सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्धत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिशों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक स्था से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रष्टि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में मुविधा के लिए;

बतः बब, उक्त विभिनियम, की भारा 269-ग के बन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिसित व्यक्तियों, अधीत्:— (1) श्री ग्रामी चःद सुपुत श्री नेत राम, निवासी-ग्राम बनौली, विल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती इन्द्रावती पत्नी श्री कंवर भान, निवासी कें बी०-4ए, ग्रशोक विहार, भाग-1, दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविष्ठ, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रक्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणा - इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि • नियम के अख्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो सत ग्रह्माय में दिया गया है।

# प्रनुसूची

कृषि भूमि तावादी 5 बीघे 17 विश्वे-श्वसरा नं० 462 (3-17), 463 मीन (2-0), ग्राम बकौली, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह, सक्षम ग्रधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

दिनांक: 1-7-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

# आयकर ग्रम्भिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के ग्राधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० श्रार-2/11-81/6422--श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत श्रिधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सभाम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सभ्यत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम होलम्बी कलां, विल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक नवम्बर 1981।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्म से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यंगापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्म उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे यृश्यमान प्रतिफल का पम्मह प्रतिणा से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पोपा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उचित अन्तरण लिखित में वास्तविकं रूप से क्षित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राप की बाबत, उन्ते प्रक्षितियम के प्रजीत कर देने के प्रस्तरक के वाजिल्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए धौर/या।
- (भ) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अण्य झांस्सयों को, जिन्हें भारतीय धायकर खंबिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त खंबिनियम, या अन-कर खंबिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;
- ध्रतः अब, उदा ध्रिधिनियम की धारा 269-म के ध्रनुसरण में, में, उक्त ध्रिकियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री बेग राज मुपुत श्री काल, निवासी-ग्राम ग्रौर पो०-होलम्बी कलाँ, दिल्ली । (श्रन्तरक)
- (2) श्री जगजीत सिंह सुपुत्र श्री राम सरूप, निवासी-ग्राम-होलम्बी कलां, दिस्सी । (ग्रन्तरिती)

को यह सूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाओप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ सें 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी स्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में दितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किएजा सकेंगे।

स्वव्दी हरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रह्मित्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अधै होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 17 बीघे 13 बिश्वे, ग्राम-होलम्बी कलां, दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक: 1-7-1982

प्रकप बाई० टी० एन० एस०----

भायकर भन्नितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई, 1982

निर्देण सं० प्राई० ए० मी०/एक्यू०-2/एभ०प्रार०-2/11 81/6406—-प्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- द० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० सी-44 है तथा जो फतेह नगर, नई दिल्ली मों स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मों श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई विल्ली मों रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की - गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरिक (अन्तरिकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीन ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रविद्धल, निम्नलिखित उद्देश्य में उचन अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप में क्यात नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण में हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या इंससे बचने में सुविधा के जिए और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी छन या प्रम्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रीधिनियम, या धनकर ग्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री कुलदीप सिंह सुपुत्र एस० मलीक सिंह निवासी डब्स्यू-जेड-63, विष्णु पार्क, नई दिल्ली । (श्रन्तरक)
- श्री महीन्दर सिंह सुपुत्र श्री हंस राज गांधी, निवासी डी-30, किती नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरि ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तश्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रम्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताझरी के पात लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पेष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों मीर पदों का, जो उन्त मधिनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित है, बही मर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

# वनसंची

प्लाट नं० सी-44, क्षेत्र फल 165 वर्ग गज, स्थापित: फतेह नगर, नई दिल्ली, ग्राम तिहाड़, दिल्ली।

> नरेन्द्र सिह मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख 1-7-1982 मोहर : प्ररूप आहे. टी. एन. एसं. -----

भायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1982

निर्देश सं० श्राई०. ए० सी० /एक्यू०-2/एस०श्रार०-2/11-81/6273—श्रत: मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ह के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम होलम्बी खुर्द, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विजित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक नवम्बर, 1981

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के स्रयान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिवक स्पू सं कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई फिली आय की बाबत उथत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बौड/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धन- कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

 श्री दलेल सिंह सुपुत्र श्री जय राम, निवासी ग्राम मुलतानपुर, माजरा, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री शरद जैन, सुपुत श्री शान्सी सागर जैन; निवासी 9 कोर्ट रोड, सिविल लाइन, दिल्ली ।

(ग्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं। उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पक्कीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनसे अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हु<sup>4</sup>, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा गया है।

## नन्स्ची

कृषि भूमि, 13 बीघे, 6 बिक्ष्वे का 1/2 भाग भूमि 6 बीघे 18 बिक्ष्ये , खसरा नं० 9 31/8 (4-16), 9(3-3); 12(1-7), 13(4-0), ग्राम होलम्बी खुद, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, नई दिल्ली-110001

अत: अब, जक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

नारीख: 1-7-1983

प्रकृप आहु . टी. एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रैंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1982

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी० /एक्यू०-2/एस०भ्रार-2/11-81/6362—श्रतः मुझे नरेन्द्र भिह्न,

आयंकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० बी-327 है तथा जो हरी नगर, नई दिल्ली स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुमूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवस्वर, 1981

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तयिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे धचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ करें, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

 श्रीमती जानकी देवी विद्यवा पत्नी श्री हरबंध लाल, निवासी 17/4. तिलक नगर, मन मार्केट, नई दिल्ली, वह स्वयं श्रौर जी० ए० श्री रमेण, भतीण चन्द, यणपाल श्रौर श्रीमती लता, इत्यादि।

(भ्रन्तरक)

 श्री योग राज मुपुत्र श्री पीयारे लाल, निवासी बी-327, हरी नगर, नई दिल्ली । (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्त सम्मृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध् में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं स से 45 दिन की अविधि या तत्त्रम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिह्मित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो सक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस् अध्याय में दिया स्या ही।

# अनुस्ची

मकान नं० बी-327, तादादी 220 वर्ष गज, प्लाट नं० वी-327, खसरानं० 4005 ग्रौर 4010 हरी नगर, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिह्
सक्षम प्राधिकारी
भहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-II, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

न।रीख: 1-7-1982

. प्ररूप बार्ड . टी . एनं . एस . ------

# য়। यकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) की मधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1982

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० 15-बी है, नथा जो हरी नगर, ग्राम तिहार, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुमूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पण्यह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरक निखित में वास्तिक रूप मे कथित नहीं किया गया है:—

- (क) पन्तरण में हुई किसी भ्राय. की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के किए;

धतः वन, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरम में, पं, उकत अधिनियम की घारा 269-ग की उपधारा (1) के धडीन, निक्निसिधित व्यक्तियों, प्रथित :--

 श्री श्रणोक मुनार, जनरल प्रदानी श्री रतन लग्न सीत. निवासी बी/176, हरी नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 श्री जोगिन्दर पाल कोहली सुपुत्र श्री खेराती लाल कोहली निवासी बी-276, हरी नगर, नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारीकरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाद्वियो करता है।

उन्त सम्पत्ति के प्रार्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचने। की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूचीकत व्यक्तियों में से कियी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवढ़ किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो 'छक्त श्रिक्त नियम', के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं; बही ग्रर्थ,होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

प्लाट नं० 15-बी, तादादी 220 वर्ग गज, खमरा नं० 1978, ग्रौर 1989, स्थापित ग्राबादी हरी नगर, एरिया, ग्राम तिहाडु, नई दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह भक्षम प्राधिकारी भहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-U, नई दिल्ली-110002

मारीख : 1-7-1982

प्ररूप आर्च. टी. एन्.. एस्.----

श्राय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सह्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-[], नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस०ग्रार-2/11-81/6299—श्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परुषात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी संख्या 1/69 है, तथा जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवम्बर, 1981

को पृयों कर सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफो यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वेकित संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिश्वत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सूविका के निष्ट; और
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गा भगकर अधिनयम, 1957 (1957 का १७७) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किय। गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब्, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 7—186GI/82

 श्री राम लेहन मुपुत श्री भगत राम लेहन, श्रीमती मोहिनी लेहन पत्नी श्री श्री राम लेहन, निवासी 27-बी/4, न्यू रोहतक रोड, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री वीरेन्द्र कुमार सुपुत्र डा० मोहन लाल निवासी 4/69, पंजाबी बाग, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर् सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वावत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास जिल्लित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हुं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुस्ची

प्रो॰ नं॰ 1/69, भूमि का माप 364, 85 वर्ग गज, पंजाबी बाग, नई दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आप्का (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-II, नई दिल्ली-110002

तारीख 1-7-1982

# मुक्प बाइ दो एन एस .----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

### 

# कार्यान्य, सहाय्य बायकड वायुक्त (विडिम्प)

ध्रर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई: 1982

निर्देश सं० प्राई० ए० सीं० /एक्यू०-2/एस०प्रार-1/11-81/8598—अतः मुझे, नरेन्द्र, सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्थले पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विकास करने का कार्य हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विकास स्टिंड बाजार मूस्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी संख्या 335, है तथा जो ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्थ, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे रूर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप में कथित नहीं किया गया है---

- (क) जन्तरण से हुए हिंगसी भाग की बावत, उपत् अभितियम के अधीन कर वेने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बुचने में सुविधा के निस्पृश्व आर्थिया
- (क) ऐसी फिसी आव या किसी थ्रुग या बच्च आस्तियों की, जिल्हें भारतीय नाय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर विभिनियम, या धनकर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुदिशा के सिएक

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नुसिद्धित व्यक्तियाँ नुभौतः—

- 1. (1) श्रीमती खिलो बाई पत्नी श्री चमन लाल
  - (2) श्रीमती सन्तोष नांगिया पत्नी स्व० श्री लक्ष्मीचन्द श्रीर
  - (3) श्री शिव लाल नन्दा सुपुत्न श्री सुन्दर दास, निवासी 6ए/68, डब्ल्यू-ई-ए- करोल बाग, नई दिल्ली

जनरल अटार्नी श्रीमती कमलेश कुमारी (ग्रन्तर

2. श्री रमेश चन्दर नन्ता सुपुत्र श्री शिव लाल नन्दा निवासी 35/3, ईस्ट पटेल नगर, नई विल्ली। (ध्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपृतित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता 🗗 🗎

# बनत् सम्मृतित् के नुर्वन् के सम्बन्ध् में कोई भी बाधांपू:---

- (क) इस स्वता के डाज्यम में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की वर्षा या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वता की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से दिकसी व्यक्तिस हवारा
- (क) इस स्वना के ट्राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य अमृतित द्वारा वधाहस्ताक्री के पाछ शिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकिरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>‡</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह<sup>‡</sup>।

#### अन्स्ची

प्रो॰ नं ● 35/3, ईस्ट पटेल नगर, नई विल्ली।

नरेन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, नई दिल्ली-110002

तारीख: 1-7-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुपना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (टिरीक्षण) ग्रर्जन रेजकी

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी० /एक्यू०-2/एस०ग्रार०-1/11-81/8612--श्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारा को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित दाजार मृत्य 25,000/रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं बी-56/8 है तथा जो जी टी करनाल रोड, इन्डस्ट्रीयल एरिया, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नयम्बर, 1981

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य संकम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के बुधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों, अर्थात्:——  श्री राम प्रकाश मोंगा सुपुत्त श्री केसर दास मोंगा, मैं० मोंगा परफ्युमरी एण्ड फ्लोर मिल्स. बी-36/8, जीं० टीं० करनाल रोड, इन्डस्ट्रीयल एरिया, विल्ली

(भ्रन्तरक)

 श्री कृष्ण गोपाल मोंगा ग्रौर विजय कुमार मोंगा, सुपुत श्री राम प्रकाश मोंगा, निवासी बी-36/8, जी० टी० करनाल रोड, इन्डस्ट्रीयल एरिया, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- के बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरुणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

2/3 भाग प्लाट नं० बी-36/8, जी० टी० करनाल रोड, इन्डस्ट्रीयल एरिया, दिल्ली भूमि की तादादी 414 वर्ग गज ।

नरेन्द्र सिंह भक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निर्राक्षण) ग्रर्जन रेंज-॥, नई दिल्ली-110002

तारीख: 1-7-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध् (1) के ब्रंधीन सुक्ता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1I

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई, 1982

निर्देण सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०-2/एस०ग्रार०-2/11-81/6367—म्ब्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें धासके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बकोली, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नवम्बर, 1981

को पूर्वोंक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान्
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मे, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वाम्सविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (भ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अम्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्ः—  श्री श्रमी चन्द सुपुत्र श्री हेत राम, निवासी ग्राम बकोली, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती श्राणा सिगल पत्नी श्री सतीण कुमार सिगल, निवासी, कोठी नं० 2, सिंह सभा रोड, सब्जी मंडी, दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोह' भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना को राजपथ में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

कृषि भूमि नाादी 4 बीघे, 16 बिश्वे खसरा नं० 461 (4-16), स्थापित ग्राम बकोली, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली।

नरेन्द्र सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

नारीखः 1 7-1982

प्ररूप् आर्ड. टी. एन. एस् -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस०म्रार०-2/11-81/6369—म्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपीत्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बकोली, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भ्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरितों की गई है और मूम्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्यंश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; गौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के सुभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- «  श्री ग्रमी चन्द सुपुत्न श्री हेत राम , निवासी ग्राम बकोली, दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती कृष्णा देवी पत्नी श्री नन्द कियोर, निवासी नं० 4/35, रूप नगर, दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारों करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

#### अनुसूची

कृषि भूमि तादादी, 6 बीघे 3 बिघ्वे, खसरा नं० 463 मीन  $\left(3-1\right)$ ,  $486/2\left(3-2\right)$ , स्थापित ग्राम बकोली, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, नई दिल्ली-110002

तारीख: 1-7-1982

माहर:

प्रकप बाइं.टी.एन.एस.------

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-घ (1) के अधीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेज-II

अंग्रेस रंग-गर

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1982

निर्देश सं० माई० ए. सी०/एक्यू०-2/एस०मार०-2/11-81/6245—म्ब्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हो), को धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बकोली, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवम्बर, 81 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपत्न के लिए अन्तरित को गई है और मूके यह विश्वास करमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त जिथ-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

- श्री जिले सिंह सुपुत्र श्री दलीप सिंह, निवासी भ्रलीपुर, दिल्ली प्रणासन, दिल्ली .(अन्तरक)
- श्री कंबार भान मुपुत्र श्री मनोहर लाल निवासी कें डी०, 4 ए, श्रणोक बिहार, दिल्ली। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्तित में किए जा सकागे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिक नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

### यगत्त्री

कृषि भूमि तादादी 4 बीघे-2 बिश्वे, स्थापित ग्राम बकोली, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II; नई दिल्ली-110002

क्रतः क्रव, उक्त क्रिपिनियम क्री धारा 269-ग क्रे अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम क्री धारा 269-घ की उपधारा (1) क्रो अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीर भू-

तारीख: 1-7-1982

प्ररूप आई',टी.एन्.एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुकर आयुक्त (निर्देशिष)

ध्रजीन रेंज-11

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1982

निर्वेश सं० भाई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस०भार०-2/11-81/6246--- भतः मुझे नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए क अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बकोली, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक नवस्बर, 1981

को पूर्वों कत् संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रिष्ठिक के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से एसे दर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती) (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री फतेह चन्द हुकमी सुपुत्र श्री राम सरूप भ्रौर राज रूप सुपुत्र श्री सिखम, निवासी ग्राम श्रलीपुर, दिल्ली ।

(ग्रंतरक)

2. श्री कंवार भान सुपुत्र श्री मनोहर लाल, चन्दर प्रकाश श्रीर श्रशोक कुमार सुपुत्र श्री सोम प्रकाश, निवासी के-डी-4 ए, श्रशोक विहार, दिल्ली। (श्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रवाहान की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वावत व्यक्तियों में से किसी प्रवित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त म्थावर सम्मित्त में हिता बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 6 बीघे 5 बिश्वे, स्थापित ग्राम बकौली, दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम श्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-II, नई दिल्ली-110002

तारीख: 1-7-1982

The state of the s

प्रम्प आर्<sup>ड</sup>. टी एस एस.-----

भायकः अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  $\gamma = \sqrt{3} - \sqrt{1}$ , तई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1982

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस०श्रार०-2/11-81/6247--श्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उसत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या कृषि भिम है तथा जो ग्राम बकौली, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक नवम्बर, 1982

को प्वेक्ति सम्परित के उचित बाजार मूल्य में कम के स्वयमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बक्ते में सुविधा के लिए; और/या
- (स) गर्सी किसी काय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था ग किया जाना साहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

अतः अदः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिक्ति व्यक्तियों, स्थीत् :---  श्री काली राम मुपुत्र श्री राम प्रसाद, निवासी श्रलीपुर, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 श्री कंबार भान सुपुत्र श्री मनोहर लाल, निवासी के-डी-4ए, श्रशोक विहार, दिल्ली।

(ब्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृथाँक्त सम्पृत्लि के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षंप: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, खो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्णि में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस मृध्याय में दिया गुया है।

#### भन्स्ची

कृषि भृमि तादादी 6 बीघे, 2 बिश्वे, ग्राम बकौली, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त ंनिरीक्षण) भ्रजीन र्रेज-2, नई दिल्ली 110002

सारीख: 1-7-1982

प्ररूप आहू . टी . एन . एस . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत् सरकार

कार्यालय, महायक श्रायकर श्रायकत (निरीकण) श्रर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1982

निर्देश सं० श्रार्थ० ए० सी०/एक्यू०-2/एस०श्रार-2/11-81/6248---श्रतः मुझ नरेन्द्र सिंह

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बकौली, दिल्ली में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपावढ़ श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवम्बर, 1981

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एमे रहयमान प्रतिफल का पन्ह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; जरि/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के, जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (१) के अधीन, निम्निसितिक व्यक्तियों, अर्थात् :——
8—186 GI)82

 श्री किशन चन्द सुपुत श्री शेर सिंह निवासी याम अलीपुर, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2 श्री कंबर भान मुपुत्र श्री मनोहर लाल निवासी के-डी-4ए, श्रशोक बिहार, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्विक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स गम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविधि या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर भूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति च्वारा, अधोहस्ताक्षरी के शम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मनुसुची

क्रिष भूमि नादादी 4 बीघे 16 बिग्वे, ग्राम बकौली, दिल्ली।

नरेन्द्र सिह मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-॥ नई दिल्ली-110002

नारीख 1-7-1982 मोहर: प्ररूप आह्र .टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-II, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस०ग्रार-2/11-81/6251----ग्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बकौली, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक नवस्बर., 1981

को प्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे व्यन में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अबं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

 श्री भाने सुपुन्न श्री बंसी श्रीर हरी सिंह सुपुन्न श्री रामराय, निवासी ग्राम श्रनीपुर, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली।

(श्रन्तरक)

 श्री कंदर भान सुपुत्त श्री मनोहर लाल, निवासी के-डी-4ए, श्रणोक बिहार, दिल्ली।
 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यव्यक्तिरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

कृषि भूमि तादावी 7 बीघे 9 बिश्वे, खसरा नं० 409, 410, 411 ग्राम वकौली, दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह सक्षाम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली-110002

तारीख 1-7-1982 मोहर : प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षिण) अर्जन रेंज-2

नई दिल्ली, दिनांक । जुलाई 1982

निर्देश सं. श्राई० ए० सी०/एक्यु०-2/एस०भ्रार-2/11-81/6252—श्रतः मुक्तें नरेन्द्र सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- स्क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बकौली, विस्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पृतित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्हे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपृत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाषा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण में हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिसित स्युक्तियों, स्पृति ६--- 1. श्री जिले सिंह सुपुत्त श्री वलीप सिंह, किशन सिंह सुपुत्त श्री शेर सिंह, करम सिंह सुपुत्त श्री रोशन, निवासी ग्राम ग्रलीपुर दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 श्री कंवर भान सुपुत्र श्री मनोहर लाल, निवासी के-डी-4 ए, श्रशोक विहार, दिल्ली।
 श्री चन्दर प्रकाश, भौर भ्रशोक कुमार सुपुत्र श्री सामप्रकाश निवासी तेलीवारा, दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से, 45 दिन की अविधिया तत्सविधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विकित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों मृौर पर्यों का, जो उक्त, मिनियम, के मध्याय 20-क में प्रिभाषित, हैं, वहीं मुर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

## मन्त्रची

कृषिभूमि तादादी 6 बीघे 9 बिश्वे ग्राम बकौली, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

नारीख 1-7-1982 मोहर: प्रक्ष बाइं.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेज-2

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई, 1982

निर्देण सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०-2/एस०ग्रार०-2/11-81/6207—श्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या 12, रोड, नं० 3 है, तथा जो ईस्ट पंजाबी बाग नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीन दिनांक नवस्बर, 1981

का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्या) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नित्यित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण निम्नित्यत में वास्तिवक हप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरक सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

भतः भन, उनत निभिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण मों, मौं, उकत अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नजिसिन व्यक्तियों, अर्थान:---

- ध श्री निरन्दर कुमार खन्ना, सुपुत्र श्री राम गोपाल खन्ना, निवासी 12/3, ईस्ट पंजाबी बाग, नई दिल्ली ।
- 2. मै० सम्प चन्द बारदीया एण्ड सन्स,एच०-यु०-एफ० द्वारा मै० सागर मल बारदीया एण्ड सन्स एच-यु-एफ, द्वारा इसके कर्ता श्री सागर मल बारदीया डी-6, कीर्ती नगर, नई दिल्ली ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

#### यनुस्ची

एस० एस० हाउस नं० 12, रोड नं० 3, ईस्ट पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

> नरेन्द्र सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक अयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली-110002

तारीख :1-7-1982

न्नायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-2,

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस०श्रा र०-1/11-81/8597—श्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रशीन सम्मन प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से मधिक है

श्रौर जिसकी सं० 168 है, तथा जो 11, प्रेम नगर, सब्जी मंडी, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय) नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 क 16) के श्रधीन दिनांक नवस्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कम से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिष्ठि-नियम के श्रिष्ठीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या,
- (श्र) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रम्य आस्तियों को जिम्हें भारतीय श्राय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रविनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मुविधा के लिए।

अतः ब्राबं, उक्त श्रष्टिनियम की घारा 269-ग के, श्रमुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) श्रष्टीत, निम्तलिबित व्यक्तियों, भयोत् :---  श्रीमती विरंत पत्नी श्री किशन चन्द निवासी 7309/5 गली तं ।, प्रेम नगर, णक्ति नगर के पीछे, दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

2. श्रोमतो श्रसरकी देवी, पत्नी श्री हर प्रसाद, निवासी-433, गली रोबिन मीनेमा, सब्जी मंडी, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों भें से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा स्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखात में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उन्त श्रधि-नियम के शब्याय 20-क में परिभाषित है, बही ग्रयं होगा, जो उस शब्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

मकान जो प्लाट नं० 168, 11 प्रेम नगर, सब्जी मंडी, दिल्ली क्षेत्र 100 वर्ग गज पर है।

> नरेन्द्र सिंह मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली-110002

नारीख 1-7-1982 मोहर:

### प्ररूप जार्द. टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्पालग्रं, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०~2/एस०ग्रार०-2/11-81/6291----श्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० ए-12 है, तथा जो कृष्णा पार्क, नजफगढ़ रोड, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिमांक नवम्बर, 1982

को पृथा नित सम्परित के उचित नाजार मृल्य से कम के दृश्यमान् प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित नाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के नीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की भायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

 श्री महाबीर प्रसाद गुफ्ता, सुपुत्र श्री जग लाल, निवासी एल-12, किदार बिल्डिंग, सब्जी मंडी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती रामकली पस्ती श्री रामेश चन्दर, निवासी 30/51, पंजाबी बाग, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत् सम्पत्ति को अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पद्यों का, जो उत्तर अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसूची

प्रो॰ नं॰ ए-12, स्थापित कृष्णा पार्क, श्रिधकृत कालोनी, नजफगढ़ रोड, दिल्ली, भूमि तादादी, 201.9, वर्गगज।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

शत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुभरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के सभीन निष्कतिकत व्यक्तियों, अधीत् :---

तारीख: 1-7-1982

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-

श्रायकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा 269व (1) के स्वीत मूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2

नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई, 1982

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एस्यू०-2/एस०ग्रार०-2/11-81/6278—ग्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उस्त प्रिविनयम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधिन सक्षम प्राधिकारों को, यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-घेवरा, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण क्य से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारों के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिन क नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उप्तत बाजार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिफान के लिए अन्तरित की पई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफान से ऐसे पृथ्यमान प्रतिफान का पश्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए सम पाया गया प्रति-पत्त निम्नसिखित उद्देश्य से अक्त बन्तरम सिखित में वास्तिबक रूप से किंवत नहीं किया गया है।——

- (क) प्रश्तरण ने हुई किसी घ्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने अ धन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य धास्तियों की, जिम्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या या का का जाना जाहिए या, खिषाने में सुविधा के किए;

अतः, अब, उस्त अधिनियम की घारा 269-घ के अनुसरण में, में, उस्त अधिनियम की बारा 269≥म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- श्री मांगेराम श्रीर सुरज भात सुपुत्तगण श्री चांदगी राम तिवासी-ग्राम अप्रै श्रीर पो० घेंबरा, दिल्ली।
  - (भ्रतरक)
- श्रीमनी राम कौर पत्नी श्री गांगे राग श्रीर श्रीमनी चीलो देवी पत्नी श्री गुरतभाग , निवासी-ग्राग श्रीर पोठ घेवरा, दिल्ली। (श्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त नमात्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षीर:---

- (क) इस सूचना के राज्यत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध दाइ में समाप्त होनी हो, के भोतर पूर्वीका वालिनयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उथन स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोत्स्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धोक्ररण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उनस ग्रिधिनियम के ग्राच्याय 20-क में परिभाषित है, बही ग्रायं होगा जो उस ग्राच्याय में दिया गया हैं

#### अससची

कृषि भृमि तादादी. 19 बीघे 18 बिक्वे, खसरा नं० 45/21, 47/20, 21, 22, 244/1, 676/1, एण्ड 751 ग्राम घेवरा, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली -110002

नारीख:12-7-1982

प्ररूप आहु . टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2

नई दिल्ली, दिनांक 12 ज्लाई, 1982

निर्देश मं० ग्रा ए० सी०/एक्यू०-2/एस०ग्रार०-2/11/-81/6200--श्रत मुझे नरेन्द्र सिंह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रोर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-सफीपुर, रनहौला दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित को उचित बाजार मूस्य, उसके शश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी शाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे सचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्त्रिपाने में स्विधा के निए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलियित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री दरीया श्रौर माया राम सुपुत्त श्री सुरता, निवासी-ग्राम और पीठ स्तहीना, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2 श्रीमती सरस्वती मिश्रा, पत्नी श्री गोबिन्द चन्द्रा मिश्रा, जिलामी त्यु रावसपटना- कटक-1

(ग्रन्तरिनी)

का यह सूचना चारी फरके पूर्वों क्ता सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही. वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 14 बीघे श्रौर 8 विण्ये, ग्राम सफीपुर, रनहौला, दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

नारीख: 12-7-1982

### प्ररूप माई. टी • एग • एस • ---

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के धन्नीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक्ष आयकार आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई 1982

निर्वेश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस०भ्रार०-2/11-81/6263—श्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह

भायकर भिक्षितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसपे इसके पश्चात् 'उक्त अधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उवित शाजार मूल्य 25,000/- छ० से श्रधिक है

श्रोर जिसकी सं० कुपि भूमि है तथा जो ग्राम मुंडका, दिल्ली म स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर जोपूण रूप से विणत है) रजिस्ट्री कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्री करण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नयम्बर, 1982

को पृत्रोंकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रिटफल के लिये अंतरित की गई हैं और मूओ यह विद्वास करने का कारण है कि प्रथापृत्रोंकत सम्पन्ति गं उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिलक्ष से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल तिम्नलिखित छद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व भें कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

श्रतः श्रव अका प्रधिनियम का वारा 269-न के अनुसरण में, में, उक्त भाधानियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---9---186 GI/82

- श्री जासी सुपुत्र श्री शुन्डा,
   निवासी ग्राम मृंडका, विस्ली प्रणासन, विस्ली
  (प्रान्तरक)
- श्री नन्द लाल मुपुत्र श्री देवी दकत्ता राम श्रीर राम कुमार सुपुत्र श्री राम नरायण, निवासी-1159, रानी बाग, शकुरबस्ती, दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को य**ह** सूचना नारी करके पुर्वोक्त सम्पक्ति के प्रर्जन के लिए कार्स<mark>वाहियां करता</mark> हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दशरा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सक्ति।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 7 बीव 2 बिश्वे, स्थापित ग्राम मुन्डका दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली-110002

तारीख: 12-7-1982

### प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

# ग्रापकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई 1982

निवेश सं० धाई० ए० सी०/एक्यू०-2/एभ० ग्रार०-2/11-81/6199—ग्रनः मसे नग्दे भिह, ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, पह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- कार्य से प्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा रनहौला, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रमुस्ची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन नारीख नवस्वर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत से लिए धन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यणापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिशत से मिष्ठक है और धन्तरक (अन्तरकों) और धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित मही किया गया है।——

- (क) मन्तरण मे हुई किसी माय की बाबत मायकर मिध-नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बंचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः; प्रव, उन्त भिधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में; में; उन्त मिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा के अभीन, निम्नुलिखित व्युक्तियों, अर्थात् :---

- श्री दरीया श्रौर माया राम, सुपुत्र श्री सुरता, निवासी ग्राम श्रौर पो० रनहोला, दिल्ली
- (श्रन्तरक)
  2. श्रीमती सरस्वती मिश्रा, पत्नी श्री गोविन्द चन्द्रा मिश्रा
  निवासी न्यु राव स्पष्टना-कटेक-1

(ग्रन्तरिति

को यह मूचना रांग ४२क र्जोका समित के धर्कन के लिए कार्यवाहिया ६२न है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन है तम्बन्ध में होई या आक्षी :---

- (क) इस सूलना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति औरता;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्ब किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारी, प्रश्लोहरतालयी के पास लिखिन में किए जा सर्केंगे।

स्पद्धीकरण:-- इसमें प्रयुक्त गावों और पशें का जो उक्त ग्रधि-नियम के श्रध्याय 20- कमें परिनाधित है, बही श्रथं होगा, जो उस श्रद्धाय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि तादादी 14 बीबे, 8 बिण्वे, ग्राम रनहौला, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 12-7-1982

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०—

भ्रायंकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) प्रार्जन रेंज-2, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई 1982

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०-2/ए्स०श्रार-2/11-81/6253—श्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह,

. प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा पया है), की धारा 26% ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- द० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बुरारी, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नयम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत्त के लिए प्रस्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत संऐसे दृश्यमान प्रतिकत का परदृह प्रतिशत प्रधिक है बीर प्रस्तरक (अस्तरकों) और अस्तरितों (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय राषा गण प्रतिकत, निम्निजित प्रदृष्ण से उक्त अस्तरण लिखित में बास्तविक इप स

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, खबत अधिनियम के अधीन कर देने के अग्तरक के वायित्व म कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अग्य आस्तियों की, जिम्हें भारतीय आयकर मिलियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिलियम, या धन-कर मिलियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए वा, छिपाने में सुनिधा के सिए;

ग्रतः अब, उन्ट अधिनियमं की धारा 269ना के बनुतरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269न्य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निशिखतं स्पनितर्मों, धर्षात् :--  श्री कालू कंवल सिंह, सुपुत्त श्री मंगतु, निवासी ग्राम बुरारी, दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री राम सरती देवी पत्नी श्री राम चन्दर अग्रवाल श्रौर श्रीमती भगवानी देवी पत्नी श्री रघुनाथ प्रसाद अग्रवाल, निवासी 522, लाहोरी गेट, दिल्ली । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

**छक्त** सम्पत्ति के अर्थान के संबंध म कोई भी आक्षीप।——

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की धविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीसर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड किसी श्रन्य व्यक्ति बारा, प्रधोहस्ताकारी के पास लिखिस में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टीकरणाः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाधित है, यही मर्ब होगा, जो उस विश्वाय में दिया गया है।

# वम्स्ची

कृषि भूमि तादादी 1 बीघा 5 बिख्वे, मुस्तातील नं० 94, किला नं० (4-6), ग्राम बुरारी, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 12-7-1982

# प्रकथ जाई• टी• ६४• एस•-----

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहाय्क जायकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिरुली

नई दिल्ली, दिनांक 12 जलाई 1982

निदेश मं० म्राई० ए० सीं०/एक्यू०-2/एस०म्रार-2/11-81/6396—अत: मुझे नरेन्द्र सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं कृषि भूमि है तथा जो ग्राम तेजपुर खुर्ब, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवस्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफ ल के लिए अन्तरित की गई हो और मुफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति को उचित बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रितिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिदात अधिक है और अन्तरक (अंतरकां) और अंतरितो (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है:--

- (क) अभ्तरण से हुई किसी जाय की बाबत जकत अधि-नियम के अधीन कर देने में अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी साय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वुवारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियमः, की भारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, रिम्निसित व्यक्तियों, अधीत्:—

- 1. श्री जय भगवान सुपुत्र श्री प्रभू दयाल, एलीयस प्रभू, निवासी ग्राम तेजपुर खुर्द, नजफगढ़, दिल्ली। (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमती स्वरा कान्ता कवकड़ परनी श्री ईपवर दास कवकड निवासी ए-36, महाबीर नगर, नई दिल्ली ।

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की दामील से 30 दिन की कविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिशित में किए पा सकरेंगे।

ह्मक्कीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हाँ।

#### अमुसूची

कृषि भूमि तादादी 4 बीघे 16 बिश्वे, इन्टर्ड रेक्ट मं $\circ$  17/14/2, (2-0) किला मं $\circ$  17 मीन (2-16), स्थापित ग्राम तेजपुर खुर्द , दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख: 12-7-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) : ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस०श्रार०-2/11-81/6259---श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम राजापुर खुर्द विल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नही किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने में अन्तरक के दायित्व मैं कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अर्थात्:—  श्री रघबीर सुपुत्र श्री मुंगी भौर बलजीत सुपुत्र श्री मुंगी निवासी ग्राम केशोपुर, विल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री रमेण्यर त्यांगी मुपुत श्री दजीप ग्रीर रीशीपाल त्यांगी मुपुत श्री प्रकाश, निवासी ग्राम बुढेला, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारिस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिरबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सुकोंगे।

स्पष्टीकरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृस्ची

कृषि भूमि तादावी 12 बीघे भौर 18 बिख्ये, ग्राम राजापुर खुर्व , दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 12-7-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जेन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, विनांक 12 जुलाई 1982

निर्देश सं० ब्राई० ए० सी० /एक्यू०-2/एस०ब्रार०-2/11-

81/6201—ग्रातः मुझे, नरेन्द्र सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-ख के अधीन सुक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उिचत बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो रनहौला, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर घेने में अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
   और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-य की उपधारा (1) को अधीन, निम्नुविश्वित व्यक्तियों, अर्थात्:—  श्री वरीया श्रौर माया राम सुपुत्र श्री सुरता, निवासी ग्राम रमहौला, दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री जगदीश चन्दर भारक्षाज, सुपुत्र श्री प्यारेलाल शर्मा निवासी ग्राम भौर पो० नांगलोई, दिल्ली-41। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जों भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिस से 45 दिन की अविधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्परक्षिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अमृस्ची

कृषि भूमि, तादादी 7 बीघे 4 बिश्वे, ग्राम रमहौला, दिल्ली

नरेन्द्र सिंह् संक्ष्म प्राधिकारी संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, मई विल्ली-110002

तारीख: 12-7-1982

मोहार 🧓

प्ररूप् आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहारक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-2, नहीं दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई 1982

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०, 2/एस०भ्रार०-2/11-81/6148--श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिन्यम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम श्रक्षीपुर, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधि नियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त्रितियों) के बीच एसें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने में अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

उत्त:, अब, जनत अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात्:—  श्री सोहनपाल सिंह गोद लिया हुआ सुपुत श्रीमती चन्दरवती विधवा, पत्नी श्री छज्जु सिंह, निवासी-3744, पहारी धीरज, दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री ग्रमिल कान्त सैनी सुपुत्र श्री करन सिंह सैनी निवासी डी-1/22, माडल टाउन, दिल्ली-9। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स संपरित को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 16 बीघे 13 बिश्वे, स्थापित ग्राम भ्रासीपुर, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्लो, नई दिल्ली-110002

तारीख: 12-7-1982

### प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन, रेंज-2 नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई 1982

निर्वेश सं आई० ए० सी०/एसयू०-2/एस०आर०-2/11

81/6183--- श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसकें इसकें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बकरवाला, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्स संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्वां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उदत अन्तरण लिखितं में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने में अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, सा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

 श्री राम करन सुपुत्र श्री शिवचन्द निवासी ग्राम बकरवाला, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री मोहिन्दर ग्रौर सुरेश श्री रनबीर सिंह, निवासी ग्राम बकरवाला, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वों क्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यभू में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में ये किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधंहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अन्स्ची

1/4 हिस्सा सम्पूर्ण भूमि तादादी 66 बीघे 5 बिश्वे, स्थापित ग्राम बकरवाला, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयंक्त (निरक्षिण) भर्जन रेंज-2, दिल्ली/नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 12-7-1982

प्ररूप बाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

श्रीयकर अधिनियंत, 1981 (1981 का 43) की धारा 269-थ (1) के बधीन सूच्या

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई 1982

निर्देश सं० श्राई० ए०सी०/एश्र्यू०/2/एस०-श्रार०-2/11-81/6221—श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियन' कहा गया है), को धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से भ्रिधिक है

भौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-घेवरा, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध भनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजि-स्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक नवस्वर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के बृश्यमान प्रति-फल के सियं अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से प्राचिक है और मन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचत मन्तरण विश्वित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अध्वरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या धन्य आस्तियों की जिन्हें मारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ध-िरीती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः नव, उक्त मिनियम् की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त मिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---10---186 GI/82 (1) श्री मांगेराम, ग्रौर श्री सुरजभान सुपुत श्री चान्यगी राम, निवासी-ग्राम-ग्रौर पो० घेवरा, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गंगा बिशन सुपुत्र श्री काली राम, जगदीश **चन्य** सुपुत्र श्री देवी राम, निवासी-ई-38 राजोरी गार्डेन, नई दिल्ली।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हुं।

खकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 1--

- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी श्रन्य क्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्वद्योकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित हैं। वही श्रयं होगा, जो उस अद्याय में विया गया है।

### **प्रनुस्**ची

कृषि भूमि तावाबी 8 बिषे 11 बिश्वे, खसरा नं० 80/9/2, 12 ग्राम घेवरा, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली—110002

दिनांक : 12-7-82

प्ररूप वाइ. टी. एम. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०न्नार०-1/
11-81/8606---न्नतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,
बायकर बिधिनक्स, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'अक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

इसके पश्चाल् 'अक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सी०/16-बी, है तथा जो ग्राचार्या कृपलानी रोड, श्रादमं नगर, विल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनु-, सूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवम्बर, 1981

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पण्डह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक स्था से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई कियी आयक्ती बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बच्ने में सुविधा के सिध्; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः जव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म् की उपभारा (1) के अधीन निम्मृलिख्त व्यक्तियाँ, अ्धतिः---

- (1) श्री राज रानी परनी श्री टी॰ सी॰ बर्मा नियासी-18/37 शक्सी नगर, दिल्ली द्वारा एस॰ राजीन्दर सिंह सुपुत्र एस॰ कृपाल सिंह, नियासी--एफ 14/28 माडल टाउन, दिल्ली, जी॰ ए॰ वाक्या राजि॰ जैनरल पावर श्रौफ श्रटानीं कागजात नं॰ 1235 दिनांक-12-2-1974 (श्रन्तरक)
- (2) मैसर्स सच खण्डा सोप फैक्टरी, सी०-16-बी०, श्राचार्या कृपलानी रोड, ग्रादर्श नगर, दिल्ही

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कत सम्परित के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अमिश या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्मत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पत्किरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधि-नियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या

## भ्रनुसूची

प्लाट नं॰ सी॰/16-बी, म्रादर्श नगर, दिल्ली, एरिया--400 वर्गगज ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई विस्सी-110002

दिनांक : 12-7-1982

प्ररूप भाई० टी० एन● एस०

# धायकर घित्रियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के धिरीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई, 1982

निर्देश सं० धाई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आर०-2/11-81/6392--श्रतः भुझे, नरेन्द्र सिंह ,

प्रायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सभम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- चगर से प्रधिक है

स्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-श्रेषरा, दिल्ली में स्थित है (स्रौर इस उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भार तीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिणत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वाक्तिकल हम से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बायत उक्त विध-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना वाहिए था खिलाने में सुविधा के सिए;

धतः अव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के खबीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. ग्रंथीत्:—

(1) श्री किशन भौर बलबीर सिंह सुपुत श्री सभा चन्द, निवासी--ग्राम श्रौर पो० घेवरा, दिल्ली

(भ्रस्तरक)

(2) श्री सभा चन्द सुपुत्र श्री शिवचन्द, निवासी--ग्राम श्रीर पो० घेवरा, विल्ली

श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उसा सम्बक्ति के प्रजेत के पम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक द किसी प्रन्य व्यक्ति हारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उक्त घीं वि नियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिशा गया है।

#### ननसची

कृषि भूमि तादादी 10 बिषे 7 बिश्वे, स्थापित ग्राम-घेवरा, दिल्ली

> नरेन्द्र सिह् सक्षम ग्रिधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 नई दिल्ली–110002

दिनांक : 12-7-1982

प्ररूप आहे. टी. एन्. एस.-----

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्थन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई, 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एकपू०/2/एस०-आर०-2/11-81/6220--श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह, श्रायकर ब्रिश्चित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है क्या जो ग्राम -चेवरा दिल्ली में

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम -घेवरा, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इस उपाब द अनुसूची में पूर्व रूप वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कःरण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित धाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमाम प्रतिफल का पग्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कवित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्स अधिनियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आप या किसी धन या ध्रम्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय सायकर सिंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त सिंधिनियम, या धन-कर पिंधिनियम, 1957(1957 का 27) के प्रयोजनामें अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः सब, उक्त बिधिनियम की घारा 269-ग के समुसरण में, में, इस बिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के के बधीन, निम्नलिखित स्पक्तिमों, अर्थात:—— (1) श्री मांगेराम सूरअ भान सुपुत्र चन्वगी राम, निवासी---ग्राम-प्रोर पो० चेवरा, दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मांगे राम ग्रीर रोगन लाल सुपुत्र श्री नन्हे राम, निवासी-ग्-71 राजोरी गार्डेन, नई दिल्ली

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी आ से 45 विन की धविन या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविन, जो भी अविन बाद में समान्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
  - (ख) इस स्वना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहरूनाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्दीकरण :--इसमें प्रयुक्त मन्दों और पदों का, को उक्त श्रीक्षितयम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उन अन्वाय में दिया गया है।

# ग्रनुसूची

कृषि भूमि तादादी 4 बिघे 9 बिग्वे, खसरा नं० 80/8/3, भौर 13/1, ग्राम-घेवरा, दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम मधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-2 नई दिल्ली-110002

दिनांक : 12-7-1982

25,000/- ४० से अधिक है

# प्ररूप धाई+ ही+ एव+एस+----

# प्रायक्षर मिविनयन, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के मेमीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, 1982

नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई, 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एकयू०/2/एस-श्रार०
11/81/6175—- ग्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह
धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

स्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-हस्तसाल, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इस उपाबद्ध म्रनुसूची में पूर्व रूप वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिज-स्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक नवम्बर, 1981

को पृत्रोंकत संपर्तित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय को बाबत, उथन प्रधि-नियम के अधीन चर देने के खररारक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; धीर/या
- (ख) ऐसी विश्ती याय या किसी घन वा घन्य प्रास्तिवों
  को जिन्हें भारतीय धाय-कर धिवित्रम, 1922
  (1922 का 11) या उन्त बिधित्रम, या धन-कर घिवित्रम, 1957 (1957 का 27)
  के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
  वया या या किया जाना चाहिए था, जिपाने भें
  सुविधा के लिए;

प्रतः सब, उन्त श्रधिनियम की बारा 269-ग के प्रतुसरण में, में, उन्त धिंबनियम की बारा 269-ग की उपबारा (1) के जुधीन निम्निलिक्स व्यक्तियों जुधीत् ह (1) याद राम सुपुत्र श्री बुधा, निवासी-ग्राम--हस्तसाल, दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्री क्ष्याम लाल सुपुत्र श्री ग्रासा राम, निवासी-159, काजीवारी, पलवल, जिला-फरीदाबाद, (हरियाणा)

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वी वित सम्पत्ति के श्रर्गन के विषय कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाग्रेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की वारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की वारी ख से 45 दिन कें भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हपद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त धिः नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अथं होगा, जो उस श्रध्याय में विया गया है।

# श्रनुसूची

कृषि भूमि तादादी 4 विधे 16 विश्वे, खसरा नं० 74/11/ 2, 74/9/1, ग्राम-हस्तसाल, दिल्ली ।

> [नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 नई दिस्ली--110002

दिनांक : 12-7-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

नायकर अधिन्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 12 जुलाई 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-श्रार०-2/ 11-81/6277--अत: मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-लिबासपुर, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्णरूप वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लित में वास्तिक एप से किशत नहीं किया गया है हा--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रिभिनयम के श्रभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी भन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विका के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध के, अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री रनबीर सिंह सुपुत्र श्री सोहन लाल श्रीर सीताज सिंह सुपुत्र श्री चेतराम, निवासी-ग्राम-लिबासपुर, दिल्ली ।

(ग्रम्तरक)

(2) श्री राजेश स्रवेर राकेश सुपुत श्री रानवीर सिंह निवासी-ग्राम-लिबासपूर, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप उन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किस्तु में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा ाया है।

धनुसूची

भूमि तादादी 2 बिघे, स्थापित-प्राम-लिबासपुर, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2 विल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 12-7-1982

प्ररूप बाइ . टी. एन . एस . -----

# शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वधीन स्वा

#### भारत संरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई घिल्ली, दिनांक 12 जुलाई, 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-म्रार०-2/ 11-81/6241---श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उकत अधिनियम कहा गया है), की धारा 269 का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित घाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम प्रह्लादपुर, बंजरदल, में स्थित है (ग्रौर इस उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुइ किसी शाय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तरी अधने में सुविधा के किए; बाँद/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वाराप्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सविभा के लिए;

वतः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्निसिसिस स्पिकतयों अर्थातः—

(1) श्रो होशियार सिंह सुरुत श्री माम म्वन्द, सरवार सिंह सुपुत्र श्री सेहत राम, सुरीन्दर सिंह, ईश्वरसिंह, जगीर सिंह, श्रीमती राज बाला, राजेश सुपुत्र श्रौर सुपुती श्री करतार सिंह, सुरजा सभी निवासी-ग्राम-श्रौर पो० प्रह्माद पुर, बांगर दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती बिमला देवी पत्नी श्री नन्द राम, निवासी-2098, न्यू मंडी, एरिया नरेला मंडी दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वों कत सम्परित को अर्थन की जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत स्थितयों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए भा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### श्रमुसूची

कृषि भूमि तादावी 1 बिघा 12 बिश्वे, खसरा नं० 45/ 24-25, ग्राम-प्रह्लाद पुर दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 नई दिल्ली-110002

दिनांक : 12~7-1982

प्ररूप पाई०टी०एन•एस०--

भ्रायकर अधितियन, 1901 (१३२) की धारा 269-भ (1) के भ्रधीन सूचना

#### भारत सस्कार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई, 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आर०-2/11-81/6339-अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह, आयकर प्रधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा नया है); की धारा 264-ख के प्रधीन सक्तम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मूल्य 25,000/- क से प्रधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम प्रह्लावपुर, बांगर, दिल्ली, में स्थित है (और इस उपाबद्ध अनुसूची में पूर्णक्ष्य वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में

के ग्रधीन दिनांक नवम्बर, 1981 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए उत्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16)

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बाबिनियम के बाधीन कर देने के बान्सरक के दाबित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के निए; धीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के किए;

भ्रतः अब, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, स्क्त भिधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिख्ति व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री होशियार सिंह सुपुत श्री माम चन्द सरवार सिंह सुपुत श्री सेहत राम, सुरीन्दर सिंह, ईश्वर सिंह, जगबीर सिंह सुपुत्रगण श्री करतार सिंह, राज बाला विद्या, राजेश सुपुत्री श्री करतार सिंह, श्रीमती सुरजो पत्नी श्री करतार सिंह, सभी निवासी— प्रह्लादपुर, बांगर दिल्ली ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री वृज मोहन गुप्ता सुपुत्त श्री सोहन लाल गुप्ता निवासी—ग्राम—चरखी दादरी, जिला भिवानी हरियाणा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उपत सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप ।---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकालन की तारील से 45 दिन की भवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर तूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्य
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्बंधि में द्वितबद किसी भाष व्यक्ति द्वारा, सन्नोहस्तासरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो 'उक्त पश्चिमियम' के शब्दाय 20-क में परिचाबित हैं, बड़ी धर्च हीया जो उस शब्दाय में दिया गया है।

# **श्रनुसूची**

कृषि भूमि तादादी 6 बिघे 2 बिघ्ये, खसरा नं० 45/24, 52/4, ग्राम——प्रह्लादपुर, बांगर दिल्ली

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 नई दिल्ली--110002

दिनांक : 12-7-1982

प्रकप बाइ. टी. एन. एस.-----

जायकर ब्रिथ्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अथीन सुच्या

#### भारत सहकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई 1982

निर्वेश सं० माई० ए० सी०/एन्यू०/2/एस०-मार-2/ 11-81/6363---मतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित गाजार मूख्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-सिरसपुर, विल्ली में स्थित है (ग्रौर इस उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई विल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन विनांक नवम्बर, 1981

को पृथों कत सम्मिरित के जिन्नत बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल को लिए अम्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यों कत संपर्तित को उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) और बन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरक के निए तय पाया गया प्रतिफल निम्ननिक्षित उद्वेषय से उक्त अन्तरण निक्ति में बास्तिवक रूप से कथिस नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत उनत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुनिया के लिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के शिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :---11--186GI/82

(1) श्री लक्षमी नरायण शर्मा सुपुत्र श्री रामजी लास, निवासी-ए०-229, शास्त्री नगर, दिल्ली, जी० ए० श्री रामानन्द श्रीर रूपचन्द सुपुत्र श्री बुधा, निवासी-ग्राम-सिरसपुर, दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गुलशन राय सुपुत्र श्री नन्द लाल निवासी-सी०-88, शिवाजी पार्क, नीयर रोड नं० 40, पंजाबी बाग, नई दिस्ली

(म्रन्तररिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-शाहियां करता हुए।

उक्क सम्पृत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है [ा]

#### मन्सूची

कृषि भूमि तादादी 1 बीधा 8 बिश्वे (1400 वर्गगज),, खसरा नं० 214, ग्राम सिरसपुर, दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन-रेंज-2, नई विल्ली-110002

दिनांक 12-7-82 मोहरू:

# प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई बिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई 1982

निर्वेश सं० ध्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-ध्रार०-2/ 11-81/6270--ध्रतः मुझें, नरेन्द्र सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-सिरसपुर, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इस उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, नई विल्ली में रजि-स्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिशत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क्र) एेसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—— (1) श्री लक्षमी नरायण धर्मा सुपुत्र श्री रामजी दास, निवासी-प्र॰-229, शास्त्री नगर, दिल्ली

(अन्सरक)

(2) श्री स्रोमप्रकाण णर्मा सुपुत श्री जे० एस० शर्मा, निवासी-सी०-36, हरी नगर दिल्ली

(अन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्परित के अर्जन के कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपर्तित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्याराह
- (स) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोष्ट से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत् अधि-नियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसुची

कृषि भूमि तादादी 1 विधा और 11-1/2 विश्वे, खसरा नं 39, ग्राम-सिरसपुर, दिल्ली

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 12-7-1982

प्ररूप बाई.टी.एन.एस्.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजीन रेंज-2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई 1982

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०म्रार०-2/ 11-81/6331---म्रतः मुझे, नरेन्द्र, सिंह;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उच्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सिरसपुर, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इस उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजि-स्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवम्बर, 1981

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रथमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण किख्तु में बास्रीयक रूप से क्षित् नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिन्या के अधीन कर दोने के अन्सरक के वाजित्व में कजी करने या उससे बज़ने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयु-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

मृतः स्व, उक्त विधिनयम की भारा 269-ग को, अनुसरण् मो, ती, उक्त विधिनयम की भारा 269-ग की उर्भारा (1) को विभीन, निस्नीलिखित व्यक्तियों, अभित्ः—— (1) श्री अगमल सिंह सुपुत्र श्री खजान सिंह निवासी-ग्राम-हैदरपुर, दिल्ली

(ग्रस्तरक)

(2) श्रीमती जगजीत कौर पत्नी करतार सिंह, निवासी-9199 गली नं० 4, मुलतानी ढंन्डा, पहार गंज, दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त संपित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारौब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिट्सप्थ किसी अन्य व्यक्तियाँ द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कक्यों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्स्यी

कृषि भूमि तादादी 1 बिघा 3 बिघ्ये, स्थापित-प्राम-सिरसपुर दिल्ली

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई विल्ली-110002

दिनांक : 12-7-1982

# प्ररूप नार्षे. थी. एत्. एत्. :-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मु (1) के स्थीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-ग्रार-2/ 11-81/6330---ग्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-च के अभीन सक्षम् प्राधिकारी कों, यह विश्वास करने का कारण है' कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. सं अधिक है

धौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-सिरसपुर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इस उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रांतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का यन्त्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तविक कप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) असरण से हुई किसी आय की नावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर वेने के बन्तरक के वासित्व में कभी करने या उससे वृजने में सूविधा के तिवे; जीर/या
- (क) ऐसी किसी नाम या किसी धन या जन्म जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए और/या

बतः जवा, उक्त बीधींनयम की भारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त बीधींनयम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के बधीन निकलिखिए व्यक्तियमों, मुर्थात् ं--- (1) श्री जगमस सिंह सुपुत्र श्री खजान सिंह निवासी-ग्राम-हैवरपुर, दिल्ली द्वारा जी० ए० परताप सिंह सुपुत्र श्री हीरा, निवासी-ग्राम-सिरसपुर, दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती जगजीत कौर पत्नी एस० करतार सिंह, निवासी-9199 गली नं० 4, मुलतानी ढंग्डा, पहाड़ गंज, नई दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्मित्स के वर्षन के सिष्ट कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविकत्यों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी बवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिम के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरी।

सम्बद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पक्षों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस क्ष्याय में विया गुमा है।

#### सनसंची

कृषि भूमि तादादी 1 विघा 3 बिखे, (1145 वर्गगज); खसरा नं० 612, ग्राम-सिरसपुर, दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 12-7-1982

मोहर 🛭

भ्रष्ट्रप आ**इ** े. जी . एन . एस . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई 1982

निर्देश सं० भाई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आर-2/ 11-81/6342-- ग्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम् प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य, 25,000/- रह. से अधिक हैं।

ग्रौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-सिरसपुर, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इस उपाबद्ध भ्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई विल्ली में रिजस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफंत के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रसिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्कविक रूप से कृषित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी अाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर वीने के अन्तरक के वास्तिम में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्र) ऐसी किसी अग्य या किसी धन या अन्य आस्तियाँ करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या **धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)** के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, डिल्पाने भें सविधाके लिए;

कतः वन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ननुसरण में, मैं, उक्त पिपिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के क्षीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् 🖫 —

- (1) श्री लक्षमी नरायण शर्मा सुपुत्र श्री रामणी लाल मिवासी-ए-229, शास्त्री नगर, दिल्ली, जी० ए० श्री रामानन्त घौर श्री रूपचन्द सुपुत्र श्री बुधा निवासी-ग्राम-सिरसपूर, दिल्ली (श्रन्तरक)
- (2) श्री नरेश कुमार और श्री ग्रहन कुमार सुपुत्र श्री कृशन लाल कपूर, निवासी-बी०-23, जी० टी० करनाल रोड, इण्डस्ट्रीयल एरिया दिल्ली

(धन्सरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

# अक्त सम्पृत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप£••

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सर् 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचनाकी तामिल से 30 दिन्की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा॥
- (अा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास, लिबित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।।

#### मनुसूची

कृषि भूमि तादादी 1 बिघा (1000 वर्ग गज), खसरा नं० 214, ग्राम-सिरसपुर, दिल्ली

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजंन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 12-7-1982

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए०सी०/एक्यू०/2/एस०-ग्रार-2/ 11-81/6343--ग्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन रक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सिरसपुर दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का एन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुर्द किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के सिए; आर/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृत्विधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में , उक्त बर्धिनियम की भारा 269-म की अपुषाक (1) के अधीन, निम्नतिस्ति व्यक्तियों, अधीन:—

- (1) श्रं: लक्षमी नरायण शर्मी सुपुत्र श्री रामणी लाल निवासी-ए-229 शास्त्री नगर दिल्ली, ऐंज-जी० ए० श्री रामानन्व धौर रूप चन्द सुपुत्र श्री बुधा, दोनों निवासी सी-ग्राम-सिरसपुर, दिल्ली (ग्रन्तरक)
- (2) श्रो सुरेन्दर सोनी सुपुत्र श्री जागीर चन्द सोनी, निवासी-18/3, शक्ति नगर, विल्ली (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूधना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपक्ति में हिटबब्ध किसी अन्य व्यक्तियों व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त श्रृक्तं और पदों का, जो उक्तं अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है। वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

# अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 1 विघा और 10 विषये, खसरा नं० 214, स्थापित-ग्राम-सिरसपुर, विल्ली ।

नरेन्द्र सिंह गक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

दिनांक 12-7-1982

प्ररूप आहे.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी० /एक्यू०/2/एस०/ग्रार-2/ 11-81/6237—ग्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निध्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित नाजार मृत्य 25 000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-सिरसपुर, दिल्ली में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक मवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यूथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके इरयमान प्रतिफल से, एसे इरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से अधिक नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री रमेश यादव सुपुत श्री प्रमीर सिंह, निवासी-लिबासपुर, दिल्ली मार्फत श्री जिले सिंह, तारीफ सिंह घौर श्रीमती रामो सुपुत्र ग्रौर सुपुत्नी श्री प्रेम, निवासी-ग्राम-सिरसपुर, विल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती बिमला गुप्ता पत्नी श्री कृशन देव ग्रग्रवाल, निवासी-जे०-185-पश्चिम विहार, नई दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पृत्रों कत् सम्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन को तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगें।

स्पष्टीकरणं:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उन्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसूची

भूमि तादावी 800 वर्गगज , खसरा नं ० 560, ग्राम-सिरसपुर, दिल्ली ।

वरेन्द्र सिप्त

सुक्षम प्राधिकारी स**हायक आ**युकार आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2 नई दिल्ली-110002

दिनांक : 12-7-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहाय्क आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, विनांक 12 ज्लाई 1982

निर्देश सं० माई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-म्रार०-2/ 11-81/6238--म्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-सिरसपुर, दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्व रूप वर्णित है), रिजट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिज-स्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक नवस्वर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृष्ट प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिएत य पाया गया प्रतिफल का फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तिवृक्ष कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (अ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिकित व्यक्तियों, अर्थात्:-- (1) श्री नरेश यादव सुपुत्र श्री ग्रमीर सिंह निवासी—ग्राम-लिबासपुर, दिल्ली मार्फत—श्री जिले सिंह ग्रौर तारीफ सिंह सुपुत्र श्री प्रेम सिंह, निवासी—ग्राम—सिरसपुर, दिल्ली

(श्रन्तरक)

(2) श्री हजारी लाल मित्तल सुपुत्र श्री पाली राम मित्तल निवासी-मकान नं० 26/18, शक्ती नगर, दिल्ली। (श्रतरिती)

का यह स्वना जारी करके पृवाक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की लारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामिल से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति प्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्म्थ्दीकरणः - इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

भूमि तादादी 1 बिघा, खसरा नं० 629, स्थापित-ग्राम सिरसपुर, दिल्ली प्रशासन, विल्ली

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई विल्ली-110002

दिनांक : 12-7-1982

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ------

आगकर अधिनियम् 1961 (1961 का 43) की भारा 2**●9-व (1) के घन्नीय सूच**ना

#### भ।रत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०ग्रार०-2/11-81/6345--ग्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

मायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है, की घारा 269-चा के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वाबर संपत्ति जिसका धवित बाजार मूल्य 25,000/- २० में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० ई०-ए०-78, है तथा जो ग्राम-नरायणा, श्राबादी इन्दरपुरी, कालोनी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक नवस्वर, 1981 को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूर्यमान प्रतिफल से, एसे रूर्यमान प्रतिफल का पम्मूह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीकिंवत उच्चेंच्य से उचत अन्तरण निचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अभ्यारण से हुई किसी आय की बाबत उक्त बाधि-नियम, के प्रधीन कर देंगे के घन्तरक के दाविस्थ में कमी करने या उससे बचने में दुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों की, जिल्हें भारतीय भ्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रगोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री हंस राज गोगना सुपुत्र श्री नन्द लाल गोगना, निवासी—इ०-जी०-19, इन्दरपूरी, नई दिल्ली---12। (अन्तरक)
- (2) श्री कृशन देव गोगना मुपुत्र श्री हंस राज गोगाना, निवामी—नं० ई०ए०-78 डन्दरपुरी, नई दिल्ली इारा श्री भीम सैंन गोगना—रील ब्रदर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वक्ति सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुए।

डक्स सम्पत्ति के अर्जन क सम्बन्ध में कोई भी माभ्रेप:~~

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कत व्यक्तियाँ में स किसी ल्यक्ति द्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

1/2 भाग मकान नं० ई०-ए०-78, खसरा नं० 1610, स्थापित एरिया ग्राम नरायणा, श्राबादी - उन्दरपुरी कालोनी, श्रिधकृत कालोनी नई दिल्ली--12 ।

नरेन्द्र सिह्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2. नई दिल्ली-110002

दिनांक : 12-7-1982

प्ररूप आई टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-व (1) के वधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, नई विल्ली

नई दल्ली दिनांक 12 जुलाई 1982

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्कत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक ही

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बुरारी, विल्ली में स्थित है (श्रौर इस उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा श्रीधकारी के कार्यालय, नई विल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, विनांक नवम्बर 1981

को पूर्वोक्स संपर्ति के उणित बाजार मूल्य से क्षस के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य उसके श्रयमान प्रतिफल से, एसे श्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्वत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के बिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री वतरू सुपुन्न श्री जाला, निवासी-ग्राम-ब्रारी, दिल्ली

(श्रन्तरक)

(2) श्री रतीराम श्रोर मीथन मुपृक्ष श्री गंगा, निवासी-प्राम-बुरारी, दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचभा जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के कर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्र्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः --- इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनस्ची

भूमि तादादी (14-8) मुस्तातील नं 109 किला नं 2(4-16), 9(4-16), और 12(4-16) एरिया ग्राम- बरारी, विल्ली

नरेन्द्र सिंह सक्षम श्रिधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 12-7-1982

प्रकृष आई० डी० एन० एस०--

भायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रवीत सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-म्रार०-2/ 11-81/6205---म्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

वायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपै. जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- २० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-बुरारी, दिल्ली में स्थित (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) प्रस्तरण से दुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रिष्ठ-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रम्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धनकर श्रिधनियम, या धनकर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं श्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुजिधा के लिए;

श्रत: ग्रम, उन्त मिश्रिनियम की घारा 249-ग के मनुसरण में, में, उन्त अश्विनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के भवीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् !-- (1) श्री जसवन्त सुपुत्र श्री देवी सहाय, निवासी-ग्राम-बुरारी, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री करनं दत्त शर्मा सुपुत्र श्री मगतु राम शर्मा, नियासी-7/ए बाबु लाल जैन, कलकत्ता (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनयम के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भ्रष्टें होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# **मन्**स्ची

भूमि तादादी 2 बिघे 2 बिघ्वे, मुस्तातील नं० 46, किला नं० 24 श्रौर 17, ग्राम-बुरारी, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम अधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 12-7-1982

प्ररूप गाइ . टी. एन. एस. -----

नामुकर् निभिन्सम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के निभन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 12 जुलाई 1982

निर्देश सं० म्नाई० ए० मी०/एक्यू०/2/एस०--म्नार०-2/ 11-81/6206----मृत: मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारों की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उवित बाजार मूख्य 25,000/- क् से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बुरारी, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली मे रजि-स्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवस्वर, 1981

को पृत्रों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार गूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एमे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल हमनितिष्ठत उद्देष्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, अक्त अधि-लियम के ध्रष्ठीन कर देने के घन्तरक के वादिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के किए। धीर/पा
- (क) एसी किसी आय् या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हीं भारतीय जाय कर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयो-जनार्थ जन्मी जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के रिल्ए;

- (1) श्री जसवन्त सुपुत्र श्री देवी सहाय, निवासी-ग्राम-बुरारी, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली (ग्रन्तरक)
- (2) श्री नन्द लाल श्रग्नवाल सुपुत्र श्री बग्नेसर लाल, निवासी-157-देनेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी शाकीप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारी स से 45 विन की सबिध या तत्स्वव्याधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबिध, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अओहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त सम्बां और पदां का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिकायित है बही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुस्पी

भूमि तादादी 6 बिघे, मुस्तातील नं० 46, किला नं० 24 श्रौर 17, ग्राम-बुरारी, दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम अधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली–110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निस्तिबित व्यक्तियों, अभितः :---

दिनांक : 12-7-1982

# प्र**क्षप** आ**ई० टी० एव०** एस०----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के अधीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 12 जुलाई 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० मी०/एक्यू०/2/एस०-ग्रार०-1/ 11-81/8571--श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/-र संअधिक है

श्रीर जिसकी मं० 9662-बी०, है तथा जो इस्लाम गंज, लाइ-ब्रेरी रोड, श्राजाद मार्केट, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपादछ श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नर्ष दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्दा है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूला, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देद रेय से उन्ते अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुन्हें किसी माय की बायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; थीर∕या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अगस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा क लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की भारा 2,69-व की उपधारा (1) को अभीन, निम्नलि**खित व्यक्ति**यों, अर्थात् :----

(1) श्रीमती शान्ती देवी प्रेमवानी पत्नी श्री भगवान दास प्रेमवानी मकान नं० 9662-बी०, इस्लाम गंज, लाइक्रेरी रोड, ग्राजाद मार्केट, दिल्ली-6

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ग्रजय श्ररोड़ा सूपूत श्री राम पाल ग्ररोड़ा निवासी-9665/66, इस्लाम गंज, लाइब्रेरी रोड, **प्राजाद मार्केट, दिल्ली**-6

(ग्रन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप ---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्तु व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--- हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अविधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# *प्र*नुस्**च**ो

2-1/2 मंजिला मकान नं० 9662—बी०, इस्लाम गंज, लाइब्रेरी रोड, श्राजाद भार्केट, दिल्ली-6

> नरेन्द्र सिंह मक्षम ग्रधिकारी महायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विनांक: 12-7-1982

प्ररूप आइ<sup>र</sup>. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सीo/एक्यूo/2/एस०-श्रारo-2/11/81/6152—-श्रत: मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269- के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-बुरारी, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वो कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्नरिती (अन्तरितयों) के बीच एमे अन्तरण के निए तय पाया ग्या प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा गया है:---

- (क) जुलारण से हुन्दै किसी बाब की वायक, अबस ज़िल्हिनक के अभीन कर बोने के ब्लारक के वायिए, में कामी कुरने या उससे ब्लाने में सुविधा के ज़िए; बारि/बा
- (प) एंची किसी आयु भा किसी पुन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अधितः :-- (1) श्री राम दत्त सुपुत्र श्री खचरू, निवासी-ग्राम-बुरारी, दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जोगीन्दर सिंह सुपुत्र श्री जसवन्त सिंह, मु० गोलडेन ग्रदोमोबाङल-377-वि० पी० रोड, बम्बे फोर्ट ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवांक्स सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की कविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र प्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं वर्ष होना जो संस कथ्याय में दिया गया हैं।

#### मन सची

भूमि (1-0) विघा खसरा नं० 622 एरिया ग्राम-बुरारी, दिल्ली।

> नरनद्र सिंह, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 12-7-1982

प्ररूप भार्षे. टी. एन्. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2 नर्ड दिल्ली

नई दिल्लो, दिनांक 12 जुलाई 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी० /एक्यू०/2/एस०ग्रार-2/11-81/6379—ग्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सलीमपुर, माजण, बुरारी, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इस उपाबद्ध श्रनुसूचो में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिस्लो में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरिक (अन्तरिकार्ग) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अर्थात्:-- 1. श्रो टिका सुपुत्त श्री कुरे, निवासी ग्राम श्रीर पो० बुरारी, दिल्लो

(ग्रन्तरक)

 श्रो गजिन्दर सिंह सुपुत्र श्री हरताम सिंह निवासी ए-32, रमेश्वर नगर, ग्राजादपुर, दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस वै 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी वै पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दोका, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एरिया 5 बोघे 8 बिश्वे, खगरा नं 29/5; ग्राम सलोमपुर माजरा, बुरारी, दिल्लो।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

नारीख: 12-7-1982

# प्रकृष बाइ. टी. एन. एस...----

# क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (।) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस०ग्राप-2/11-81/6244----श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विध्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उषित् बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बकौली, दिल्ला में स्थित है (श्रौर इस उपाबह अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ना ग्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवम्बर, 1981

को प्वांकत सम्पत्ति के उचित बाजार से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वांकत सम्पत्ति का उचित् बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिसत उद्देश से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत्, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) एसी किसी नाय या किसी भून या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिसिस व्यक्तियों, अर्थातः—

ा जिले सिंह सुपुत्र श्रीः दर्माप सिंह । किणन सिंह सुपुत्र श्रीः शेर सिंह, रणजीत सिंह सुपुत्र श्रीः लाला, इत्यादि निवासी ग्राम ग्रालीपुर दिल्ली ।

(ग्रन्तपक)

 श्री कंबर भान मुपुत श्री मनोहर लाल, निवामी अशोक विहार, दिल्लं: श्रीर चन्दर प्रकाण, अणोक कुमार मुपुत श्री सोमप्रकाण। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्मस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिसा गवा के हैं।

#### मन्त्रची

भूमि तादादी 19 बेचे 12 बिश्वे, ग्राम बकौली, दिल्ली

नरेन्द्र सिह सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर श्रायुक्त (निरं:क्षण) श्रर्जन रोज-2, नई दिल्ली -110002

नारोख : 12-7-1982

(भ्रन्तरक)

प्ररूप आई .टी .एन्.एस .------

क्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्लीं, दिनांक 12 जुलाई 1982

निर्देश सं० आई० ए० मी० / एक्यू०/2/एस०आर-2/11-81/6274—प्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रु. से अधिक है

धौर जिसको सं कृषि भूमि है तथा जो ग्राम होलम्बी खुर्द दिल्ला में स्थित है (ग्रांग इस उपाबद्ध ग्रनुसूची जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री भर्ती ग्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वों कत सम्पतित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान् प्रतिफाल के अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफाल से, एसे स्थमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक स्थम से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्तं अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्/या
- (क्ष) एसी किनी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-13—186GI/82

- श्री चन्दरभान सुपुत्रश्री जय राम, निवासी ग्राम सुलतानपुर माजरा, दिल्ली:
- श्री शरद जैन, सुपुत्र श्री शान्ती सागर, जैन, निवासी 9-कोर्ट लोड, मिविल लाइन, दिल्ली।

(म्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उत्तत् सम्पृत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :-

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथों कर, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि तादादी , 13 बीघे 6 बिश्वे, का 1/2 भाग भूमि तादादी 6 बीघे 13 बिश्वे, खमरा नं० 31/8 (4-16), 9(3-3), 12(1-7), 13(4-0), ग्राम होलम्बी खुदं, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्दाक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख: 12-7-1982

# प्रक्य आहें, टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर-2/11-81 6323—श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संव कृषि भूमि है तथा जो ग्राम नवादा, दिल्ली में स्थित है (श्रौंप इसमें उपाबढ़ श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकारी श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजिस्ट्रीकारण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-बिक रूप से किथान नहीं किया गया है :---

- (क्क) अन्तरण संहुई किसी आय की याबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिये; और प्या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्तः अधिनियम, की धारा 269-ग के अनूसरण मं, मं, उक्तः अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थातः—

 श्री मांगे राम सुपुत्र श्रः राम चन्दर निवासी हस्तसाल, दिल्ली

(भ्रन्तरक)

2. श्रा सुखदेव सिंह सुपुत्र श्री जोगीन्दर सिंह निवासी 48/16/6, इन्डस्ट्रीयल एरिया, ग्राम हस्तसाल, दिल्ला ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा, अधोहस्ताक्षरी के शस लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनसची

भूमि तादादाः 2 बाधि 8 बिक्वे, भाग खसरा नं० 507, ग्राम नवादाः मजराः, हस्तमाल, दिल्ली

> नरेन्द्र सिह सक्षम प्राधिकारेः सहायक प्रायकर स्रायुक्त (निर्राक्षण) ऋर्जन रोज-2, नई दिल्हाः-110002

तारीख : 12-7-1982

मोहर।

प्ररूप बार्ड. टीं. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 12 जुलाई 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सं10/एक्यू०-2/एस०ग्रा४०-2/ 11-81/8569---प्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 4116 है, तथा जो कटरा निजामुल मुल्क, जामा मस्जिद, दिल्ला में स्थित है (ग्रार इस उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रावर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवस्वर, 1981

को प्येक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के गिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अम्तुरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व मों कभी करने या उससे बुजने मों सुविधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;
- अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मसिखित स्पन्तियों स्थात्:—

- कैंग्टेन हरनाम सिंह, राधे रमण, चमन सिंह और रतन सिंह, निवासी 4116, कटरा निजामुल मुल्क, जामा मस्जिद, दिल्ली (प्रन्तरक)
  - 2. श्रीमत। जामिया सलफाया (मरकाजी दरूलू), रीवारो, तलाब, वराणसी द्वारा, श्रब्दुल वहीद जी० एस० जामिया मोहादिया मनसुरा मल गांवद्वारा मुखतार श्रहमद नवी, विरुत्ती।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पथ्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त व्यधिनियम, के अक्षीय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गय है।

#### अनसची

प्रो॰ नं॰ 4116, कटरा निज।मुल-मुल्क, जामा मस्जिद, दिस्ली।

नरेन्द्र सिंह भक्षम प्राधिकारो सहायक आयक्षर श्राणुक्त (निर्राक्षण) ्रिज्ञन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख: 12-7-1982

# प्ररूप भार्दे .टी .एन् .एस . -----

# ■प्रकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेज-2, नई दिल्ला

नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी ०/एक्यू०-2/एस०आर०-2/11-81/6403---श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रौर जिसका सं० 59, रोड नं० 42 है, तथा जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीण इससे उपाबड अनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्राकर्ता श्रीधकारा के कार्यालय नई-दिल्ला में रजिस्ट्राकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रश्रीन दिसांक नवस्वण, 1981

को पूर्वो कत सम्पत्ति के उचित् बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित् बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रममान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिषत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अधित् ु--  डा० सुरेग मा० ग्रायि, द्वारा उसके सहा बहन श्रामता शकुरतला देवा, पोपाला, जनरल पावर ग्राफ ग्रष्टानी, दिनांक 22-5-1981 निवासा बा-3, टैगोर मार्केट, किर्ती नगर, नई दिल्ला

(भ्रन्तरक)

2. मैं० घी।० पो० बिल्डर्स, प्रा० लि० द्वारा डाइरेक्टर एस० गुरद प सिंह ए-30-ड:, डो०र्ड(० ए०, फ्लैट्स मुर्न(रका, नई दिल्लो ।

(ग्रन्तर्रित्।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी वासे की 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त अब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>3</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसुची

प्लाट नं० 59, क्षेत्रफल 647.22 (बेचा गई एरिया का क्षेत्रफल 585.18 वर्ग गज, स्थापित, पंजाबी बाग, रोड नं० 42, नई दिल्ला ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारे। सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निर्रक्षण) श्रजेन रेज-2, नई दिल्ला-110002

तारी**ख** : 12-7-1982

# प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के सधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ल

नई दिल्ली, दिनाक, 16 जुलाई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस०आए०-2-/11-81/6414-अतः मुझे, नरेन्द्र सिह

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन रक्ष्म प्राधिकारी की, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम राजा पूर खुर्ब, दिल्लं। में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमूर्च, में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रोकर्ता श्रीधकारा के कार्यालय नई विल्ला में रिजस्ट्रोकरण ग्रीधनियम 1908 (1908 ट्रा 16) के ग्रधीन दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छिचत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) शौर अन्तरितों (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रम्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित कहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (प) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों फो, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922: (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

अत: अब् उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्र. शाम १८००। मुपुत्र श्रं विशास दास. निवासी 23 महादेव रोड, नई दिल्लो एक्युटर श्रीफ द विल श्रोफ श्रं,मती विद्यावतो । (श्रन्तरक)
- मै० लाल सन्स भगत एण्ड एसोसीएट्स नं० 56, जोर बाग, नई दिल्ली द्वारा—भागीदार श्री बी० के० भगत सुपुत्र श्री सी०एल० भगत , निवासी 56-जोर बाग, नई दिल्ली ।

(श्रन्धरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीवन सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरु करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के ग्राजंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास किसिस में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिक नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसुची

कृषि भूमि नादादो 68 बीघे 16 बिण्ये, स्थापित-ग्राम राजापुर खुर्द, दिल्ली प्रशासन, दिल्ला ।

> नरेन्द्र सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्रक्षण) श्रजन रेंज-2, नई दिल्ला-110002

नारीख: 16-7-1982

प्ररूप आर्घ . दी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, नई दिल्ला

नर्ह दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एनयू०/2/एस० प्रार०-2/11-61/6194---अतः मुझे नरेन्द्र सिह

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिसको संव हायि भूमि है तथा जो ग्राम नवादा, दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं) रिजिस्ट्राकर्ता श्रीधकारों के कार्यालय नई दिल्ला में रिजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवस्वर 1981

को पूर्वीकत सम्परित के उचित याजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्षित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अधिनियम को सित्यों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में स्विकार के लिए

गैया था या किया जाना चाहिए था, छिपान म सृविधा के लिए;

अतः अग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:——  श्रा भोम सिंह और श्र. पोखार सिंह सुगुन श्रा हरलाल, निवासी ग्राम नवादा, दिल्ला।

(ऋन्तरक)

2. श्रा रामेश्वर अर्मा, सुयुन्न श्री नापा राम, निवासी- $\mathbf{X}/94$ , वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ला । (श्रन्तरिना)

को यह स्वना जारी करके पृविक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इससे प्रयुक्त क्षव्यों और पर्दों का, जो उक्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनसची

कृषि भूमि तादादी 2 बीघे, खसरा नं० 791, स्थापित-ग्राम नवादा, दिल्ला ।

> नरेन्द्र सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायक श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, नई दिल्ली-110002

नारीखा: 12-7-1982

माहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा र् 269-घ (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई विल्ला

नई दिल्ली, दिसांक 12 जुलाई 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० भी०/एक्यू०/2/एस०श्रार०-2/11-81/6418—-श्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-नवादा, दिल्ला में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध स्नुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक नवस्वर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल में, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्येश्य से उक्त अन्तरण निलिखत में वाम्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (स) एसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमः, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् ा—  श्रा दाप चन्द सुपुत श्रा भाई राम, निवासो-ग्राम-नवादा, दिल्ला ।

(भ्रन्तरक)

2. श्रा क्रादर्श भाटिया सुपुत्र श्रा पन्ना लाल भाटिया, श्रीर श्रा हरबंग लाल सुपुत्र श्री तीरथ राम निवासी एच/58, प्रताप नगर दिल्ली

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि सद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, दही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि तादादी । बाधा स्थापित ग्राम-नवादा, विल्ली

नरेन्द्र सिह् सक्षम प्राधिकारो सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) स्रर्जन रेज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख: 12-7-1982

मोहरः

प्ररूप आहर् . टी . एन . एस . -----

कासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्थना

#### थारत तरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2 नई दिल्ली

नई दिल्लो, दिनाँक 12 जुलाई 1982

निर्देण सं० श्राई० ए० मी०/एस्यू/2/एस०श्रार०-2/11-81/6399;—श्रतः मुस्ने नरेन्द्र सिंह

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

ग्रीर जिसको सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम नवादा, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिडस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 द्या 16) के ग्रिधीन दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देश में उसत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 श्री काणंत्राम मुतुत्र श्री सिह राम, निवासा ग्राम-नवादा दिल्लो

(अन्तरक)

- 2 श्रीमती रोहारानी, पत्नी श्री प्रकृत कुमार
  - (2) शिक्षा देवी पत्नी श्री राम कुमार,
  - (3) श्रम्ना गुप्ता, पत्नी श्री श्रादेश कुमार,
  - (4) कुसुम देवी पत्नो श्री सुरेश चन्दे, निवासी-587, खारी बावेलो दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पृवर्षिकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वनुसूची

भिम तादादो 20 बिश्वे स्थापित-ग्राम-नवादा, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह् सक्ष्म प्राधिकारी **सहायक आय**कर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, नर्ड दिल्लो~110002

तारीख: 12→7-1982

मोहर ः

# प्रकृष बाई व टी० एत । एस • ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के अधीन सूचनः

भारत भरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (चिन्नीक्षण) यर्जन रेंज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 12 जुलाई 1982

निर्देश सं० प्राई० ए० सं०/एक्यू०/2/एस०आर०-2/11-81/6294—प्रत: मुझे नरेन्द्र सिंह अक्तिर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसके क्सके क्ष्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृष्य 25 000/- हवये से प्रधिक है

श्रीर जिसके। संव कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-तवादा, माजरा, हस्तसाल, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावड शतुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) राजस्द्री त्वी श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में राजस्ट्रीकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 क्ष. 16) के श्रमीत नवस्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्ध के लिए. तयपाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक अप से किथत नहीं किया गया है --

- (क) जन्तरण गहुँ हिसी पाप की बाबत उक्त अबि-नियम गंपधीन अगदेश के चस्तरक के दाखिल्द में कमी अवग्राहार प्राचनकी है शिक्षा के लिए∳गोर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किमी धन पा अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय घ्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धनकर घ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ धन्तरिती दारा प्रकट नहीं किया गया या विधा जाना खाडिए था, छिपाने में प्रविधा के पिरा;

- श्रीमसी कौशल्या रानी कोपानी पर्ता श्री लिमू राम कोपानी, जिल्ला-104, सैक्टर नं० 21-ए. चन्डीगढ़, पंजाब (जन्तपक)
- 2. श्रंट व ध्यात्म सिंह मुगुन्न श्रः खुणाल सिंह, भिष्यास-सी-श्री 1335, जनात्मरी, अभिनियास (असारिता)

को यह मुखना आरी करके पुर्लोकल सम्यक्ति के अर्थन ते लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के **प्रार्थन** के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :→→

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन को तारीख म 45 दिन की श्रविष्ट या तत्मम्बन्धी श्र्यांक्तयों एर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविष्ठ, जो भी श्रविष्ट बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तिकों भी के सिक्सी व्यक्ति हो,
- (ख) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरताकारी के भाग जिल्ला में किए जा सकेंगा।

स्पर्धाकरण:--इसमं प्रयुक्त शब्दो मीर पद्दी का, जी स्थत अधिनयम क अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस क्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि तादार्वः 2 बीचे स्थापित-ग्राम-नवादा माजरा, हस्तसाल, दिल्ला ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकण श्रायुक्त (निर्राक्षण) श्रजीन रोज-2, नई दिल्लो-110002

नारीख: 12-7-1982

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आसकर अभिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुवना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ला, दिनांक 12 जुलाई 1982

निर्देण मं० आई० ए० सि:०/एवयू०/2/एम० आ१०-2/11-81/6239—आ: मुझे नरेन्द्र मिह्

जायकर मिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चाद 'उन्त जिभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के जभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित भाजार मूल्य 25,000/- रह. से जिभिक है

श्रीर जिसकी सं कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सिरसपुर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूष: में जो पूर्ण रूप से बिलती है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यानय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 वा 16) के श्रीधीन दिनांक नयम्बर, 1981

को पूर्वीक्स सम्मित्त के उपित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रिक्षण की लिए अन्तरित की गई है और मूफे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापृशिक्स सम्मित्त का उचित बाजार मृख्य, उसके ख्र्यमान प्रतिफल से, एसे रव्यमान प्रतिफल के पन्स प्रतिकत अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच एसे अंतरण के सिए सय पाया गया प्रतिक्का जिम्मितिक उच्चरिय से उकत अन्तरण लिखित में वास्तिक क्ष्म कि किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उसमें बचने में मृतिथा के लिए; अदि/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अल्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय अय-अर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने में सिवधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन : निम्नीलिकित व्यक्तियों, अर्थात्:--- रमेश यादव सुपुत्र श्री असीप सिंह,
 निवारी: साम निवासपुर, बिल्मी
 बिहाफ आफ आ जिले मिह औष तारीक सिंह,
 सुपुत्र श्री श्री प्रेम ,
 निवास: साम सिष्टसपुर, दिल्माः

(अन्तरक)

2. श्रो राम गोपल गुष्ता, मुपुत्र श्रा प्यारे लाल गुष्ता निवामी 25/103-वी, शवित नगर, दिल्की। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पृ**क्कीकरणः -- इसमें प्रयुक्त** शब्दों आहेर पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

भूमि तादादी । बीका खसर। नं० 639, स्थापित-ग्राम सिरमपुर, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली

नरेन्द्र मिह्
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

मारी**व** : 12-7-1982]

सोहर:

# प्ररूप आई, टी. एन्. एस. ------

भायक्रार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

नगर्यालय, सहायम भायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ला दिनांक 12 जुलाई 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सिंo/एलयू०/2-एस०ग्रार०-2/11-81/6364-प्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० छुषि भूमि है तथा जो ग्राम बुरारी, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रोकर्ता श्रिष्ठकारों के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रोकरण श्रिष्ठनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन दिनांक नवम्बर, 1981

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्क अन्तरण लिखित, में यास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया ग्या है

- (क) जन्तरण ते हुइ जिल्ली जाय की बायत उक्त लिल-नियम के अभीत कर दोने के अल्परक के दायित्व में कमी करते या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार्/या
- (स) एती किसी आय या किसी धर्म या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आकर्कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, वा धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

 श्री गोपीचन्द सुपृष्ठ श्री लुरोन्द चन्द, निवासी-147, हकीकत नगर, दिल्ली-9,

(प्रन्तरक)

श्री चरनजात सिंह,
 भागीदार मैं० नार्देने एग्रीकल्चर एण्ड स्टूड फर्म (रिण०)
 (प्रत्यरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सुम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कार्ड भी माक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोध से 45 दिन की अविधि या त्रसम्बन्धी व्यक्तियों पर तृचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध् वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्ख व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- वर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनस् अधिनियम के अध्याप 20-क में परिभाषित इं, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में दिवा गया है।

# अनुसूची

भूमि तादादी 4-16 खसरा नं० 135/3(4-16), एरिया, ग्राम बुरारी, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2, नई दिल्ली-11000

अतः अब, उन्नत नौभीनयम, की धारा 269-गं के नजूसरण मं, मंं, उमत निधिनयम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के नभीन निम्नलिशित व्यक्तियों, नशील:—

ना**रोख**: 12-7-1982

प्ररूप आहर टी. एम. एस. .....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

श्रर्जन रेंन-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई; 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सो०/एक्यू०/2/एस०श्रा५०-2/11- 81/6204 —श्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- छ. से अधिक है

श्रीर जिसका सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बुरारा, दिल्ला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में पूर्ण रूप रे वर्णित है) जिस्ट्रेश्चर्ता आंधनारा के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रेश्चरण आंधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवस्वर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (उन्तारा । ।) के बोट ए अन्तरण के निम्म तथ एसा गए प्रोत कल, किम्नोलिंग्वत उद्देश्य से उन्ते अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उनस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्वायरथ में कमा करने या उसस बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने भी सूचिका के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-भ के अनुसर्भ में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, मिम्मीलिशित व्यक्तियों, अधीन ह

- श्री तिलक्ष राम मुपुत्त श्री राम चन्दर निश्रासी, ग्राम, बुरारी, दिस्ती जी० ए० श्री सुरजीत सिंह सुपुत श्री प्रीतम सिंह। (श्रन्तरक)
- मास्टर संजय अग्रवाल अविभावक के रूप में उसके पिता श्री निरंजन लाल निवासा-7474 गला तेल मिल्लूस राम नगर, नई दिल्ला

(अन्तरितं।)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मिरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पृर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् जिस्ति में किए जा सकोगे।

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि तादादी 10 बिष्ये, खसरा नं० 706/2,ग्राम बुरारी, दिल्ली प्रणासन, दिल्ली।

> नरेन्द्र सिह् सक्षम प्रधिकारः सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ला-110002

तारीख: 12-7-1982

मोहर ः

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2,नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई 1982

निर्देश सं० पाई० ए० सः०/एक्यू०/2/एल०त्रः २०-२/11-81/6203--- प्रतः मुझे तरेन्द्र िह

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिस इसमें इसके पश्चात् 'एवत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

स्रीर जिएता संख्या ृषि भूमि है तथा जो ग्राम वुरारी, दिल्ली स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ती श्रिधकारा के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के अर्थीन दिनांक नवस्वर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पादा गया प्रतिफल, निम्निर्लिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; बार/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिङ अमित्तयों, अर्थात्: ——

- श्रीः तिलक राम सुपुत्र श्रीः राम चन्दर
   ग्राम वुरारः, दिल्लीः
   ग्री० ए० श्रीःमतीः रिष्मि भल्ला, पत्नोः श्रीः परमजीतः
   (ग्रन्तरक)
- 2. मास्टर परवान कुमार श्रग्नवाल, श्रिबभावक के रूप में उसके पिता श्री वाबू राम निवासी 7610/12 राम नगर, नई दिल्ला (श्रन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वावत सम्पत्ति के अर्जन की लिए कार्यवाहियां करता हुं।

### उक्त सम्पत्ति के अजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरीं के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि तादादी 6.2/3 बिश्वे खसरा नं० 706/2, ग्राम बुरारी, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख: 12-7-1982

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2

नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० मी०/एक्यू०-/एस०म्रारु-2/11-81/6167—अत: मुझे नरेन्द्र सिह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बुरारी, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवस्वर, 1981

को पूर्वों कर सम्पिति के उचित बाजार मूल्य संकार के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; बार/या
- (स) एसी किसी अय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में स्विभा के लिए।

अतः अब, जनन अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मी, मी जनत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधृति :---  श्री दीप चन्द सुपृत्त श्री माम राज, निवासी ग्राम-बुरारी, विल्ली

(श्रन्तरक)

2. श्रीमती अनजाना गुप्ता, पत्नी श्री श्रमिल के० गुप्ता निवासी 191 कटरा नवाब , चान्दनी चौक, दिल्ली ।

(म्रन्तरिती)

को यह सृषना जारो करके पृत्रों क्स सम्पर्टित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचन (के राजपत्र में प्रकाशन की तारोच से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 3 € दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाधन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शृब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### ग्रनुसूची

भूमि तादादी (0-18), बिश्वे, खसरा नं० 409, एरिया ग्राम-बुरारी, दिल्ली

> नरेन्द्र सिंह सक्षम ग्रिधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली-110002

तारीख: 12-7-1982

प्ररूप आई. टी. एत. एस.----

आयंकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-६(1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

आर्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2

नई दिल्ली, दिनांक 12 ज्लाई 1982

निर्देश सं श्राई० ए० 'सी०/एक्यू-2/एस० श्रार०-2/11-81/6261—श्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्त्रास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बुरारी, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्मा श्रीधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवस्वर, 1981

को पर्वाक्त संपन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिचात से अधिक ही और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल जिल निम्नलिक्तित उच्चेश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिया क्या से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री राम फल सुपुन्न श्री लक्ष्मी चन्दै, निवासी याम गौर गो० बरारी, दिल्ली।

(श्रन्तरक)

2 श्री महेन्दर सिंह, रनबीर सिंह, जसवन्त सिंह सतपाल सिंह देवेन्दर सिंह, जसवीर सिंह मृपृत्र गण श्री हजारी लाल, सभी निवासी ग्राम श्रीर पोठ खेरा कलां, दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकिण्ण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### ग्रन्सूची

कृषि भूमि नादावी 6 बीघे 8 विषये, ग्राम बुरारी, दिल्ली

नरेन्द्र सिंह, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

नारीख: 12-7-1982

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

#### भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई 1982

निर्वेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस०न्नार०-2/11-81/6297---श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बुरारी, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है ) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिष्ठिकारी के कार्यालय नई दिस्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिष्ठीन दिनांक नवस्वर, 1981

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदृष्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष कर निस्तिवियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षित निस्तिवियों। के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष कर निस्तिवियों। के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष कर निस्तिवियों। के बीच एसं अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक्ष कर निस्तिवियों। के बीच एसं अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक्ष कर निस्तिवियों। के बीच पाया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्री श्रजीत सिंह सुपुत्र श्री हरनाम सिंह, निवासी-ग्राम-बरारी, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली।

(ग्रन्सरक)

2. शीमती राज कली विश्वया पत्नी श्री मोहन लाल त्यागी गौर श्रीमती शिक्षा पत्नी श्री लेद प्रकाण त्यागी, निवासी-प्राम-ब्रुरारी, दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख भी 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखि। में किए जा नकीं।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, तहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा हैं।

### ग्रनुसूची

भूमि तादादी (1-7) खसरा नं० 623 खाना नं० 261, एरिया, ग्राम-ब्रारी, दिल्ली ।

्नरेन्द्र सिंह गक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख: 12-7-1982

भोहर:

### प्ररूप भार्भ.टी. एन. एस. ------

आयथल अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धरा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आमुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-2/एम०आर०-2/11-81/8581—अनः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 259-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या सी-91 है तथा जो कीर्ति नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम दिनांक नवम्बर, 1982

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करमें का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिकाल से ऐसे दश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-काल निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की शायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कभी करने या उससे वचने में सृविधा के लिए; और/या
- (वा) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्षत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिभा के भिए;

अतः अब, उल्ल अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधितः

15-186GI/82

 श्री श्रमीर चन्द सुपुत्र श्री चन्ना दास जी, निवासी एफ-317, मान सरोवर गार्डेन, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

2 श्री राम जी दास, सभरवाल, सुपुत्र श्री भगवान दास सभरवाल, निवासी 6-बी/20, रमेण नगर, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मो कोई भी अक्षिप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगें।

स्थळिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### ग्रनुमूची

1/2 ग्रविभाजित हिस्से मकान नं० सी-91. कीर्ति नगर, नई दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नर्ड दिल्ली-110002

तारीख: 12-7-1982

### प्ररूप बार्च, टी. एन. एस. ----

### 269- प (1) के अभीन स्पना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नर्ड दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस०श्रार०-1/11-81/8577—अत: मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयंकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकाः को यह विस्वास कारने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या सी-91 है तथा जो कीर्ति नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसम उपाबद्ध प्रनुसूची में पूर्ण रूप से घणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वीकत संपत्ति के उचित याजार मुख्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्याम करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजगर मृख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एके दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रति-रूप से श्रीधिक नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी बाय की बावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के हायित्व में कामी कारने या जससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्क) एंती किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: उद, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण प् में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात :---  भ्रमीर चन्द सुपुत श्री चान्ना दास जी, निवासी एफ-317, मानसरोवर गार्डेन, नर्ड दिल्ली:

(अन्तरक)

 श्रीमती शांती रानी सभरवाल, पन्नी श्री रामजी दास सभरवाल, निवासी 6-बी/20, रमेण नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मों कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ण) इस स्चना के ,राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहन्ता तरी के पास लिखित में किए जा सर्वेग।

स्तम्ब्रिक्टणः -- इसमें प्रयुक्त सम्बर्ग और पदाँ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

### **ध**नुसूची

ग्रविभाजित हिस्से 1/2 भाग, मकान नं० सी-91, कीर्ति नगर, नई दिल्ली एरिया 196 वर्गगज ।

> नरेन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुवत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

नारीख: 12-7-1982

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-ध (1) के अधीन सूधना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2

ंनई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई 1982

निर्देश सं० थ्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०थ्रार०-2/11 81/8558—अतः मुझे नरेन्द्र सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उच्चित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० प्लाट नं० 6 है, तथा जो ब्लाक नं० 'डी', हकीकत राय रोड, श्रादर्श नगर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाब इ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रीधान दिनांक नवम्बर 1981 को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रियमान प्रतिफल में, एसे ख्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरित्यां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मितिषित उद्द श्य में उक्त अन्तरण लिकित में वास्तियक ख्रुप से कथित नहीं किया गया है :——

- ,(क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया एया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनियित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री शाम बिहारी सुपुत्र स्वर्गीय श्री बलवेव राज, निवासी—-518, रामा कालोनी, रोहतक (हरियाणा)
- श्रीमती केला गुप्ता, परनी श्री जे० सी० गुप्ता, निवासी—1870-सी, गली नं० 139, वीनगर, दिल्ली-52 ।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्षित् संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा मकींगे।

स्पद्धित्याः --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

### अन्सूची

प्लाट नं० 6, ब्लाक नं० डी', हकीकत राम रोड, प्रादर्श नगर, विल्ली, एरिया 120 वर्ग गज।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्रापिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) म्रर्जन रेंज-2, नई विल्ली-110002

तारीख: 12-7-1982

प्ररूप आर्घ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-2

नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई 1982

नर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्य्०/2/एस०भ्रार०-2/11-81/8566—ग्रनः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सुम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहा से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० डी-1/1 है, तथा जो राजोरी गार्डन, एरिया बसईदोरापुर, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवस्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति हो उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुझे यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अध्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) अन्य अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिर उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित मों वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबस उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचन में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अभूगरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिमित् व्यक्तियों, अथितः— 1. एस० मेला सिंह, मुपुन्न श्री सुरजीत सिंह द्वारा जी० ए० सत्तिन्दर सिंह जी-/45, राजोरी गार्डेन, मई दिल्ली ।

(अन्तरक)

 श्रीमती मनजीत कौर पत्नी श्री ग्रमरजीत सिंह खन्ना, निवासी—14/2, ईस्ट पटल नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पृथां क्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध मो कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाग;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्सि में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

#### अनुसुची

नल फ्लोर प्रो० नं० डी-1/1, राजोरी गार्डेन, नई विल्ली, एरिया 112 वर्ग गज, श्राबादी बसइंदारापुर, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-2, नई बिल्ली-110002

नारी**ख** : 12-7-1982

माहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज-2,

नई दिल्ली, दिनांफ 12 जुलाई 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एनयू०/2/एस०म्रार०-2/11-81/8555--भ्रतः मुझे, नरेन्द्र सिह

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० डी-18 है तथा जो भगत सिंह रोड, ग्रादर्श नगर एरिया, ग्राम—भारोला, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन दिनांक नवस्वर, 1981

1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक नवस्वर, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित् बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एमें दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरित्ता) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया ग्या है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उसमे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट रहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अप्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तिसयों, अर्थात्:---  श्री राम लाल सुपुत्र श्री वसन्डा राम, निवासी----मकान नं० डी-18, भगत सिंह रोड, श्रावर्श नगर, विल्ली।

(अन्तरक)

 श्री जगजीत सिंह ग्रौर गुरचरन सिंह सुपुत्र श्री देस राज, निवासी—-वी-1---98. गुजरनवाला, टाउन, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

. उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अन<u>ु</u>सुची

डी/एस० मकान नं० डी-18, स्थापित—श्राबादी—भगत सिंह रोड, श्रादर्श नगर, ब्लाक नं० 'डी', एरिया ग्राम—भारौंला, विल्ली।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीज: 12-7-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-2

नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई 1982

निर्देश श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०श्रार०-2/11-81/6170—-श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—रनहौला, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण क्य से विजत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक नवस्वर, 1981

को पूर्वेक्सि मंपित्स के उचित बाजार मूल्य गं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त मम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के दीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथन गृहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रिधनिश्म के मध्याय 20 क में यथा परिभाषित दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सूरिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आसिध्या को जिन्हों भारतीय आय्-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मों, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (!) के अधीन, निम्निनियत व्यक्तियों, अर्थातः ---  श्री माँगे राम सुपुत्र श्री राम कला ग्रौर मोहिन्दर सुपुत्र श्री हरका, निवासी—ग्राम—रनहौला, दिल्ली।

(अन्तरिती)

 श्रो चान्दगी राम मुपुत्र श्री बनवारीलाल, निवासी—ग्राम—रनहौला, दिल्ली ।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनता सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मो कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूप्रना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारिक से 45 दि। के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हिरुबद्ध किसी अन्युव्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति मो किए जा सकोगे।

स्पस्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिथम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बही अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया ही।

#### अनुसूची

कृषि भूमि तादावी 4 बिघे, 14 बिग्वे, स्थापित—ग्राम— रनहौला दिरुली ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 12-7-1982

मोहरः

प्ररूप आइ र टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2

नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई 1982

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 5895-डी है तथा जो वार्ड नं० 12, यू० ए०, जवाहर नगर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्वयमान प्रतिकल से, एसे स्वयमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल कित निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निलिस में बास्तिवक स्पासे किथा गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाबित्व में कर्मा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमिश्यियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती च्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन, अर्थातः——  श्री महेन्दर प्रकश गुप्ता सुपुत्र स्वर्गीय श्री वी० एल० गुप्ता निवासी—12-यु-ए, जवाहर नगर, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री अवतार सिह दत्ता, सुपुत्र श्री सुन्दर पिह दत्ता, श्रीमती अमृत कौर दत्ता पत्नी श्री अवतार सिंह दत्ता निवासी—28-यू-ए, जवाहर नगर, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूच्ना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हा।

जकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप:---

- (क) इस मूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन के भीतर उक्त म्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्पस्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्रो० नं० 5895—-ही, बार्ड नं० 12, एरिया, 117 वर्ग मीटर, यू-ए, जवाहर नगर, दिल्ली, 3-1/2 मंजिला, बिल्डिंग।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख 12-7-1982 मोहार : प्ररूप माई० टी० एन● एस०----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 26%-म(1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1982

निर्देण सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस०श्रार-3/11-81/1451—श्रन: मुझे, एस० श्रार० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269- के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या 71, ब्लाक 'सी' है तथा जो ध्रानन्य निकेतन, नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में पूर्ण रूप मे वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) दिनांक नवस्वर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान परिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल स, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का रम्बह प्रतिगत प्रविक्त है और ध्रन्तरक (ध्रन्तरकों) भीर ध्रन्तरिती (ध्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखिन उद्देश्य में उसा अन्तरण लिखित में वास्तिम रूप में कथित नहीं किया गए। है : \*\*\*

- (क) ग्रन्तरण ने हुई किसी ग्राप की बाबत उक्त मधि-नियम, के श्रधीन कर देने के परनरक के दायिस में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/यः
- (ख) ऐसी किसी आय या िसी धन के अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्तः अधिगियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के वृधीन भिक्रमुखितुक स्पृक्तियाँ सूर्यात ः--

- कंवर रणदीप सिंह सुपुत्र चौधरी भरत सिंह निवासी 5-बेला रोड, सिविल लाइन, दिल्ली (ग्रन्तरक)
- 2.(1) श्रीमती कैलाण देवी शर्मा पत्नी श्री श्रो०पी०शर्मी निवासी एफ-91, मोनी बाग, नई दिल्ली
  - (2) श्रीमती भागवती पत्नी श्री शिव प्रकाश
  - (3) श्री रघु अर्मा सुपुत्र श्री ध्रो०पी० शर्मा, दोनों निवासी एफ-90, मोती बाग, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि । तस्संबंबी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त वाकिनयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा मर्केंगे।

स्वव्यक्तिरुण . - इसने प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिष्टर नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धर्ष होगा, ो उस ग्रह्माय में दिया गणा है।

### अनुस्ची

प्लाट नं० 71, ब्लाक 'सी', श्रानन्द निकेतन को-श्रापरेटिव हाउस बिल्डिंग, सोसाइटी नई दिल्ली, क्षेत्रफल 360.49 वर्ग-गज ।

> एस० स्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

तारीख 13-7-1982

# प्रक्रम ब्राई० ही। एक। एत।--भायकर समिवियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 26 % च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-2, नई दिस्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1982

निर्देश सं० धाई० ए० सी०/एक्यु०-1/एस०भार-3/11-81/1471-- मतः मुझे, एस० म्रार. गुप्ता, यावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ख के पंधीन सक्तम प्राधिकारी को, पशु विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

भीर जिसकी संख्या ई-302 है, तथा जो ग्रेटर फैलाश-1, नई विल्ली में स्थित है (घौर इससे उपायद धनसूची में पर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण भाधिनियम 1908 (1908 का 16) के भाधीन विनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वन्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दुश्यमान प्रतिफण के लिए जन्तरित की गई है भीर मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृहय, उसके दुश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिकल का परब्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रस्तरक (अन्तरकों) बीर यम्तरिती (धन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरम के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।---

- (का) अन्तरण से हुई किसी श्राय की **बाबत उ**क्त शक्तियम के मधीन कर देने के शक्तरक के दायित्व में कमी करने गा उसमे बचने में सुविधा के सिए; बोर/या
- (बा) ऐसी किसी जाय या किसी धन या घन्य आस्तियों को, जिन्हें मःरतीय आयकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत मधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के िए;

मतः यव, सकत अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसत्ला में. मैं, उनत धितियम की धारा 269-म की उपबारा (1) के प्रधीन, निरम्जिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

15-186 GI/82

- 1. एस० जगजीत सिंध मलहोता निवासी ई-302, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली। (झन्तरक)
- 2. श्रीमती ग्रमुतकौर , निवासी मार्फत-2402-3 हरध्यान सिंह रोड, करोल बाग, नई दिल्ली। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी सरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

स्वत सम्पत्ति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी बाधीप :---

- (स) इस सुबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की भविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचनाकी तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी धविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पुर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा:
- (वा) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर खक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

श्री० नं० ई-302, ग्रेटर कैलाग-1, नई विस्ली 110048, एरिया-231 वर्गगज, 2-1/2 मंजिला।

> एस० ग्रार० गुप्ता प्राधिकारी सक्षम सष्टायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, नई दिल्ली 110002

तारीख 13-7-1982 मोहर:

प्ररूप आहूर, टी. एन. एस. ----------

भायकर अक्षिनियम, 1981 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जैन रेंज-1,नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनंक 13 जुलाई 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस०श्रार-4/11-81/463--श्रत: मुझे, एस० श्रार० गुप्ता,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या 31 श्रौर 33-ए है, तथा जो महिला कालोनी नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई-दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्येक्ति सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके एश्यमान प्रतिफल से, ऐसे एश्यमान प्रतिफल का पन्नुह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित से बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबतः उक्त श्रिष्ठ-नियम के श्रिशीन कर देने के श्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुबिधा के शिए; श्रीर/या
  - (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर भिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिनियम, भा धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधार (1) के अधीन निम्नलिकत व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्रीमती दयाल देवी विश्ववा पत्नी भी प्रकाश चन्द, निवासी 33-श्री, महिला कालोनी, विल्ली-31 (श्रन्तरक)
- डा० रमेश कुमार पासी सुपुत्र श्री हंस राज ग्रीर डा० उमिला देवी पासी पत्नी श्री रमेश कुमार पासी, दोनों निवासी डी-198, साकेत, नई दिल्ली । (ग्रस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकातन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, धन्नोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्वल्डोकरणः --- इसमें प्रयुक्त शन्दों और पर्दों का, जो उस्त अधि-नियम के अध्याय 20-इ में परिचावित है, वहीं अर्थे होगा, जो उस अध्याय में विद्यागया है।

### **अनुस्**ची

मकान नं॰ 31 श्रौर 33-ए, क्षेत्रफल 33**2 वर्गग**ज, स्थापित महिला कालोनी, दिल्ली-110031

> एस०भार० गुप्सा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख 13-7-1982 मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1982

निर्यंश सं० म्राई० ए० सी०/ए स्यू०-1/एस० म्रार -3/11-81/1373—म्रतः मुझे, एस० म्रार० गुप्ता,

भागकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या के-17 है, तथा जो एन० डी० एस०ई-2, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके द्वरयमान प्रतिफल से, एसे द्वरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वर्षय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) मृन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त मधिनियम की अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; माँड/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्सियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में तृतिभा के लिए;

 श्री विश्वानाथ सेठ, सुपुत्र स्वर्गीय श्री बैजूनाथ, निवासी के-17, एन० डी० एस० ई-2, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
 श्री गरपीत सिंब सपत्र श्री विष्ठोचन सिंब

2. श्री गुरप्रीत सिंह सुपुत्र श्री त्रिलोचन सिंह निवासी 5/21, रूप नगर, नई दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजप्त्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध्या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तासील से 30 दिन की अविध्य आंभी अविध्य बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

प्रो० नं० के-17, तादादी 200 वर्गगज, एन० डी० एस० ई-2, नई विल्ली ।

> एस०म्रार०ी गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

कतः अव, अवत अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण को, पी, उकत अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिसों, अर्थात् :---

तारीख 8-7-1982 मोहर: प्ररूप जाई. टी. एन्. एस. ------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1982

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू-1/एस०आर-3/11-81/395---श्रतः मुझे एस० श्रार० गुप्ता,

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं०3, ब्लाक 'एफ'; है तथा जो एम० डी० एस०ई-2, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रानुसूची में पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई-दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक नवम्बर, 1982

को पूर्वो कत संपत्ति के उषित बाजार मृत्यू से कम के दश्यमान् प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपति का उषित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निवन्तिविखत उद्योचय से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबरा, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, में, उसत अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन िनिमित्ति व्यक्तियों, अर्थात रे—

 मै० राजीव प्रोपर्टीज प्रा० मि०
 37-पुसा रोड, नई दिल्ली, द्वारा श्री कृष्म सुमार चोपड़ा ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री राजेश कुमार सचदेव, 34- हाउस सोसाइटी एन० डी० एस० ई०-1,नई दिल्ली श्रौर प्रेम प्रभा,

34, हाउस सोसाइटी एन० डी० एस०ई-1, नई विरुली (भ्रान्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत् सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कंसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थळीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विमा गुमा है।

### अनुसूची

प्लाट नं० 3, ब्लाक 'एफ' तादादी 334, वर्गगज, स्थापित न्यू दिल्ली साउथ एक्स० भाग-2, नई दिल्ली ।

> एस०आर० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई विल्ली-110002

सारी**व 8-7-**1982 मोहर:

(भ्रन्तरिती)

प्रक्ष आहुर, टी. एत. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यातय सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई, 1982

निर्वेश सं० ब्राई० ए० सी० /एक्यू०/1/एस०-ब्रार०-3/
11-81/1358---श्रतः मुझे, एस० धार० गुप्ता,
श्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके
पश्वास् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है); की घारा 269-ख के श्रिधीन
मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से बिक है
श्रीर जिसकी सं० ई-337, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली
में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन

विनांक नवम्बर, 1981
को पूर्वे ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्ति के निए यन्तरित की गई है और मुझे यह विक्थास करने का कारण ! कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशक्ष से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न लिखित उद्देश्य से अन्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से स्विधित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रम्सरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के मन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या मन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिष्ठनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिष्ठनियम, या धन-कर प्रिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबं, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) मैं० सरस्वती विल्डर्स जी०-1/16, दिरयागंज, नई दिल्ली द्वारा मैंनेजिंग भागीवार श्री सतीश सेठ सुपुत्र श्री भार० सी० सेठ, जी०-1/16, विरया गंज, नई दिल्ली -2 (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती चन्दर मोहनी बाधवार पत्नी श्री ए० जी० बाधवार, तथा श्री ग्रशीश कुमार बाधवार सुपुत्र श्री ए० जी० बाधवार, निवासी—ई—337 ग्रैटर कैलाश, नई दिल्ली— 48 वर्तमान निवासी—सी० एम० राइस मिल, काशी-पुर, (नैनीताल) यू० पी०

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविश्व या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविश्व, जो भी अविश्व को सं समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### भन्स्यी

सामने का भाग दूसरी मंजिल प्रो० नं० ई-337, ग्रैटर कैलाश-2, नई दिल्ली, भूमि सावादी 716 वर्ग फिट ।

> एस० श्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज 1, विल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 8-7-1982

(भ्रन्तरक)

### प्ररूप भाई० टी० एन० एस•---

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाउा 269-म् (1) के सभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-म्रार०-3/

11-81/1359—प्रतः मुझे, एस० भ्रार० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269- व को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्ति जिसका उचित माजार मृल्य 25,000/- रा. में अधिक ही

ग्रीर जिसकी सं० ई.-337, है तथा जो ग्रैटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध प्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक नवस्वर, 1981

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्क हिम्मिलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण विचित्त में बास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत; उक्त श्रिष्ठित्यम के ग्रधीन कर देने के शब्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किमी दिश्राय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

भत: प्रथ, उक्त प्रधिनियम की प्रारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथति:---

- (1) मैं० सरस्वती बिल्डसें भाग-2, राजि० ग्रौफिस-पी० 1/16 ग्रंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, द्वारा मैंनेजिंग भागीदार श्री सतीश सेठ सुपुत्र श्री रामचन्द सेठ, निवासी-पी०-1/16, श्रंसारी रोड, दरिया गंज, नई दिल्ली
- (2) श्री गिरधर गोपाल मायुर, सुपुक्ष श्री बांके बिहारी लाल मायुर, निवासी----ई--337, ग्रैंटर कैलाश-2, नई दिल्ली (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

### चक्त सम्मित्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए जा सकेंगे।

स्पष्कीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### **जन्स्**ची

प्लोट का प्राइविट नं जी-2, ग्राउन्ड फ्लोर की तादावी 738 वर्ग फिट, सीकीयों के अन्दर एक रटोर, प्रों नं इ-377, स्थापित-ग्रेटर कीलाश-2, नई दिल्ली

एस म्रार गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज-I, विल्ली, नई विल्ली-110002

तारीख: 8-7-1982

मोहर

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस.----

# धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के भ्राधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज 1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई, 1982

निर्देश सं० भाई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०भार०-3/ 11-81/1360-भातः मुझे, एस० भार० गुप्ता,

भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. सै अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० ई०-337, हैं है तथा जो ग्रैटर कैलाग-2, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनाक नवस्वर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यशन प्रतिफन के लिए प्रस्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परद्रह प्रतिशत से प्रधिक है प्रौर प्रस्तरिक (प्रस्तरकों) प्रौर प्रस्तरिती (प्रस्तरितयों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किवत नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिन नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (का) ऐसी किसी आप या किसी धन या प्रम्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय याप कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए या छिपाने में मुक्किया के लिए।

ग्रतः ग्रव, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरक में, में उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-व की उपवारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) मैं० सरस्वती बिल्डसें भाग-2, रजि० भौफिस जी1/16 भंसारी रोड, दिरया गंज, नई दिल्ली, द्वारा
  मैंनेजिंग भागीदार श्री सतीश चन्द सेठ सुपुत्र श्री
  राम चन्द सेठ
  निवासी-जी०-1/16, श्रंसारी रोड, दिरया गंज,
  नई दिल्ली ।
  (श्रन्तरक)
- (2) श्री महेश बिहारी लाल माथुर सुपुत्र श्री बांके बिहारी लाल माथुर, निवासी—ई-337, ग्रैटर कैलाग-2, नई विल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस पूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन की ग्रविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, घधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दोक्सरण: --इसमें प्रयुक्त शक्दों ग्रोर पदों का, जो उक्त भाधि-नियम के श्रष्टवाय 20 क में परिभाषित है, बही ग्रथं होगा, जो उस भाष्याय में दिया गया है।

### मन्स्ची

प्लेट का प्राइवेट नं० 512, दूसरी मंजिल एरिया -738 वर्ग फिट प्रो० नं० ई-337, स्थापित-ग्रैटर कैलाश-2, नई दिल्ली

एस० भार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्ली--110002

दिनांक 8-7-1982 मोहर: प्ररूप आर्धः, टी. एन. एस.------

मामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-1, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांफ 8 जुलाई 1982

निर्वेश सं० धाई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० धार०-3/ 11-81/1364--ध्रतः मुझे, एस० धार० गुप्ता,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० एम०-15, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवस्वर, 1981

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्भाह भित्रवात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के विष्

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती राम प्यारी चौपड़ा श्रीर श्रीमती प्रेम कान्ता चौपड़ा मी०-एस०-117 श्रानम्ब बिहार, जेल रोड, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विलायती राम मित्तल सुपुत्न स्वर्गीय श्री कुन्दन लाल निवासी-एफ०-345 कोटला मुबारकपुर, नई विल्ली

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र सूचना की सामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तत् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया हैं।

### अनुसूची

एक फ्लेट प्रो० नं० एम०-15, ग्रेटर कैलाश-भाग-1, नई दिल्ली पहली मंजिल पिछने भाग--तादादी 83.3 वर्गगज।

> एस० भ्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-!, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 8-7-1982

मोहर 🛭

### प्ररूप भाई० टी• एन• एस०----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायुक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रजीन रेंज-I. नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०ग्रार०-3/ 11-81/1365--श्रतः मुझ, एस० श्रार० गप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह दिश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं।

श्रीर जिसकी संख्या एम०-15 (दूसरी मंजिल) जो ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधान दिनांक नवम्बर, 1981

को पृशिक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभ्ते यह विश्वास **करने का कारण है कि यथापूर्वी**क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धरयमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत् से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन के दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (स) ए'सी किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्वैत्धा को लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसर्ण में, मैं, उक्स अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिसिस व्यक्तियों, अर्थात :--

17- 186GI/82

- (1) श्रीमती राम प्यारी चीतका फ्रीर श्रीमती प्रेम कारता निवासी-बी० एल०-117, ग्रानन्द बिहार, जेल रोड, नई दिल्ली ।
- (2) श्री एस० एम० सबलीक सुभूत श्री के० एन० सबलोक निवासी-बी०-53, ग्रेटप कैलाण भाग-1, नई दिरुर्खाः

(भ्रन्तरिती)

(भ्रन्तरक)

को ग्रहसचना जारो करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्**पना के रा**जपत्र में प्रकाशन को तारीख से 4.5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पुर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स्त) इस सचनाको राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिल है, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अम्स्ची

एक फ्लेट प्रो० नं० एम०-15, ग्रेटर कैलाश भाग-1, नई विल्ली, दूसरी मंजिल पीछे का भाग (क्षेत्रफल-83.3 वर्गगज)

> एस० प्रार० गुप्ता सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-], दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 8-7-1982

प्ररूप बाह .टी. एत . एस . -----

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मुभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आय्क्त (निरोक्षण)
श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनोंक 8 जुलाई, 1982

নির্বিগ নাত সাহিত एত নাতি/एक्यू०/1/एक्ত-সাহত-3/ 11-81/1366//সাব মুক্তী, চ্বত স্থাতে গুমো,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

श्रीय जिसकी सं० एम०-15, है तथा जो दूसरी मंजिल (सामने का भाग) ग्रेटर कैलाश-1, में स्थित है (श्रीय इससे उपाबद अनुसूचा में पूर्व रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारों के कार्यालय नई दिल्ली में भारताय रिजिस्ट्रीकरण श्रीधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीक्षा दिनांक नवस्वर, 1981

को प्रेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय प्रया गया प्रति-फल दिम्लिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित हही किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अखने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती राम प्यारी चाँपड़ा श्रीर श्रीमती ग्रेम कारता चौपड़ा निवासी-बी०-एल०-117, ग्रानन्द बिहार, जेल रोड, नई दिल्ली । (श्रन्तरक)
- (2) श्री के० एल० सबलीक मुपुत्र स्वर्गीय श्री किरपाराम सबलीक निवामी-बी-53, ग्रेटर कैलाण-1, नई दिल्ली । (ग्रन्सिरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहिया करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीलर पूर्वोक्त क्यिक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्हित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### जनसूची

एक फ्लेट प्रो० नं० एम०-15, ग्रेटर कैलाग-1, नई दिल्ली, दूसरी मंजिल सामने का भाग (क्षेत्रफल -83.3 वर्गगंगज)

एस० ग्रार० गुप्ता सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली—110002

दिनांक : 8-7-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-I, नई दिल्ला

नई दिल्ला, दिनांक 8 जुलाई 1982

निर्वेण सं० म्राई० ए० सि.०/एक्यू०/ 1/एस-म्रार०--3/ 11-81/1367—-म्रत: मुझे, एस० म्रार० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रू. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एम०-15, ग्राउण्ड है तथा जो फ्लोर, ग्रेटर केलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रींप इसमे उपाबड श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनोंक नवस्वर, 1981

कां पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूके यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाथा गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लियं; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-गृ के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत्:--- (1) श्रीमती राम प्यारी चौषड़ा श्रौप श्रीमती प्रेम कान्ता चौषड़ा, निवासी-बी० एल०-117, ग्रानन्द बिहार, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री के० एल० सबलोक. निवासी ⊶बी०-53, ग्रेट∀ कैलाण-1, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मो कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीथ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयूक्त कव्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक फ्लेट प्रो० नं० एम०-15, ग्रेटर कैलाण-1, नई दिल्ली, ग्राउण्ड फ्लोर उत्तर का भाग, क्षेत्र 83,3 वर्गगज ।

> एस० द्या∵० गुप्ता सक्षम प्राधिकारंः सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 8-7-1982

. . . .

प्रकृष् आइं. टी. एन्. एस , -----

नायकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-ा, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1982

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एम०-15, है तथा जो ग्रेटर कैलाश, भाग-1, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्णस्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवस्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किन्नितिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया ग्या है ः—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे वचने में सृविधा के लिए और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब. उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत :—

(1) श्रीमती राम प्यारी चौपड़ा ख्रौर श्रीमती प्रेम कान्ता चौपड़ा, निवासी-बी० एल०-117, ख्रानन्द विहार, जेल रोड, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सन्वीप सलुजा सुपृत्न श्री एस० पी० सलुजा, निवासी-सी०-591, डिफीस कालोनी, नई दिल्ली।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान कार्यवाहियां करता हैं।

### उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- सद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्ष्री के पाम लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीधनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### भगुस्ची

एक पलेट प्रो० नं० एम०-15, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली, पहली मंजिल सामने का भाग-तदादी 83.3 वर्ग गज।

> एस० श्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 8-7-1982

### प्रस्प बाइ .टी .एव .एस .-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई: 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०1/एस०-ग्रार०-3/ 11-81/1376---ग्रतः सुझे, एस० ग्रार० गृप्ताः,

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. में अधिक है

स्रोंर जिसकी संव बीव-1/7, है तथा जो मालवीय नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक नवस्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए त्या पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है: +

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या सससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन अन्य आस्थियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अन, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) की अधीम, मिल्लिविक्त व्यक्तियों, सथीत् :-- (1) श्री गुरचरन सिंह सुपुत श्री एस० बी० बूटा सिंह निवासी-जे०-263, साकेत, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती स्वर्ण कौर पत्नी श्री अवतार सिंह, निवासी ज्बो०-1/7 मालबीय नगर, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथा क्ति सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अन्धोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्थव्यक्तिरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्रो० नं० बी०-1/7, तादादी 202.5, वर्गगज, मालवीय नगर, नई दिल्ली

एस० ग्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 3-7-1982

### प्रस्प आद<u>े. टी. इन् . एस् . ----</u>-----

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कर्त धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई 1982

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-प्रार०-3/11-81/1462--प्रतः मुझे, एस० प्रार० गुप्ता,

म्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उकत म्रिधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के म्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० बी०-171, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारों के कार्याक्षय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवस्वर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमाग प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रदूह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिस उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिष्क रूप से किथ्त नहीं किया ग्या है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बागत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, विश्वा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

ति अस्ति जन्म जन्म सिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीत, तिम्मिलिधित व्यक्तियाँ, अर्थात :——

- (1) श्री श्याम मोहन मेहरा सुपुत श्री हर मोहन मेहरा, निवासी-डी०-316, डिफोंस कालोनी, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मोहमद खुरणीद, मोहमद इरशाद, मोहमद जमशैद, मोहमद जलीम सुपुत्तगण श्री श्रब्दुल मजीद, सभी भागीदार में ० खुरणीद एण्ड जीस (रजि०) एण्ड मोहमद णमीम श्रसलम, 5660 गांधी मार्केट सदर अजार, दिल्ली-6

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्फ पूर्वीक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के मुर्जन के सुम्बुन्धु में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस् स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यसूध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पृष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों आहेर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ै, बही अर्थ होगा जो उस् अध्याय में विया या है।

#### अनुसूचा

मकान नं० बी०-171, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली, क्षेत्रफल-512-1/2 वर्गगंज

एस० ग्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज 1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 3 जुलाई, 1982

प्ररूप् आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष्रु (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज 1 नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई, 1982 निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एष्यू०/1/एस०-म्रार०-3/ 11-81/1485--म्रतः मुझे, एस० म्रार० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जितकी संख्या 318, ब्लोक 'एस. है तथा जो ग्रेटर कैलाभ-2 नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशक्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न्लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भग या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) बेद प्रकाण स्वमं श्रीर ग्रहानी गि० श्रीम प्रकाण सुरुद्ध स्वर्गीय श्री सर्व दयाल, निवासी—7ए०-खण्डेलवाल विल्डिंग, 17-रोड, खार, बाम्बे श्रीर जगदीण प्रकाण सुपुत्त सर्व दयाल निवासी—6/48 डब्ल्यू०-ई०-ए-करोल बाग, नई दिल्ली । श्रीमती प्रेम कान्ता मेहरा पत्नी श्री सी० एल० मेहरा, निवासी—66 ए०/7 न्यू रोहतक रोड, नई दिल्ली (श्रन्तरक)
- (2) श्री गुर प्रीत सिंह सुपुत्र श्री तिरलोचन सिंह निवासी ~ 5/21, रूप नगर, दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि भा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि., जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 विन के भीतर उक्त स्थाधर संपत्ति में हितक्ष्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ं। गया हैं।

### अनुसूची

प्लाट नं० 318, ब्लीक 'एम०' तादादी 300 वर्गगज, ग्रेटर कैलाश भाग-2, नई दिल्ली

> ्राम० स्नार० गुप्ता मक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्नर्जन रेंज 1 दिल्ली, नई दिल्ली -110002

दिनांक : 3-7-1982

प्रकृष आहें, टी. पुन्, एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-**ण् (1) के अधी**न सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 1 नई दिल्ली

नर्ड दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-श्रार०-3/ 11-81/1486--श्रनः मुझे, एस० श्रार० गुप्ता,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 रा. से अधिक है

यौर जिसकी सं० ई०-219, है तथा जो ग्रेटर कैलाज-2, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनां ह नवस्बर, 1981

को पृथांकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है '——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभास (1) के अधीन निम्नुनिस्ति व्यक्तियों, अधीत् —

(1) श्री निर्मल सिंह सुपुत्र एस० चरन सिंह, निर्वासी---43, एन० डी० एस० ई० भाग--1, (सोसाइटा) नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सरन पाल सिंह भुपुत्र स्वर्गीय श्री राम रतन, निवासी——एम~161, ग्रेटर मैलाण~2, नई दिल्ली

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परिस् को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप 🖫---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक चैं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के
  पाम निस्ति में किए जा सकोगे।

स्युष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>1</sup>, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

#### अनत्तनी

प्लाट मं॰ ई॰-219, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्**ली** 

एस० आर० गुफ्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रंज 1 दिल्ली, नई दिल्ली—110002

दिगांक : 3-7-1982

प्रस्य आहु<sup>2</sup>, टी. एन्. एस. -----

आयुकर अभिनियभ, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-आर०-3/ 11-81/1395---अतः मुझे, एस० आर० गुप्ता,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं र्ह 0—115, है तथा जो ग्रेटर कैलाश—2, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाधद श्रनुसूर्ण में पूर्व रूप से विजत हैं), रिजम्द्रोक्ती श्रीधकारी के कार्याक्षय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन दिनांक नवस्वर, 1981

को प्रोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिक ल को लिए अन्तरित की गद्दें हैं और मूफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिक ल हे एसे द्रयमान प्रतिक ल के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत्, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के श्लिए; और/या
- (व) एसी किसी बाग था किसी भग या जन्म आस्तियों को, चिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

- (1) श्री गोपाल दास हगोनी
- (2) श्री जेथा तस्य गेहानी
- (3) श्री किशन चन्द एलीयाम केशोदास ग्रीर
- (4) श्री तारा चन्द गेहानी सभी निवासी-ई०-115, ग्रेटर कैलाश-2, गई दिल्ली। (भ्रन्तरक)
- (2) श्री गुरजीत सिंह जौहर सुगुन्न स्वर्गीय एस० अजीत सिंह जौहर, निवासी-सी०-139, ष्टिफेंस कालोनी, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्तृ सम्पत्ति के अर्जन से लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्थितयों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, ओ उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक मंजिला भकान म्युनिसिपल नं ० ई०-115, ग्रेटर केलाग-2, नई दिल्ली बना हुन्ना प्लाट की तादादी 250 वर्ग गज, (208 वर्ग मीटर)।

> एस॰ ग्राप्तः गुप्ताः सक्षमः प्राधिकारीः सहायकः भ्रायकः श्रायुक्तः (निरीक्षण) श्राजीन रेंज-। नई विल्ली-110002

दिनांक: 3-7-1982

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----आयक्र अधिनियम, 1961 (196! का 43) की बारा
269 व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सं०/एक्य०/1/एस०-आर०-3/ 11-81/1484 --अतः मुझे, एस० आर० गुप्तः,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार भूट्य 25,000/- कर से अधिक है

ग्रीए जिसकी सं० ई०-315, है तथा जो ग्रेटर कैलाण-2, नई दिल्ली में स्थित (है (ग्रीए इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णन है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्णनम, नई दिल्ली में एजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के शर्धान दिनाक नवस्वर, 1981

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमाम प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत अवत अधिनियम के प्रधीन कर देने के जन्तरक के दायित्स में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अश्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रिव्वित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अग्नित्यम, या घन-कर अग्नित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया पया था या किया जाना साहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती भागीएथी देवी एण्ड श्रामती गीता देवी, काला महल, जुना कनाकर मथुरा एण्ड 207 श्रजमेरी भेट, हिल्ली

(ऋतरक)

(2) श्रांसती राज कुमारी भाटिया सर्वश्री एन० के० भाटिया, पी० के० भाटिया, श्रतिल भाटिया श्रीर गुनील भाटिया निवामी-डब्ल्यू०-41, ग्रेटर कॅलाग-1, नई दिल्ली

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीक से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन का अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में विया गया है।

### **जन्**स्**ची**

खाली प्लाट नं० ई०--315, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली एरिया 249 वर्गगज ।

> एस० श्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारो सहायनः श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 विस्ली, नई दिल्ली—110002

दिनांकः : 3-7-1982

### प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1 नई दिल्ला

नई दिल्ली, दिनांक 5 जुलाई 1982

निर्देश सं० इ.हि॰ ए॰ सो०/एक्य्॰/1/एस॰-प्राप्ट॰-3/ 11-81/1461--प्रतः मुझे, एस॰ द्वाप्ट॰ गृप्तः,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसका सं० 41, है तथा जो रिंग रोड, लाजपतनगर, नई दिल्ला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ अनुसूचा में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री हर्ता अधिकारा के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्राकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवस्वर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है थ्रौर मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है थ्रौर भ्रन्तरक (इन्तरकों) थ्रौर भ्रन्तरिती (अतिरात्तयों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भ्रन्तरण लिखित में नास्तिक का में किया नहीं किया गया है:——

- (क) ज्यारण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अत् , उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में , मैं , उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उप्थास (1) के अभीन निम्नलिकित व्यक्तियों मुर्गत् .——

(1) डा० विद्या भूषण, निवासी-22-दिखा गंज, दिल्ली

(स्रन्तरक)

- (2) श्री सूरज प्रकाश
  - (2) श्रा सुधार भासान
  - (3) श्राः सुर्शाल भासान,
  - 41, रिग रोड, लाजपतनगर, नई दिल्ली

(श्रन्तरितं।)

का यह सूचना जारी करके पृथांकित सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

### उनत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्यास 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### **प्रनुसूच**।

1/4 अविभाजित हिस्से प्रो॰ नं॰ 41-रिंग रोड, लाजपत नगर, नई दिस्सी बना हुआ प्लाट का तादादी 800 वर्ग गज ।

> एस० ग्रार० गुण्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकार ग्रामुबन (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-1 नई दिल्ली-110002

दिनांच 1 5-7-1982

### प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

आयुकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के प्रजीत सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन-रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 जुलाई 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सं१०/एक्यू०/1/एस०-श्रार०-3/11-81/1348---श्रत मुझे, एस० श्रार० गृप्ता, भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से स्रधिक है

ग्रीर जिसके सं० के०-30 ए०, है तथा जो हीजखास, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूचा में पूर्व रूप से विणत है), रजिस्ट्राकर्जा ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्राकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 18) के ग्रधीन दिनांका नवस्वर, 1981

को पूर्वों कत् संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृष्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्विक रूप से किथान नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों ने , जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री रतन लाल कौशिक, निवासी--के---30 ए०, हीजखास, नई दिस्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) मैं क्सोभा ट्रेडिंग कं प्रा० लि 31/9, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के सर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजॅन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी श्रा से
  45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी
  भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीखा से
  45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़
  किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रघोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ हो गा, जो उस ग्रध्याय में विधा गया है।

### अनुसुची

प्रो० नं० के०-30 ए०, होजखास, नई दिल्ली, सादादी 656 वर्ग मीटर ।

> एस० श्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 7-7-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

मापकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा 269 घ (1) के ग्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 7 जुलाई 1982

निर्वेश सं० त्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०--प्रार०-3/ 11-81/1374--प्रतः मुझे, एस० श्राप्त० गुप्ता,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद (उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन शक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रापये से अधिक है

श्रीर जिसको सं० 2286/2287 है तथा जो नई वाला करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे अपाबढ श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीम दिनांक नवस्बर; 1981

को पूर्वेदित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोदित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में भासतिक रूप से किथा नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण मे हुई किसी ग्राप्त की बाबत, उक्त ग्रिष्ठि-नियम के अधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमे बचन ने सुविधा के लिए। ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या ग्रास्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922: का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या घन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रश्रास्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए

भेत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिस्ति व्यक्तियों, अर्थात:---  श्री बी० एस० ग्रामन्द सुपुत्र स्वर्गीय श्रा सादा नन्द ग्रामन्द.

निवःसी--3309 रणजीत नगर, नई दिल्ली

- (2) श्री ए० द्यार० बीज सुपुत्र श्री चुनी लाल बीज, निवासी—बी०-2. पुसा रोड, करोल बाग, नई दिस्ली
- (3) श्रो श्रोंकार नाथ सुपुत्र श्री सादा नन्द निवासी-17/5, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ला (धन्तरक)
- (2) मैं काइव स्टार्स बिल्डर्स प्रा० लिव बीव-40-फेस-1, मायापुरी, नई विल्ली । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन क लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के भ्रजन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त प्राक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रश्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे!

•विष्कीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त धिष्कि नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित ृष्टै, वही प्रयं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अमुसुचि

प्रो० जिसका म्युनिसिपल नं० 2286/2287 स्थापित नाई वाला करोल बाग, नई विस्ली, लीज होल्ड राइट्स भूमि की तादादी 300 वर्गगज, खसरा न० 1326/611 श्रीर 612, ब्लोक कि'।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 7-7-1982

### प्रक्प बार्ड . दी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध् (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज 1 नई दिल्ली,
नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई, 1982

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम डेरा मंडी, महरौली, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे व्युने में सुविभा के लिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गंगा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने ने सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घटी उपधारः (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, सूर्याय्—

- (1) सीसराम, सरजीत सुपुत्रगण श्री राम स्वरूप, श्रीमती मूर्ती विधवा पत्नी श्री रामस्वरूप (1/2 हिस्से) रतन सुपुत्र श्री तुला )1/2 भाग हिस्से), निवासी-ग्रांम--डेरामंडी, नई दिल्ली
- (अन्तरक) (2) श्री भार० डी० चन्द्रा सपुत्र श्री धनराज मूल,

निवासी-13-डी, पौकेट-एच, साकेत, नई दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स सम्पृतित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की उनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितत्र दूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 4 बिघे श्रीर 16 बिश्वे, एम० नं. 56. किला नं० 3, स्थापित-ग्राम-डेरा मंडी, नई दिल्ली

एस० श्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली,-110002

दिनांक: 8-7-1982

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 1,नई विरुली

नई पिल्ली, विनांक 8 जुलाई 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-श्रार०-3/ 11-81/1325--श्रतः मुझे, एस० श्रार० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- इस अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्रांम डेरा मंडी, तहसील— मेहरौली, नई दिल्ली में स्थित हे (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 कार्रा6) के अधीन दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्विक्स संपित्त के उचित बाजार मूल्य से क्रम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उददेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (भः) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (भ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य नास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के सिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-इ की उपधारा (1) के अधीग, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री सीसराम, सरजीत सुपुत्रगण श्री राम सरूप, श्रीमती मूर्ती विधवा पत्नी श्री राम स्वरूप (1/2 माग हिस्से), रतन सुपुत्र तृला (1/2 भाग हिस्से), निवासी—ग्राम देरा मडी, नई दिल्ली प्रह्मील—मेहरीली।

(श्रन्तरक)

(2) डा० जे० सी० घोस, सुपुत्र श्री कालीदास घोस, द्वारा म्रार० डी० चन्द्रा निवासी-13-डी०, पौकेट-एच०, साकेस, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवांकित सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन को अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दी और पर्वो का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

### अनुसुची

कृषि भूमि तादादी 4 बिघे श्रीर 16 बिग्ने, मुस्तातील नं० 56, किला नं० 4, स्थापित-ग्राम-डेरा मंडी, तहसील-मेहरौली, नई विल्ली ।

्रस० यार० गप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायकः ग्रायकर ग्रायुक्त (निरक्षण) श्रर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 8-7-1982

प्रकप माई० टी० एन० एस०---

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा 269-व (1) के प्रधीम सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जुलाई 1982
निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-श्रार०-3/
11-81/1338! - ग्रतः मुझे, एस० ग्रार० गुप्ता,
ग्रायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें
इसके पण्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गरा है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/द० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम डेरा मंडी में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नव नवम्बर, 1981

को पूर्नोवत सम्पत्ति के छनित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल हे निए अन्तरित की गई है जौर नुझे यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफन से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदेश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में सम्मतिक रूप से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, सक्त प्रश्चिनियम के श्रधीन कर देने के मन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; भौर/था
- (खा) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या घन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिष्ठितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिष्ठितियम, या धनकर श्रिष्ठितियम, 1957 (1957 का 27) के अभोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सुधीन, निम्नृजिसित व्यक्तिस्पृत्रे, अर्थात् उ—

(1) बाबा घारीदास, चेला राम दास, निवासी-ग्राम-कटेसरा, तहसील रोहतक. (हरियाणा)

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बंशी सुपुत्र श्री घासी राम निवासी-ग्राम-डेरामंडी, तहसील-मेहरौली, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करला हूं।

### उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील ने 30 दिन की अवधि, भो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास शिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शेक्दों और पदों का, जो सकत अधिनियम के प्रध्याय-20क में परिभाषित है, बही ग्रंथ होगा को छस प्रध्याय में दिया गया है।

### अन्स्ची

कृषि भूमि एम० नं० 55, किला मं० 2(2-14), 9(4-16) 12(4-16), 19(4-12), ग्राम-डेरा मंडी, तहसील-मेहरौली, नई दिल्ली

एस० म्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी म**हायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)** म्रजन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली—110002

दिनांक : 5-7-1982

परूप आई'.टी.एन.एस.------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन मजना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयक्त (निर्माक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1982

निर्देश मं० श्राई० ए० मी०/एक्यू०/एस०-श्रार०-3/ 11-81/1452--श्रतः मुझे, एस० श्रार० गुण्सां,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) कि धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-डेरा मंडी, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल सं, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरि सियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिसित उद्दोस्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप में किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अय, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---19—18601/82

- (1) श्री रवबोर सिंह सुपुत्र श्री गुरदित सिंह. निनासी-बीठ-382 ल् फेल्स नगजीनी, गई दिल्लो (प्रभारक)
- (2) मै० कम्पीटेट विल्डमं ६—जन्तर मंतर रोड. नर्ड दिल्ली द्वारा भागीदार श्री नरेन्दर श्रानन्द । (ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अमसची

कृषि भूमि तादादी 4 बीधे और 16 बिख्ये, एम० नं० 37. किला नं० 15, ग्राम-डेरा मंडी, तहसील-मेहरौली, नर्ड दिल्ली।

> एस० श्रार० गु**क्ता** सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1 नर्ड दिल्ली-110002

दिनांक : 8-7-1982

मोहर .

प्रस्त आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई, 1982

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-ग्रार०-3/ 11-81/1453--श्रत: मुझे, एस० श्रार० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम डेरा मंडी, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रतिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन नई दिल्लो, दिनांक नवस्बर, 1981

को पूर्योक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिक्ति उच्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्निनियन व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) श्री रघबीर सिंह सपृत एस० गुरवित सिंह, निशासी जी०-382, त्यू० फैंड्स कालोनी, नई विल्ली (अन्तरक)
- (2) मैं० कम्पीटेंट विल्डर्स, 6—जन्तर-मंतर रो४, नई दिल्ली द्वारा भागीदाँर श्री नशेन्दर धानन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से कि मी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकारी।

स्यष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

# अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 5 बिघे श्रौर 14 बिण्वे, एम० नं०38 किला नं० 11 (0-11), 12(4-12), 13/10 (0-10) 26 मिन (0-1) ग्राम-डेरा मंडी, तहमील. मेहरौली, नई दिल्ली ।

एस० ग्रार० गुप्ता सक्षम श्रिघकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली~110002

दिनांक: 8-7-1982

# प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-स (1) के अधीन मुसना

### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई, 1982 निर्देण सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०--ग्रार०--3/ 11-81/1386---ग्रत: मुझे, एस० ग्रार० गुप्ता,

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें असके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वाम करने का दारण ही कि स्थायर सम्बत्त, उजनका उत्त उजार मृज्य 25,000/रुट, में अधिक है

न्नीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-मेहरौली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक नवस्बर, 1981

कां पूर्विकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल सं, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किंग किंग्न उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से एसी आन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से एसीआ नहीं किया गया है:--

- (ग) अन्तरण में हुए किसी आय को आयत, उबल आंबोनयम अंबधीन कर दोने के अन्तरक के बारिटल में कमी। बरन या उसरा बचन में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उकत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियग की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अधीत्— (1) श्री हरी सिंह सुपुत्र श्री रामजी लाल, निवासी-मेहरौली, नई दिल्ली

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती बसन्ती देवी पत्नी श्री हुकम चन्द गुप्ता नियासी-705 एफ०/6, मेहरौली, नई दिल्ली (ग्रन्तरिती)

का यह सूचना पारी करके पृवाकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्तित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुतारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिसः गया है।

# **प्रमुस्**ची

कृषि भूमि तादादी 9 बिघे और 6 बिग्ने, एम० न० 44, किला नं० 22/2(2-6), 23(4-12), एम० नं० 56, किला नं० 2/2(2-8), स्थापित-ग्राम-, मेहरौली, तहसील-मेहरौली, नई दिल्ली

एस० आर० गुप्ता मक्षम श्रधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक 8-7-1982

# प्रकल् नाहाँ, टी., एन्., एक.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-६ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायुक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-I नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई, 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-श्रार०-3/11-81/1339-श्रातः मुक्ते, एस० श्रार० गुप्ता.

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धाख 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम शाऊर पुर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण क्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवस्बर, 1981

का पूर्वोक्त सम्पतित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके रण्यमान प्रतिफल में, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक हो और अंतर्फ (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण निस्तित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया नया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जांग की गांबत उपत अधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तते अधने में सूबिधा के लिये; शीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, भै, उक्त अधिनियम की धार 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:——

(1) श्री इन्दर सैन, सुपुत्र श्री कन्हैया लाल, निवासी—779/6 मेहरौली,नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्री चाहत, तेजपाल, महीपाल सुपुत्र श्री दीलेल, निवासी-ग्राम-फतेष्ठपुर वेरी, तससील-मेहरौली, नई दिख्ली ।

(श्रन्तरिती)

को महसूबना जारी कारके पूर्वोक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सृथना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृथना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

# भगुसूची

कृषि भूमि तदादी 7 बिघे और 4 बिघ्वे, खसरा नं० 361 मिन (1-12), 362 (5-12), स्थापित—ग्राम—गाऊरपुर, तहसील-मेहरौली, नई दिल्ली

एस० ग्रार० गुप्ता सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक 8-7-1982 मोहर :

# प्रक्य बाइं.टी.एन्.एक्.------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (नि रीक्षण) अर्जन रेंज~1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-म्रार०-3/ 11-81/1396--म्रनः मुझे, एस० म्रार० गुप्ता,

बायकर लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (शिंच इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम् प्राधिकारों को यह विषवास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक ही

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम भरथाल, तहसील-मेहरौली, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवम्बर, 1981

का पूर्वावित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वावित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (मन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नितियों विद्याय ये उवत अन्तरण निम्नित में बास्तिवक क्ष्य सं बाधित नहीं किया गया है --

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की आयत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सिविधा के लिए; जौर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खिपाने में सुविभा के लिए;

नतः मज, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण मों, मों,, उन्त अधिनियम की भाग 269-घ की उपधारा (1) क अधीन निम्नलिसित स्यन्तियों अर्थात्:-- (1) श्री जय प्रकाण, राम गोपाल और दया नन्द सुपुत श्री राम सम्द्रप, निवासी—ग्राम-भरथाल, तहसील-महरौली नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती राम बती पत्नी श्री दया नन्द, श्रीमती पुष्पा पत्नि श्री राम गोपाल, श्रीमती चम्पा पत्नी श्री जय प्रकाश सभी, निवासी-ग्राम-भरथाल, तहसील, मेहरौली, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता क्ष्मी

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारींब से 45 विष की जबींच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की व्यक्ति, जो भी जबींच बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्स व्यक्तित्यों में से किसी व्यक्ति ब्वारा
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर जबत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा मुधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकांगे।

स्पक्कीकरणः --- इसमें प्रयुक्त सन्धां भीर पर्यों का, जो उक्ता अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उम अध्याय में विद्या गया हो।

# अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 13 बिये और 18 बियंव, मुस्तातील नं 28. किला नं 13(4-16), 19(4-11); 27(0-5), 12(4-6), ग्राम-भरथाल, तहसील-महरौली, नं दिल्ली।

एस० श्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली--110002

दिनांक : 8-7-1982

# प्ररूप भाइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 8 जलाई, 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-श्रार०-3/ 11-81/1384—-श्रत: मुझे, एस० श्रार० गृप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणान् 'उ क्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम कापसहेरा, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबड़ अनुसूची में पूर्व रूप मे विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन, दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिपल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि संथापूर्विक्त सम्पन्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- फिरा निम्नितिसित उद्दर्श से उन्त अन्तरण शाकिन में वास्त विक्त ना से किथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिये बौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जा चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

मत: सम, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाग (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत:——

- (1) श्री मी० एस० के० भयाना सुपृत्न श्री जे० एन० भयाना, बी०-9, मेयफेयर गार्डेन, नई दिल्ली-16। (ग्रन्तरक)
- (2) भयाना बिल्डमं प्रा० लि० (र्राज० स्रफिस-बी०-9, भेयफेयर गार्डेन, नई दिल्ली-16। (भ्रन्नरिनी)

को यह सूचना जारी करके पृवांकित सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20 के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 6 बिघे, 2 विश्वे, खसरा नं ० 630(4-16), 629(1-16), स्थापित—ग्राम—कापसहेरा, नर्ड दिल्ली—35।

एस० श्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 8-7-1982

प्ररूप ब्राई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नर्ड दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-आर०-3/ 11/81/1438--अनः मुखे, एस० आर० गुप्ता,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम मुलतानपुर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्राँर इससे उपाबद श्रनुसूची में पूर्व रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिष्णल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेश्य से उचत अन्तरण लिखित में पास्तिवक रूप में किश्त नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुड़ किसी आय की बाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अत, उत्तत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, भी-, उत्तत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री जे० एन० परोडा सुपृत्व स्वर्गीस श्री श्रार० एल० श्रोड़ा, निवासी⊶-एल०-1/1, एन० डी० एस० ई०-2, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरफ)

(2) श्री एल० लोरिन्दा मल मेठी एण्ड कं० गांश्री क्लोथ मार्केट, चान्दनी चौक, दिल्ली।

(ग्रन्तरिनी)

को यह स्<sup>च्</sup>ना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीक रण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अन्सूची

कृषि भूमि तादादी 4 बिघे श्रौर 16 बिख्वे, खसरा नं० 24, स्थापित—ग्राम—स्कृतानपुर, तहसील-मेहरौली, नई दिल्ली।

गुस० ग्रांर० गुप्ता मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली—110002

दिनांक : 8-7-1982

# प्ररूप गाई• टी॰ एत० एस॰---

# श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीत सुमना

# भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई, 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० मी०/एन $\sqrt{1/ए}$ म०-श्रार०-3/11-81/1477—श्रतः मुक्ष, एस० श्रार० गुप्ता,

धायकर घिषिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त घिषिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के घिषान सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से घिषक है,

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-मथयपुर, दिल्ली नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनिय, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अश्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है :--

- (क) श्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, छक्त श्रिधिनयम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या भ्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिष्ठित्यम, या घन-कर श्रिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रोधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्निजिखित व्यक्तियों, धर्मीत्:---

- (1) मैं० दी कैंपीटल को-परेटिव पोल्ट्री सोसाइटी लि० बी०-32, महारानी बाग, नई दिल्ली, द्वारा इसके प्रधान श्री पी० श्रार० गुप्ता सुपुत्र श्री राम-चन्दर गुप्ता. निवासी-1, हैली, रोड, नई दिल्ली
- (2) श्री मुधीर वाता मुपुत्र श्री के० एल० बाता, निवासी-3/4 श्रासफ श्रली रोड, नई दिल्ली-110002

(भ्रन्तरिती)

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां कारता हुई।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी भ्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवाद किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्हीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उत्त श्रीविनयम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रबं होगा जो उस शब्याय में विया गया है।

# अनुसुची

कृषि भूमि फेलिंग खसरा नं ० 114, ग्राम-मथेयपुर, तहसील-मेहरौली, नई दिल्ली (तादादी 4 बिधे 12 बिख्वे)

> एस० श्रारं० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I दिल्ली, नई दिल्ली 110002

तारीख: 8-7-1982

# प्रकप पाई• टी• एन• एत•----

# श्रायकर मिनियन; 1961 (1961 का 43) की बारा 269-च (1) के अधीन स्चना

# भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली नर्थ दिल्ली दिनांक 8 जुलाई, 1982 निर्वेश सं० भ्राई०ए०सी०/एक्यू० 1/एस० भ्रार० 11-81/1478, ग्रत: मुझ, एस० ग्रार० गुप्ता, भायकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास फरने का नगरण है कि स्वादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/• रु० से मधिक ग्रौर जिसकी मं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-मथेयपुर, नई पुर, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावड़ श्रनु-सूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नईदिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधि-कारी, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख नवम्बर, 1981

निश्चित सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह
प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती
(प्रन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त प्रश्नरण लिखित में
वास्तिथिक रूप में कथित नहीं किया गया है!---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत स्वक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट उन्हीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अबः उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त श्रिधितियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---20—186G1/8 (1) मैं दी कैंपीटल को-परेटिव मोल्ट्री सोसायटी लि०, बी०-22, महारानी बाग, नई दिल्ली, द्वारा प्रधान, श्री पी० श्रार० गुप्ता सपुत्र श्री राम चन्दर गुप्ता निवासी-1-हली रोड, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती उषा बझा पत्नी श्री ए० के० बज्ञा, निवासी——43 ए, राजपुर रोड, दिल्ली,

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्वक्ति के धर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप !---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीका से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो छक्त अधिनियम के ध्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो छस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं० 115, ग्राम-मथेयपुर, थेहरोली, नई दिल्ली पक्का बैल के साथ ( 4 बिघे 12 बिश्वे)

> एस० ग्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज- , बिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 8-7-1982

(भ्रन्तरक)

६० से अधिक है

# प्रकृप बाई॰ डी॰ एन॰ एस०----

आयकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) की छारा 2न9-च (1) के सधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-I, नई दिरुखी

नई दिल्ली दिनांक 8 जुलाई, 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी./एक्यू० 1/एस० ग्रार०—
3/11—81/1479, ग्रत: मुझे एस० ग्रार० गुप्ता,
ग्रायकर मिनियम; 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की श्वारा 269-ख के ग्राधीत अप श्रामिकारी को; यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समासि, जिसका उचित बाजार सुरूष 25,000/-

श्रौर जिसकी सं० कृष्टि भूमि है तथा जो ग्राम-माथेयपुर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्य श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख नवम्बर, 1981,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित् बाजार से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उन्तित बाजार मूख्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) और प्रस्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाठा गया प्रतिकल, निम्नलिखिन उद्देश्य से उन्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तरित कर र किशा नहीं किया गया है ।~

- (६) अन्तरण ते तुई किसी आय की बाबत उक्त बाधिकिएन के प्रशीन कर देने के प्रश्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/गा
- (अ) एमा किसो आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर श्रीव्यतियम, 1922 (1923 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, को, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निक्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) मैं० वी कौपीटल को परेटिय पोलट्री सोसाइटी, लि० बी०-22, महारानी बाग, नई दिल्ली, द्वारा प्रधान श्री पी श्रार० गुप्ता मुपुत श्री राम भन्दर, गुप्ता, निवासी 1 हैली रोड, नई दिल्ली ।
- (2) श्री बाला चमन लाल सुपुत्र श्री जे० ग्रारं० बाला, निवासी-43-ए, राजपुर योड, दिल्ली । (श्रम्सरिती)

को यह सुभना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः --

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकासन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उस्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भाषि, जो भी श्रविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की वारी क से 45 दिन के भीतर उन्त स्वावर सम्पत्ति में दिलबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रथुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अमसची

कृषि भूमि फर्लाग इन खसरा नं० 124, ग्राम-मथेयपुर, तहसील-महरोली, नई विल्ली, भूमि की तादादी 4 बिषे 12 बिश्वे,

> एम० म्रार० गुप्ता, सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, दिल्लो, नई दिल्ली-110002

तारीख 8-7-1982 मोहर:

# प्रकर् आर्च्-डी.प्रन.प्रस.,--------

भायकार मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन स्थना

# प्राप्ति प्रकार

कार्याल्य सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिस्स्ती, दिनांक 8 जुलाई, 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सब०/एक्यू०/1/एस०-न्नार०-3/11-81/1351--श्रतः मुझे, एस० श्रार० गुप्ताः,

नायकर निश्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उनद निश्नियम' कहा गया है), की भारा 269-क के नथीन सक्षम प्राप्तिकारों को यह निश्नास करने का काड़न हैं कि स्थानर सम्मित, जिस्सका उपनित नाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम मेहरौली, नई दिल्ली में स्थित है (स्रौर इस उपाबद्ध स्ननुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिस्ट्रीकर्ता स्रधिकायी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक नयम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिवा) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिबत उद्देश्य से उसत् अन्तर्ण दिल्लित में वास्त-

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) होती एक सी भाग ना किसी भन्न या जन्य नारिस्तरों की, जिल्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा था वा किया जाना आहिए था जियाने में स्विता के हिस्स

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के मुभीन निम्मुलिहिन्त व्यक्तियाँ मुर्मातः—

- (1) क्रिगेडियर चन्दन सिंह सुपुत्र श्री गाजी राम, निवासी-सेक्टर 15, भकान नं० 1031, फरीदाबाद (ग्रन्तरक)
- (2) रोशन ला एण्ड सन्स, ई०-24ए०, ट्रस्ट श्रीफ कॅलाश, नई दिल्ली, द्वारा भागीदार श्री बूज मोहन सुरी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

# उनक् सम्पृतिक् को मुजीन को सम्बन्ध को काहि भी बाधोप्र---

- (क) इस स्वान के राजपन में प्रकाशन की तारींच हैं
  45 दिन की जविष या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
  स्वान की तामील से 30 दिन की जविष, जो भी
  जविष बाद में समाप्त होती हो, जो भीतुर पूर्वोक्स
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय दुवाराह
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बक् कि किसी कम्य अमृतिक व्यास अधिहस्ताक्ष्री के पाल सिसित में किए जा सकारी।

स्पक्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, धो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अन्सची

कृषि भूमि तादावी 8 बिघे भौर 16 बिख्वे, एम० नं० 33, फिला नं० 19(4-0), 22(4-16), ग्राम-मेहरौसी, नई दिल्ली

> श्चार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-I, दिल्ली नई दिल्ली 110002।

दिनांक : 8 जुलाई,1982

# प्रकथ बाइ .. टी. एन्. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंजI-, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई, 1982

निर्देश सं० ब्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-ब्रार०-3/ 11-81/1352--ब्रतः सुझे, एस० ब्रार० गुप्ता,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू. से अधिक है

भौर जिसकी सं कि कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-मेहरौला, नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबब अनुसूची में पूर्व रूप से विणत है), रजिस्ट्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नम्बर, 1981

को पूथों कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रश्यमान प्रतिफल का पन्न्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि जिल्ला में वास्तविक रूप से करित नहीं किया गया है।

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए:

अतः। अब, उक्त अधिनियम् कौ भारा 269-ग कौ अनुसरण् मौ, मौ, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन् द्विमन[लिखित व्यक्तियाँ] स्भात् ■——

- (1) श्री क्रिगेडियर चन्दन सिंह सुपुत्र श्री गार्जी राम, निवासी—सेक्टर 15, मकान नं० 1031 फरीदाबाद (अन्तरक)
- (2) मैं शोशन लाल एण्ड सन्स, , ई०-24 ए०, ईस्ट श्राफ कैलाश, नई दिल्ली, द्वारा भागोदार श्री बुज मोहन सुरी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उनत सम्पृतित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यवित व्वारा;
- (स्) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पछीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुस्ची

कृषि भूमि ताबादी 10 बिषे एम० नं० 33, किला नं० 13/2(0-3), 26(0-3), 18(4-0), 23(4-16), एम० नं० 42, किला नं० 3/2(0-18) ग्राम-मेहरौली, नई दिल्ली

एस० ग्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीकण) श्रर्जन रेंज-I दिल्ली, नई दिल्ली~110002

विनांक 8 जुलाई,1982 मोहर :

# प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

अभिकार अधिक्रियम, 198, (1961 का 43) की धारा 269 ध / १) के अधीन सुचना

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1982

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०--ग्राए०-3/ 11/81/1353---ग्रतः मुझे, एस० प्रार० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000 / रह. में अधिक **ह**ै

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भिम है तथा जो ग्राम मेहरीली, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उप बद्ध ग्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर, 1981

का पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करगे का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्सरितियाँ) के बीच ए'से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से काधित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम केलधीन कर दोनेके अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तुरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में उविधाके लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:---

- (1) ब्रिगेडियर चन्दन सिंह सुपुत श्री गाजी राम, निवासी--सेक्टर 15, मकान नं० 1031, फरीदाबाद (ग्रन्तरक)
- (2) मैं० रोशन लाल एण्ड सन्स, ई०-24 ए०, ईस्ट भ्रोफ कैलाश, नई दिल्ली, द्वारा भागीदार, श्री बुज मोहन सूरी (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वों क्ल सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सचनाकी तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वाकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा,
- (का) इस स्चना कराजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# श्रनुसूची

कृषि भूमि तदादी 8 बिघे 16 बिग्वे, एम० नं० 33, किला नई दिल्ली

> एम० श्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग 1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक 8-7-1982 मोहर:

# प्रकृप भाष्ट्रं, टी. एन्, एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

# भारत् सर्डकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 1, नई विल्ली नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1982

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम मेहरौली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपायक्ष श्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवम्बर, 1981

कारे प्वांक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सर्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्ः— (1) श्री गुर सहाय सुपुत्र श्री जोरा, निवासी-ग्राम-षिटोनी, नई दिल्लो

(श्रन्तरक)

(2) एस० हरबंस नारंग सुपुत्र एस० जीवन सिंह निवासी--ए०--135 न्यू फ़ेंड्स कालोनी, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने ।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नन्तुची

1/4 हिस्से कृषि भूमि एम० नं० 87, किला नं० 2(1-13), 3/2(3-3), 4(4-16), 5/2(4-9); 6/2(4-9); 7(2-15), 15(1-3), स्थापित-ग्राम-मेहरौली, तहसील-मेहरौली, नई दिल्ली

एस० म्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-I दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 8-7-1982

# प्रक्ष बाइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सृपना भारत सरकार

कार्यालय्, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज:I नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई, 1982

निर्वेश सं० म्राई० ए० सि०/एक्यू०/1/एस०-म्रा $^{7}$ ०-3/11-81/1382--म्रतः मुझे, एस० म्रीर० गुप्ता,

शायक ए अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-मेहरौली, नई दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपावत ग्रन्सूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी के वर्ग्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गृह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकाल से एसे दृश्यमान प्रतिकाल का पन्त्रहुप्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अनस्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिसित व्यक्तियों अर्थातः :--- (1) श्री करतार सिंह ग्रीर राज सिंह सुपुत्रगण श्री भीमा, निवासी-मेहरौली, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्रो अगोक कुमार सुपुत श्रो पञ्चालाल श्रीर श्रीमती मोहनी कम्बोज पत्नी श्री श्रणोक कुमार, निवामी—बी०-4/18, सफदर्जंग इन्अलेव, नई दिल्ली

(श्रन्तिर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध् या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सक्षेपे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिन्मिम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसुची

कृषि भूमि त।दादी 9 बिघे श्रीर 17बिखे, मुस्तातोल नं० 77, किला नं० 1/2(1-13), 10/2(4-2), 11(4-2), ग्राम-मेहरौली, तहसील, नई दिल्ली

एस० ग्राप्तः गुप्ताः सक्षम प्राधिकारीः सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली—110002

दिनांक : 8-7-1982

प्रस्प बार्डं.टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1982

ें निर्देश मं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-ग्रार०-3/ 11-81/1385—ग्रतः मुझ, एस० ग्रार० गुप्ता

मायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-मेहरौली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख नवम्बर, 1981, को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह श्रतिशत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिस्ति उद्दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक लप में किथन नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) के अभीत निम्नलिखित व्यक्तियों क्रभीक :-

- (1) श्री हरी सिंह मुपुत्र श्री रामजीलाल, निवासी-प्रास-मेंहरौली, नई दिल्ली ।
  - (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती बसन्ती देवी पत्नी श्री हुकम चन्द गुप्ता, निवासी-705 एफ०/6, मेहरौली, नई दिल्ली ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या है।

# अनुस्ची

कृषि भूमि 10 बिघे ग्रौर 6 बिग्ने, एम॰ नं॰ 56, फिला नं॰ 3(4-16), 8/1(3-2), 9/1(2-8), स्थापिन ग्राम मेहरौली, तहमील महरौली, नई दिल्ली।

एस० भ्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-1 नई दिल्ली—110002

तारीख: 8~7-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस...----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सम्मना

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई, 1982

निर्देश सं० प्रार्ड० ए० सी०/एक्यू०/१/एस० ब्रार०-3/ 11-81/1436, श्रतः मझे, एस० श्रार० ग्प्ता,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित श्रांतर मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

गौर जिसकी मंठ कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—मरौली नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में पूर्वे रूप से विणत है), रिजस्ब्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्या-लय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्द्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख नवम्बर, 1981 को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिशत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुलिधा के लिए; और/या
- (भ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था. ि छपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम्, की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—— 21—186GI/82 (1) श्री खेम चन्द ग्रीरदीप चन्द सुपुत्र गज श्री छतर सिंह ,निधासी--4/315 मेंहरोली। नई दिल्ली।

(शन्तरक)

(2) श्री खेंम चन्द मुपूब श्री शियों मित,
 निवासी-122 ए/2 गोतम नगर,
 नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि जाद में समाप्त होती हो, के शीतर प्राक्ति व्यक्तियों में गे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) ६स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उचत स्थावर संपत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्यष्ट्रीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा ज़क्त जीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, उहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में विचा गया हुँ।

# वन्सूची

कृषि भूमि तादाधी 9 बिघे 12 बिश्वे. मुस्तातील नं 14. किला नं 21(1-9), 22(4-16), 23(3-7), ग्राम-मेहरौली, नई दिल्ली ।

> एस० श्रार० गुप्ता सक्षम प्रधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) यर्जन रेंज-2, नई दिल्ली 110002

तारीख: 8-7-1982

माहर:

ţ., ,

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

जायकर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

# भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1982

निर्देश श्राई० ए०सी०/एक्यू०/1/एस० श्रार०-3/11-81/ 1375, श्रतः सुक्षे श्रार० एस० गृष्ताः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उन्कत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम— बिजवाशन, तहसील-मेहरौली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाश्व अनुसूची में पूर्व रूप मे विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीकारी के कार्यालय, नई विल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीकिन्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक नवस्थर, 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उ चित बाजार मूल्य से कम के हश्यमान प्रितिकत को लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके हश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पल्क प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उथत अन्तरण नियित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (ज) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविधा के लिए:
- े किया विष्यु, उन्नर्स अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्नर अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिख व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्री शंकर दास सुपुत्र श्री गोपाल दास, निनासी--3/58, राजीन्द्रर नगर, नई दिल्ली।
  (श्रास्तरक)
- (2) श्रीमती मीमा, प्रीया श्रौर तानु सभी नवालिक सुपुत्रीगण श्री रवींन्दर गांधी, निवासी--सी०/37, मेयफय गार्डेन, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त मंपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथें कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारील से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोनस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

कृषि भूमि 8 बिघे श्रौर 16 बिघ्वे, एम० नं० 84, िकला नं० 14(4-16), 16(4-0), ग्राम-बिजवागन, तहसील-मेहरौली, नई दिल्ली ।

एस० म्राप्ट० गुप्ता मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-1 नई, दिल्ली—110002

विनांक: 8-7-1982

प्ररूप बाई० टी• एन० एस-

**पा/प**कर **अधि**नियम, 1961 (19**61 का 43) की** धारा 269-घ(1) के ब्राधीन **सूच**मा

# मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) प्रार्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1982

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें। इसके प्रजात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा। 269-घ के सभीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने क कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका छिषत बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रोर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-बिजवाशन, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक नवस्थर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के प्रति दृश्यमान फल के लिए अन्तरिस की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत् अधिक है प्रीर अन्तरिस (अन्तरिकों) और अन्तरिस (अन्तरिसमों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित्तत उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वाश्विक छप से कायित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसा आय का बाबन उक्त आधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिख में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती क्षारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-न के अनुसरण मों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अभीन, निम्मलिखित व्यक्तित्यों, अभीत् ः--- (1) श्री राम किशन सुपुत श्री हरवम, निवासी-ग्राम-बिजवाशन, नई दिल्ली ।

(मन्तरक)

(2) मैं० सी० लायल एण्ड कं० (कन्स्ट्रक्शन) प्रा० लि० 115 श्रमल भवन, 1-के० जी० मार्ग, मई दिस्ली

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वाक्त संपत्ति के अर्थन के लिए एतद्व्वारा कार्यवाहियां करता हो।

जनत सम्पत्ति के धर्जन क संबंध में कोई भी आक्षेप !--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी सवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपत्ति में
  हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भवोहस्ताकरी
  के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्होकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो सकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाषित हैं, बही अयं होगा, जो सम अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

कृषि भूमि तादावी 4 बिघे और 18 बिग्ने, 13/72 हिस्से भूमि का रेक्ट० नं० 45, के० नं० 6(3-08), 7((1-15), 14(3-17), 15(0-19), 17(3-15), 13 और 18 (इस्ट)  $(2\ 10)$ , 23 इक्ट (4-9), 24 (4-16), श्रीर 25 वेस्ट (1-16), ग्राम-बिजवाशन, नई दिल्ली ।

एस॰ श्रार॰ गुप्ता सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त,(निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज (1) नई दिल्ली-110002

विनांक : 8-7-1982

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-ग्रार०-3/ 11-8 1/1342--- अतः मुझे, एस० आर० गुप्ता, श्रायक्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/- छात्रे से अधिक है उचित बाजार मृत्य ग्रौर जिसकी सं० कृषिभूमि है तथा जो ग्राम-छतरपुर, तहसील, मेहरौली, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, किदनां नवम्बर, 1981 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दुश्यमाः प्रतिफल या सन्दर् प्रतिशत अधिक है और ग्रन्ताव (जन्मरकों) ग्रीर जन्तरिनों (जन्नसिनयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम गया गमा प्रतिकत, निम्नलिखि उद्देश्य से उक्त जन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं विदासिया है :--

- (क) अन्तरण न हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियन के अधीक कर देने के अन्तरक के दायित्य में किशे करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या असी घन या अन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशेजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रस्ट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः श्रब, उक्त श्रविनियम की घारा 269-ग के श्रनुसरण भ, में, उक्त श्रविनियम की घारा 269-व की नपक्षारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मैं० रन्जदूत पेण्ट्स प्रा० लि०, ग्राम-सुलतानपुर, मेहरौली, गुड़गांव रोड, नई दिल्ली द्वारा इसके मैंने-जिंग डाइरेक्टर श्री एस० एस० ढींगरा सुपुत्न श्री एन० एस० ढींगरा ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती फूला रानी चढ़ा पत्नी श्री मनोहर लाल चढ़ा, निवासी-एम०-7, किर्ती नगर, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

**उन**त सम्बादि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इत भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के सीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में सक्ती व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्राध-नियम के पध्याय २०-इ में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

# वन्स्ची

कृषि भूमि खसरा नं० 1664/2(4-06), 1665(4-16); टोटल 9 विघे 2 बिण्वे, स्थापित—ग्राम—छतरपुर, तहसील-मेहस-रौली, नई दिल्ली , चहारदीवारी ग्रौर फर्म हाउस के साथ।

एस० स्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज 1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 8-7-1982

अस्प अहिं ही वस्तव एतव-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आथकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-श्रार०-3/ 11-81/1349—-श्रतः मुझे, एस० श्रार० गुप्ता.

आवित्र अधिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिते इसमें इसके पश्यात् 'उका विभिन्न' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधान उन्न गांधिकारों का, यह विश्वाप करने का कारण है कि स्थावर पंगति, जिसका उनित्र बाजार मन्य 25,000/- कर से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-ग्राया नगर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्व रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण हे कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उन्हें दृश्यमान प्रतिकत ने, ऐने दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्नितिखें उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखिन में वास्नविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (ग) अन्तरण स हुई किसी आय को बाबत उनत अधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित वर्ष्ट्र स्तयों, अर्थात् :---

(1) श्री मतपाल दीलावरी सुपुत श्री भगत राम दीलावरी, निवासी--ती०-6/53, मकदरजंग डेवलपमेंट एरिया नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्रोम प्रकाश जैन श्रौर श्रशोक कुमार जैन सिसुपृतगण स्वर्गीय श्री श्रीराम जैन,

िनवासी—मी०-6/53 सफदरजंग डेवलपमेंट सुपृत
एरिया, नई दिल्ली , श्री जीतेन्दर कुमार, श्री देवीन्दर
कुमार गुप्ता सुपृतगण स्वर्गीय श्री राम कुमार गुप्ता
निवासी—17 बाबर लैन, नई दिल्ली श्री राम नाथ
सिंघल सुपृत्वर्शी राम पन निवासी—1, श्रचारवाला,
सब्जी मंडी, दिल्ली श्रौर श्री श्रयुव सैयद सुपृत
श्री सैयद मोहम्मद निवासी—सी०-6/53 सफदरजंग
डेवलपमेंट एरिया, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह यूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उन्त सम्बत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामोज से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकांशन को तारीख ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम, के ग्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय म दिया गया है।

# अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 11 एकड़ 2 विसवा खसरा नं० 260/1 (18 विश्वे) 261 (4-16), 262(4-16), 263(4-16), 264(4-16), 265(4-16), 266(7-2), 268/1(4-0), 269/1(3-11), 269/2 269/2(1-5), 270/1(1-18), 270/2(2-18), 271(4-16), 272(2-10), चकबन्दी अधिकारी द्वारा एलाट किया हुआ वाक्या स्थापित आया नगर, तहसील मेहरौली, नई दिल्ली।

एस० म्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 8-7-1982

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

ग्रायकर मिनियम, 1962 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज्र I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई, 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्यू०/1/एस०-आर०-3/ 11-81/1460-अतः मुझे, एस० श्रार० गुप्ता भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ६सके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सज्जन प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मृल्य 25,000/नवपये से श्रिषक है ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-देवली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवम्बर, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफत का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रंधिक है ग्रौर ग्रस्तरक (प्रनरकों) ग्रीर ग्रन्तरितो (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित

(क) अन्तरण में हुई किसी ध्राय की बाबत अक्त ध्रिक-नियम के ध्रधीन कर देंगे के ध्रम्तरक के दायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

नहीं किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा श्रिकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः उत्तर प्रविनियम की बारा 200-न के सनुवरण में, मैं, उत्तर प्रविनियम की बारा 200-म की उपवास (1) को अभीन, निस्तृतिवित स्वित्यों, स्पृत् वन्त

- (1) श्रीमती पुष्पा रानी पत्नी श्री श्रिगैडियर जोंगिन्दर सिंह, निवासी---65 लोधी इस्टेंट, नई दिल्ली
- (2) श्रीमती सतमिन्दर कौर पत्नी एस० तेजीन्दर सिंह, निवासी---एम/69 ग्रेटर कैलाश-1, मार्केट, नई दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

(भ्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सवंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की व्यवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस मूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिसकद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिक्ष-नियम के श्रष्टयाय 20-क मे परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में विया गया है।

# अमृस्ची

कृषि भूमि तावाची 4 बिघे 8 विश्वे, खसरा नं० 12(1), ग्राम—देवली, नई दिल्ली

> एस० श्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विमांक : 8-7-1982

# प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

द्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 26**9-व (**1) के **प्रधीन सूच**ना

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-I, नई विल्ली

नई दिस्ली, दिनांक 8 जुलाई, 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/1/एस०--श्रार०-3/ 11--81/1459---श्रसः मुझे, एस० आर० गुप्ता,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् विकास प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खा के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- ६० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम देवली, नई दिल्ली में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके पृथ्यमान प्रतिफल से, ऐसे पृथ्यमान प्रतिफल का पण्डाष्ट्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से गणित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधि-नियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिक्ष में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शौर/या
- (अ) ऐसी किसी भाय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रदः अब, उन्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त श्रधिनियम की श्रारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रद्यीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत्:---

- (1) श्रीमती पुष्पा रानी पत्नी श्री श्रिगेडियर जोगीन्दर सिंह, निवासी---865 लोधी इस्टेट, नई दिल्ली (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती ग्रागरन कौर पत्नी एस० गुरबचन सिंह, निवासी—एम०-69, ग्रेटर कैलाण-1, मार्केट, नई दिल्ली

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के ग्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी श्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रष्ठयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रथं होगा, जो उस ग्रष्ठयाय में दिया गया है।

# अनुसूची

**कृषि** भूमि ग्रा**म-देव**ली, खसरा नं० 10(4-16**)**, नई दिल्ली ।

> ्रास० श्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली--110002

दिवांक: 8-7-1982

# UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 3rd June 1982

No. A. 32014/1/82-Admn. III—The President is pleased to appointed the following Assistants of the office of the U.P.S.C. to officiate as Section Officers on ad-hoc basis for the period mentioned against each or until further orders whichever is earlier:

s. No.,	Name	and	Perie	nd for	r wl	tich promo	ted
1. O.C.	Nag					1-7-82 to	3-9-82
2. V. P.	Kapa!					3-6-82 to	1-9-82
3. R. K.	Gaur					4-6-82 to	3-9-82
4. B. C.	Gupta					31-5-82 to	3-7-82
5. M. K	. Roy					I-6-82 to	30-6-82

# The 28th June 1982

No. A. 32014/1/82 Admn III--The President is pleased to appoint the following Assistants of the office of the Union Public Service Commission to officiate as Section Officers on ad-hoc basis to: the periods mentioned against each or until further orders whichever is earlier:-

S, No.	Name		 P	eriod for w	which promoted
	S/Sbri	 			
1. K. C	C. Schgal			21-6-82 to	5-8-82
2 Raj	Kumar			1-7-82 to	15-8-82
				Y	R. GANDEL

Y. R. GANDHI Under Secy. Union Public Service Commission

# MINISTRY OF HOME AFFAIRS (CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION) (DFPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.) CABINET SECRETARIAT New Delhi, the 14th July 1982

F. No. A/12/72/AD.V.—The services of Shri A. K. Banerjee, IPS (UP-55) Dy. Inspector General of Police, Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment, New Delhi were placed at the disposal of the Govt. of Uttar Pradesh with effet from 30-11-1981 alternoon on repatriation.

No. A/19036/22/79/Ad.V.—The services of Shri V. M. Pandit, Dy. Superintendent of Police (ad hoc) CBI are placed at the disposal of the State Government of Madhya Pradesh with effect from 21st June, 1982 (Afternoon) for appointment as Dy. Supdt. of Police on deputation.

### The 15th July 1982

No. A/19036/13/75/Ad.V.—The services of Shri C. K. Tiwari, Dy. Supdt. of Police on deputation to Central Bureau of Investigation from Madhya Pradesh Police, were placed back at the disposal of Madhya Pradesh Govt. with effect from 3rd July, 1982 afternoon.

R. S. NAGPAL, Administrative Officer (E) Central Bureau of Investigation

# DIRFCTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi, the 16th July 1982

No. O-11-1604/81Estt.—The President is pleased to accept resignation tendered by Dr. P. Vasudeva Rao, General Duty Officer Grade-II, of the CRPF with effect from 8th July, 1982 (A.N.)

No. O.II-1762/82-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. T. Divakar Jayanna as Junior Medical Officer in the CRPF on ad hoc basis with effect from the

forenoon of 30th June, 1982 for a period of three months or till recruitment to the pear is made on regular basis, whichever is emiliar.

A. K. SURI, Assistant Director (Estt.)

### OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

# New Delhi, the 16th July 1982

No. 11/36/79-Ad.I.—In continuation of this office Notification of even number dated 18-3-1982, the President is pleased to appoint Shri M. L. Gulati, Office Superintendent in the Central Bureau of Investigation, Delhi Branch, New Delhi as Deputy Director in the office of the Registrar General, India, New Delhi, on ad hoc basis, by transfer on deputation, for a further period upto the 31-12-1982 or till the post is filled in, on a regular basis, whichever is shorter.

# 2. The headquaters of Shri Gulati will be at New Delhi.

No. 10/8/80-Ad.I.—In continuation of this office Notification of even number dated the 10th February, 1982, the President is pleased to appoint Shri N. G. Nag, Assistant Registrar General (Social Studies) in the office of the Registrar General, India, New Delhi, as Deputy Registrar General (Social Studies) in the same office, on a purely temporary and ad hoc basis, for a further period upto the 31-12-1982 or till the post is filled in, on a regular basis, whichever period is shorter.

# The headquarters of Shri Nag will be at New Delhi. The 17th July 1982

No. 10-4-80-Ad.I—In continuation of this office Notification No. 10/4/80-Ad. I dated the 10th June, 1982, the President is pleased to extend the period of ad-ho: a ppointment of the under-mentioned Console Operators in the office of the Registrar General, India, New Delhi as Assistant Director (Programme) in the same office upto the 31st December, 1982 or till the posts are filled in, on a regular basis, whichever period is shorter, on the existing terms and conditions:

Sl. No.	Neme	Headquarters
1. Shri R.	L. Puri	. New Delbi
2. Shri A.	P. Gupta .	. New Dehi
3 Shri Sat	ya Prahash	. New Delhi
		P. PADMANABHA
		Registrar General, India

## SARDAR VALLABHBHAI PATEL NATIONAL POLICE ACADEMY Hyderabad-500 252, the 14th July 1982

No. 15014/80-Estt.—On completion of his tenure, Shri V. Dharma Rao, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service, allotted to the Ministry of Defence relinquished charge of the post Administrative Officer in the S.V.P. National Police Academy, Hyderabad with effect from the forenoon of 14th July, 1982.

P. D. MALAVIYA, In-charge Director

# MINISTRY OF FINANCE DEPARTMENT OF REVENUE

OFFICE OF THE CUSTOMS, EXCISE AND GOLD CONTROL APPELLATE TRIBUNAL

New Delhi, the 19th July 1982

F. No. 6-CEGAT/82.—Shri Budh Singh, lately working as Assistant Chief Accounts Officer in the Directorate of Inspection and Audit (Customs & Central Excise), New Delhi, assumed charge as Assistant Registrar, Customs, Excise & Gold Control Appellate Tribunal, New Delhi, in the forenoon of 15th July, 1982.

R. N. SEHGAL, Registrar.

# New Delhi, the 12th July 1982

No. Admn.I/0.0.172.—Consequent on his attaining the age of superanuation, Shri P. C. Mullick a permanent Audit Officer of this office will retire from the service of the Government of India with effect from the afternoon of 31-7-1982. His date of birth is 31d July, 1924.

A. S. MOHINDRA, Jt. Director of Audit (Admn.)

# DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi 110066, the 16th July 1982

No. AN/I/1172/1/IPC-II)—The President is pleased to appoint the undermentioned officers of the Indian Defence Accounts Service (who are on deputation as noted against their names) to officiate in Level-II of the Senior Administrative Grade (Rs 2250-125/2-2500) of that Service, on ad hoc basis, for a period of six months, or till regular arrangements are made, whichever is earlier, from the dates shown against their names, under Next Below Rule

(1) Shri R Kalyamasundaram 28-02-82 Financial Adviser, Damodar Valley Corporation, Alipore, Calcutta.

(2) Shri B. V. Adavi . . . 06-05-82 Integrated Financial Advisor, Dept of Revenue, Ministry of Finance, New Delhi.

No. AN/I/1173//I.—The President is pleased to appoint the following Junior Administrative Grade Officers of the Indian Defence Accounts Service to officiate in the Selection Grade of the Junior Administrative Grade (Scale Rs. 2000-125'2-2250) of that Service with effect from the dates shown against their names, until further orders:-

Si, Name No.	Date
1 Shri Rajinder Kumar Chawla	11-01-82
2. Shri Priyaranjan Prasad	15-02-82
3. Shri N. D. Moray	01-03-82

No. AN/I/1173/1/1—The President is pleased to appoint the following Junior Administrative Grade Officers of the Indian Detence Accounts Service (on deputation as noted against their names) to officiate in the Selection Grade of the Junior Administrative Grade (Scale Rs 2000-125/2-2250) of that Service, with effect from the dates shown against their names, until turther orders, under 'Next Below Rule'

Si.	Name	Date	Present assignment
No. 1	2	3	4
1, Sh	ri K. Ganosan	11-01-82	Director, Ministry of Finance, Depart- ment of Expendi- ture (Defonce Division) New Delhi.

1	2		3	4
2. Sh	ri S. A. Venl	katarayan .	15-02-82	Commissioner of Payments, M/3 Burn & Co. etc., Dept. of Heavy Industry, Calcutta (under Ministry of Industry).
3, SI	h <sub>r</sub> i V. Naga <sub>l</sub>	ajan .	01-03-82	Director of Ac- counts and Stores, Research and Deve- lopment Organisa- tion, Ministry of Defence, New Delhi
	Additional	Controller	General o	R. K. MATHUR of Defence Accounts (Admn.)

#### MINISTRY OF DEFENCE

# ORDNANCE FACTORY BOARD Calcutta-700069, the 7th July 1982

No. 8/82/A/E-1.—On attaining the age of superannuation Shri Satinath Mukherjee, Subst. & Permtt. Assistant, Offg. Assistant Staff Officer retired from service with effect from 30-6-82 (AN).

## The 9th July 1982

No. 35/4/82.—The President is pleased to confirm the following Officers in the grade of ADGOF Grade I/GM Grade I with effect from the dates shown against each:—

Name of the Officer S/Shri Date of confirmation

- Y. C. Subrahamanya, Offg. DDGOF/Lev.I—31sl July 1979
- C. N. Chandrasckharan, Offg. GM(SG)/Lev.I—1st September 1979
- 3. N. S. Raghavan, Offg. DDGOF/Lev.I-1st July 1980.

No. 36/6/82—The President is pleased to confirm the following officers in the grade of ADGOF Grade II/GM Grade II/Dy. General Manager with effect from the dates shown against each;—

Name of the Officer	Date of Confirmation
S/Shri	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
1, M. P. Ramamurthy, Offg.	1-4 T 1076
DDG/Lov-II	1st January 1975
2 P. S. Mani, Offg. GM/Gr. I	Ist January 1976
3. M. R. Ghosh, Offg. GM/Gr. J	Ist January 1976
4. B. L. Khurana, Offg. GM/Gr. 1	Ist January 1976
5. D. P. Chakravarti, Offg. ADG/Gr. I (Retired)	1st January 1976
6, N. pandian, Offg, GM/Gr. I	17th January 1976
7, A. J. Chandra, Offg, GM/Gr. 1	1st February 1976
8. L. C. Kalia, Offg. Dy. GM	
(Retired)	1st March 1976
9, G. B. Sanvordekar, Offg. Jt.	
GM . ,	1st April 1976
10, S.S. Rao, Offg, ADG/Gr, I	23 <sup>1</sup> d April 1976
11. C. N. Govindan, Offg. GM/Gr.1	Ist May 1976
12, R. Sundaram, Offg. ADG/Gr.	Ist May 1976
13. S. Kannan, Offg. Jt. GM	Ist September 1977
14. J. G. Jagwani, Offg. Jt. GM	Ist April 1977
15. G. N. Chaturvedi, Offg GM/Gr.I	Ist June 1977

Name of the Officer	Date of Confirmation
S/Shri	
16. V. Y. Ghaskadbi, Offg. Jt. GM	Ist September 1977
17. S. P. Batra, Offg. Jt. GM .	8th October 1977
18. R. Ramamurthy, Offg. GM/Gr. l	8th October 1977
19. C. P. Gupta, Offg. GM/Gr. 1 .	8th October 1977
20. M. K. Nair, Offg. ADG/Gr. I.	8th October 1977
21. S. S. Natarajan, Offg. GM/Gr. J	1st November 1977
22. R. A. Krishnan, Offg. Jt. GM .	1st November 1977
23. Jagjit Singh, Offg. Jt. GM	Jst January 1978
24. B. B. Dhawan, Offg. Jt. GM	Ist January 1978
25. G. Chatteriee, Offg. GM/Gr. [ ,	Ist February 1978
26. R. Easwaran, Offg. Jt. GM	Ist March 1978
27. J. M. Kawira, Offg. Jt. GM .	Ist May 1978
28. T. V. Ramakrishnan, Offg. Jt. GM	Ist June 1978
29. V. N. Pattaviraman, Offg. Jt. GM	Ist September 1978
30. V. Palanipandi, Offg. ADG/Gr.I	Ist January 1979
31, S. Manayalan, Offg. Jt. GM .	Ist April 1979
32, S. R. Sabapathy, Offg. Jt. GM.	13th June 1979
33, V. K. Mehta, Offg. ADG/Gr. 1.	31st July 1979
34. M. Narayanaswamy, Offg. Jt. GM	31st July 1979
35. A. K. Neogi, Offg. ADG/Gr. I	Ist August 1979
36, T. M. Swaminathan, Offg. Jt. GM	Ist September 1979
37, M. L. Dutta, Offg. ADG/Gt, 1.	Ist February 1980
38, K. K. Malik, Offg. GM/Gt. J	Ist July 1980

### The 13th July 1982

No. 9/82/A/E-1.—Shri Panna Lal Das, Subst. & Permtt. Assistant, Offg. Assistant Staff Officer has been declared permanently incapacitated for Government Service by the competent Medical Authority, and the D.G.O.F. has sanctioned invalid pension to him under Rule 38, C.C.S. pension Rules, 1972. Shri Das is transferred to Pension Establishment accordingly w.e.f. 28-6-82, the date on which the Medical Authority declared him permanently incapacitated for further service under Government.

C. S. GOURISHANKARAN Member/Personnel

# MINISTRY OF INDUSTRY

# DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (SMALL SCALE INDUSTRIES)

# New Delhi, the 19th July 1982

No. A-19018/611/82-A(G).—The Development Commissioner is pleased to appoint Shri S. R. Deshpande, Small Industry Promotion Officer (Chem.) SISI Bangalore as Assistant Director (Gr. II) (Chem.) at the same Institute with effect from the forenoon of 24-6-1982 until further orders.

C. C. ROY, Dy. Dir. (Admn.)

# DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

# Nagpur, the 13th July 1982

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E.11 (7), dated the 11th July, 1969, under class 2—NITRATE MIXTURE, add "KELVEX EXTRA and KELVAN EXTRA

for carrying out trial manufacture and field trials at the specified locations upto 31-12-82" before the entry POWER-FLO-1.

CHARANJIT LAL, Chief Controller of Explosives

# 1SPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG)

# GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA Calcutta-700016, the 8th July 1982

No. 4726B/A-19012(I-KVC)/79-81/19A.—Dr. K. Venkatarayachari, Assistant Geologist, Geological Survey of India is released from the services in the Geological Survey of India with effect from the afternoon of 27-4-1981 for joining his new appointment to the post of Lecturer in the University of S.V., P.G. Centre, Cuddapah.

J. SWAMI NATH, Director General Geological Survey of India

#### Calcutta-12, the 16th July 1982

No. F.9-1/82-Estt./18087.—The following Senior Zoological Assistants are hereby appointed to the rost of Assistant Zoologist (Group B) in the scale of Rs. 6'0-1200 in the Headquarters Office of the Zoological Survey of India, Calcutta, in a temporary capacity on ad-hoc basis with effect from the 31st May, 1982 (forenoon) until further orders.

- 1. Shri Biswanath Das
- 2. Shri H. C. Ghosh.

Dr. B. K. TIKADER, Director Zoological Survey of India.

# DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO (CIVIL CONSTRUCTION WING)

# New Delhi, the 15th July 1982

No. A-12011/5/82-CW.I.—The Director General, All India Radio, New Delhi is pleased to appoint the following Sectional Officers (Civil), on promotion, as Assistant Engineer/Assistant Surveyor of Works (Civil) in an officiating capacity in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/at places and w.e.f the dates shown against each:

Sl. Name & Designation No.	Place of Posting	Date from which appointed
S/Shri		
<ol> <li>K. Voeraraghavalu, ASW(C)</li> </ol>	Madras Division	3-5-82 (F.N.)
2. K. Babujanardhanan, AE(C)	Port-Blair Sub- Division Under Madras Division.	10-5-82 (F.N).

Their appointment is governed by the terms and conditions contained in the order of promotion bearing No. A-19011/14/77-CW.I, dt. 20-2-82, already issue to them.

S. M. NANDGAONKAR, Engineer Officer to CE(C

### New Delhi-1, the 15th July 1982

No. 4(16)/75-SI.—Consequent on the acceptance of her resignation Smt. K. Thulasi, Programme Executive, All India Radio, Rombay relinquished charge of the post with effect from the afternoon of 30th April, 1982.

C. L. BHASIN, Dy. Dir. of Admn. for Director General

#### New Delhi, the 17th July 1982

No. 29/8/81-SII.—Director Geneval, All India Radio is pleased to appoint Shri K. N. Yadav to officiate as Farm Radio Officer at All India Radio, KOHIMA with effect from 1-6-1982.

S. V. SESHADRI, Dy. Dir. of Adm. for Director General

# DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES New Delhi, the 14th July 1982

No. A.19019/5/79-CGHS.I.—Consequent on her marriage, Dr. (Kumari) Bani Mallick Roy, Homoeopathic Physician, Central Govt. Health Scheme, Delhi will be known as Dr. (Smt.) Bani Sarkar.

T. S. RAO, Dy. Dir. Admn. (CGHS.I)

#### BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

#### PERSONEL DIVISION

# Bombay-85, the 1st July 1982

No. Ref. PA/79(4)/80-RHI.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Sundaresan Krishnamurthy, Senior Stenographer to officiate as Assistant Personnel Officer (Rs. 650-960) in this Research Centre on an ad-hoc basis for the period from 3-5-1982 (FN) to 16-6-1982 (AN).

# The 3rd July 1982

Ref. No. PA/79(4)/80-RIII.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Ajit Ramchandra Shinde, Assistant Security Officer to officiate as Security Officer (Rs. 650-960) in this Research Centre on an ad-hoc basis for the period from 14-5-82 (FN) to 30-6-82 (AN).

Ref No. PA/79(4)/80-R-UI.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Palasseri Sethumadhavan, Assistant Security Officer to officiate as Security Officer (Rs. 650-960) in this Research Centre on an ad-hoc basis for the period from 24-5-82 (FN) to 25-6-82 (AN).

# The 7th July 1982

Ref. No. PA/79(4)/80-RIII.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Naik Jayant Vishwanath, Assistant, to officiate as Assistant Personnel Officer (Rs. 650-960) in this Research Centre on an-hoc basis for the period from 10-5-1982 (FN) to 19-6-1982 (AN).

# The 8th July 1982

Ref. No. PA/79(4)/80-RIII.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Vasant Purushottam Kulkarni, Assistant, to officiate as Assistant Personnel Officer (Rs. 650-960) in this Research Centre on an ad-hoc basis for the period from 17-5-82 (FN) to 19-6-82 (AN).

No. PA/81(5)/82-R-IV/686—The Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undormentioned officers of the Bhabha Atomic Research Centre as Scientific Officers/Engineers Grade SB in the same Research Centre with effect from the forenoon of February, 1, 1982 in an officiating capacity until further orders:—

Sl. No.	Name			Post pro	held esent	at
1	2				3	
1. Shri N. l	Padmanabhan .			SA (	— .— B)	
2. Shri R. S	S. Varadhan .	_ <u>-</u>	··	SA (	<u>C)</u>	

1 2				 3
3. Shri M. A. Shrinivas				SA (C)
4. Shri R. Rangarajan				SA (C)
5. Shri A, V, Dere				SA (C)
6. Shri A, S, Patil .				SA (C)
<ol><li>Shri R. Rajagopalan</li></ol>				SA (C)
				Foreman
9. Shri S. K. Ramachano				Foreman
10. Shri H. L. Mangalwed	lheka	r.		SA (C)
11. Shri V. A. Sathyarang	an			SA (C)
12. Shri A. N. Ramaswan	1У			SA (C)
				SA (C)
14. Shri N. Ramamoorthy	, -			SA (C)
				SA (C)
16. Smt. L. D. Nair				SA (C)
17. Shri K. N. G. Kaima	l			SA (C)
18. Shri A. A. Singh .				SA (C)
19. Shri S. N. Bindal				SA (C)
20. Shri K. B. Guhagarka	ar			SA (C)
21. Shri C. S. Tulapurkan	٠.			D'Man (C)
22. Shri S, H, Tadphale				SA (C)
23. Shri B. Yadunath				SA (C)
24. Shri V. R. Varadan				SA (C)
25. Shri A. R. Pati!				SA (B)
26. Shri L. S. Shinde				SA (C)
27. Shri J. Joseph				SA (C)
28, Smt. Jyotsna Gupta				SA (C)
29. Shri S. M. Shetty 30. Shri B. K. Mukhopad				Tradesman-D
30. Shri B, K, Mukhopac	lhyay			SA(C)
31, Shri T, Palani .				SA(C)
32, Shri V. B. Dhuru				SA (C)
33. Shri N. K. Varma			,	SA (C)
34. Shri D. R. Raut				D'Man (C)

B. C. PAL Dy. Establishment/Officer

# DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 16th June 1982

No. PPED/4(659)/75/Adm.8062.—Consequent on his appointment as Section Officer in the Department of Atomic Energy Secretariat, Shri P. B. Nair, a permanent Stenographer in Bhabha Atomic Research Centre and officiating Assistant Personnel Officer, in this Division relinquished charge of his post in this Division with effect from June 14, 1982 afternoon.

#### The 7th June 1982

No. PPED/4(707)/77/Adm./8123.—Consequent on his transfer to the Madras Atomic Power Project, Kalpakkam, Shri M. K. Iyer, Assistant Accounts Officer in this Division relinquished charge of his post in this Division with effect from the afternoon of June 8, 1982.

R, V, BAJPAI, Genl, Adm, Officer

# DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

# Bombay-400001, the 13th July 1982

No. DPS/A/32011/3/76-Est./15303.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Karuvathil Raveendran a temporary Assistant of this Directorate to officiate as an Assistant Personnel Officer (ad-hoc) in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 with effect from April 28, 1982 (FN) to June 14, 1982 (AN) vice Shri B. G. Kulkarni, Assistant Personnel Officer granted leave.

#### The 15th July 1982

No. DPS/2/12/80-Est./15366.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Vadukoot Sreedharan, a permanent Junior Storekeeper and officiating Storekeeper, to officiate as an Assistant Stores Officer (ad-hoc) in the same Directorate in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for the periods mentioned below:—

- (i) November 16, 1981 (FN) to December 6, 1981 (AN)
- (ii) April 6, 1982 (FN) to April 27, 1982 (AN)
- (iii) May 5, 1982 (FN) to June 18, 1982 (AN).

#### The 16th July 1982

No. Ref:DPS/23/5/79-Est./15526.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Wazir Chand, a permanent Storekeeper and officiating Chief Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer (ad-hoc) in the same Directorate in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from April 5, 1982 (FN) to May 28, 1982 (AN) vice Shri Arabinda Panda, Assistant Stores Officers, granted leave.

K. P. JOSEPH Administrative Officer

#### NUCLEAR FUEL COMPLEX

### Hyderabad-500762, the 13th July 1982

No. PAR/0704/1896.—In continuation of this Office Notification No. PAR/1804/1167 dated May 8, 1982, the Chief Executive, Nuclear Fuel Complex appoints Sri P. Venkata Rao, U. D. C. to officiate as Assistant Personnel Officer on adhoc basis, against a leave vacancy in Nuclear Fuel Complex from 6-6-1982 to 10-7-1982.

No. PAR/0704/1897.—In continuation of this Office Notification No. PAR/0704/1168 dated may 8, 1982, the Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Sri P. Rajagopalan, Selection Grade Clerk to officiate as Assistant personnel Officer on adhoc basis, against a leave vacancy in Nuclear Fuel Complex from 16-5-1982 to 10-7-1982.

G. G. KULKARNI Manager, Personnel & Admn.

# MADRAS ATOMIC POWER PROJECT

### Kalpakkam-602102, the 2nd July 1982

No. MAPP/3(1351)/81-Rectt.—Consequent on his selection for appointment as Accounts Officer-II, Shri M. K. Lyer a permanent Accountant and officiating Assistant Accounts Officer in the Power Project Engineering Division, Bombay has assumed charge as Accounts Officer-II in a temporary capacity in the Madras Atomic Power Project on the forenoon of June 21, 1982.

# The 17th July 1982

No. MAPP/3(1361)/82-Rectt.—Consequent on his selection for appointment as Assistant Accounts Officer, Shri C.P. Radhakrishnan, an officiating Assistant Accountant in the Heavy Water Project, Talcher is appointed as Assistant Accounts Officer in a temporary capacity in the Madras Atomic Power Project with effect from the forenoon of March 29,1982.

T. RAMANUJAM Administrative Officer for Project Director

#### HEAVY WATER PROJECTS

#### Bombay-400008, the 12th July 1982

No. 05000/S-411/3406.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Raja Kishore Sahoo, a permanent Auditor in the office of accountant General (Orissa).

Bhubaneswar, to officiate as Assistant Accounts Officer in Heavy Water Project (Talcher) on deputation basis initially for a period of 2 years w.e.f. August 5, 1981 (FN) or until further orders.

No. 05052/82/Feb/3407.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Pradip Kumar Ghosh, a temporary Scientific Assistant 'B' of Heavy Water Project (Talcher), to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB) in the same project, with effect from the forenoon of February 1, 1982 until further orders.

S. SWAMINATHAN Senior Administrative Officer

### REACTOR RESEARCH CENTRE

#### Kalpakkam, the 24th June 1982

No. RRC/PF/3768/82/8104.—The Director, Reactor Research Centre hereby appoints Shri V. Jayaraj, a permanent Upper Division Clerk of Regional Accounts Unit, Directorate of Purchase & Stores, Madras as Asstt. Accounts Officer in this Centre in a temporary capacity with effect from the forenoon of May 27, 1982 until further orders.

S. PADMANABHAN Administrative Officer

# OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 5th July 1982

No. A. 32013/8/80-EA.—The President is pleased to appoint Shri G. C. Lohar, Dy. Director of Calcutta Airport as Regional Controller of Aerodromes, Calcutta with effect from 1st July, 1982 and until further orders.

#### The 7th July 1982

No. A-32013/3/79-E.I.—In continuation of this Office Notification number A-32013/3/79-E.I. dated the 3-4-1982 the President is pleased to continue the ad hoc appointment of Sh. F. C. Sharma in the grade of Senior Scientific Officer beyond 30-4-1982 and upto 31-10-1982 or till the post is filled on regular basis whichever is earlier.

# The 17th July 1982

No. A. 32014/5/81-EA.—The Director General of Civil Aviation is pleased to continue the Ad-hoc appointment of the following Assistant Aerodrome Officers upto 31st October 1982:—

Sl. No. Name

S/Shri

- 1. L. Rajendran
- 2. I. S. Dholakia
- 3. S. W. M. Roy
- 4. Pabitra Biswas
- 5. J. Stanislaus
- 6. M. O. Qureshi
- 7. R. H. Iyer
- 8. V. Ranganathan
- 9. H. N. Trisal
- 10. G. S. Mirani
- 11. R. K. Kapoor
- 12. R. L. Roda
- A. R. Mitra
   G. C. Sarkar
- 15. R. R. Saxena
- 16. K. S. Hazare

S. GUPTA Dy. Director of Administration

# New Delhi, the 7th June 1982

No. A. 32013/2/81-EW.—In continuation of Notification No. A. 32013/2/81-EW dated the 16th September, 1981,

the President is pleased to appoint Shri R. S. Sra, Assistant Fire Officer to the grade of Fire Officer on ad-hoc basis for a further period upto 31st August, 1982 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

2. The ad-hoc appointment of Shri R. S. Sra shall not bestow him a claim for regular appointment and the service so rendered on ad hoc basis will neither count for seniority in the grade nor for eligibility for promotion to the next higher grade.

### The 12th July 1982

No. A. 32013/3/81-EW.—The President is pleased to appoint Shri R. S. Sra, Assistant Fire Officer (officiating as Fire Officer on ad-hoc basis) to the grade of Fire Officer in the Civil Aviation Department, in the scale of pay of Rs. 700-1300, with effect from the 9th June. 1982 on a regular basis and until further orders.

2. Shri R. S. Sra is posted to the office of the Regional Director, Civil Aviation Department, Calcutta.

E. L. TRESSLOR Assistant Director of Administration

#### New Delhi, the 12th July 1982

No. A. 39012/1/82-EC.—The President is pleased to accept the resignation of Shri Soumitra Sana, Senior communication Officer in the office of the Regional Controller of Communication, Aeronautical Communication Station, Calcutta Airport, Calcutta with effect from 31-5-1982 (A/N).

PREM CHAND Assistant Director of Admn.

#### OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

#### Bombay, the

No. 1/188/82-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri N. V. Padmanabhan, Assistant Administrative Officer, Headquarters Office Bombay as Administrative Officer, in an officiating capacity, in the same office with effect from the forenoon of the 1st July, 1982, and until further orders.

P. K. G. NAYAR Director (Admn.) for Director General

# COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS Madurai, the 14th July 1982

No. 3/82—The following Inspectors of Central Excise (S.G.) are appointed to officiate until further orders, as Superintendent of Central Excise, Group 'B' in the scale of pay of Rs, 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200. They have assumed charges as Superintendents in the places and on the dates noted against each.:—

SI. No.	Name of the	Officer		Place of posting	Date of assumption of Charge
S	/Sbri			<del>-</del>	
1. ]	B. Arone		•	Preventive Group. Sivakasi	27-01-1982
2. /	4. Sundararajai	ı .	-	Thiruthurai-poondi	29-01-1982
3. ]	K. Kalimuthu			Kovilpatti	30-01-1982
4.	R. Kannucham	у,		Tenkasi Range	15-02-1982
5	M. P. Mohanra	j.		Tuticorin	22-02-1982
6. I	P. Kalimuthu			Sivakasi IV Range	08-04-1982
7. :	S. Sampath .			Rameswaram	29-04-1982
8. \$	S. Sethuramalin	gam		Ramnad	28-05-1982 A.N.
9. 4	A. C. Ponnusan	ny		Tuticorin Range	02-06-1982
10.	K. Karuppiah			Palani Range	17-06-1982
11. (	C. Savriperuma	1 .		Nor'h Range, Madurai II Dyn.	17-06-1982

No. 4/82—The following Office Superintendents of Central Excise are appointed to officiate, until further Orders as Administrative Officer (Grad: 'B') on ad hoc basis in the scale of ply of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40 1200. They have assumed charges as Administrative Officer in the places and on the dates noted against each:—

SI. No,	Name of the Officer		Place of Posting	Date of assumption of Charge
	Shri	_		· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
1. A	. Abdul Latif Khan		Kovilpatti	23-01-1982
2, M	I. Subbaraman		Dindigul	03-04-1982 A.N.
3. A. Umamaheswaran			Madurai I Dvn.	06-05-1982 A.N.
4. W	/, Shanmugam		Tuticorin	14-06-1982

R, JAYARAMAN

# Kanpur, the 8th July 1982

No 1/82—Consequent upon their promotion to the grade of Superintendent of Central Excise Group 'B' in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, the following Inspectors (Senior Grade) Central Excise assumed/took over the charge of Superintendent of Central Excise Group 'B' on the dates and places mentioned against cach:—

SI. No.	Name			Place	of	posting	Date of joining				
S	/Shri					· -					
1. A	A. K. Banerjee			Bareilly	Divi	sion	2-3-1981 F. Noon				
2. 1	P. C. Saxena			Audit E Hdqrs		h e Kanpu	4-7-1981 F. Noon				
3. ]	B, P, Dixit .			Range Sitapur		<i>hit, C.E.</i> ision	10-7-1981 F. Noon				
4, ]	Nathani Ram			Kappur	Div	rision II	4-8-1981 F. Noon				
5. 1	P. C. Gupta .			Hdqrs, Kanpu		Office.	20-8-1981 F. Noon				
6. 1	M, L, Khandelwa	վ .		Aligarh	Div	ision	29-8-1981 F. Noon				
7. (	G. R. Anand			Gola Ra Sitapu		vision	9-9-1981 A. Noon				
8. 5	S. N. Kureel	•		Hdqrs, Kanpur		ce,	11-9-1981 A. Noon				
9, 8	Shanti Kumar Ve	rma .		Kanput Il	: Div	ision	26-9-1981 F. Noon				
10, 5	Sushil Kumar			Kanpur	Div	ision I	30-10-1981 F. Noon				
11.	Y. D. Towari.			Hdqrs. Kanpu		ce .	1-4-1982 F. Noon				
12.	B. R. Ahuja			Hdqrs, Kanpur		e e	7-4-1982 F. Noon				
13, ,	J. P. S. Maurya			Fatchga Divisio			12-4-1982 F. Noon				
Lakhimpur Kheri Range											
14. /	A. K. Jain .			Sitapur	Div	ision	13-4-1982 F. Noon				
15, ]	H. C. Srivastava			Kanpu	r Dv	ision I	6-5-1982 F. N oon				
	J. RAMAKRISHNAN										

#### J. RAMAKRISHNAN Collector

# MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-400038, the 17th July 1982

No. 11-TR(5)/81.—The President is pleased to accept the resignation of Shri R. Subhabrata Basu, Engineer Officer in the Directorate of Marine Engineering Training, Calcutta with effect from 18-1-1982 (Afternoon).

Dy. Director General of Shipping

#### CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110066, the 19th July 1982

No. A-19012/984/81-Estt, V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri J. R. Dewan, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engineering) on a purely temporary and ad-hoc basis in the Scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 initially for a period of six months or till the post is filled on regular basis whichever is earlier with effect from the forenoon of 5th December, 1981.

A. BHATTACHARYA Under Secy. Central Water Commission

# CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-66, the 15th July 1982

No. 22/6/81-Adm. I(B).—The Chairman, Central Electricity Authority, hereby appoints Shri Pradip Mazumdar Technical Assistant, to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group B) Service in the Central Electricity Authority in an officiating capacity with effect from the afternoon of the 9th June, 1982 until further orders.

S. BISWAS Under Secy.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
COMPANY LAW BOARD

(OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES)

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Servall Finance Private Limited

New Delhi, the 8th July 1982

No. 4373/11790.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Servall Finance Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Maira Industries Private Limited

New Delhi, the 15th July 1982

No. 3205/12226.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s Maira Industries Pvt. Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Great India Electronics Private Limited

New Delhi, 15th July 1982

No. 3224/12268.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s Great India Electronics Pvt. Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s Bagga Finance & Chit Fund Pvt. Limited

New Delhi, the 15th July 1982

No. 3641/12271.—Notice is hereby pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s Bagga Finance & Chit Fund Pvt. Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

D. N. PEGU Asstt. Registrar of Companies, Delhi In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Sadhana Fertilisers Private Limited

Bangalore, the 14th July 1982

No. 1762/560/82-83.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Sadhana Fertilisers Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s M. R. Metals Private Limited

Bangalore, the 14th July 1982

No. 3210/560/82-83.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. M. R. Metals Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Sahyadri Consultants Private Limited

Bangalore, the 14th July 1982

No. 3810/560/82-83.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Sahyadri Consultants Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Premier Carbons Private Limited

Bangalore, the 14th July 1982

No. 2827/560/82-83.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Om Investments and Chit Funds Private Limited has this day been struct off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Pestop Private Limited

Bangalore, the 14th July 1982

No. 1624/560/82.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Pestop Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Om Investment and Chit Funds Private Limited

Bangalore, the 14th July 1982

No. 1896/560/82-83.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Om Investment and Chit Funds Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Man-Jog Housing Private Limited

Bangalore, the 14th July 1982

No. 3640/560/82-83.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Man-Jog Housing Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Marine & General Services Private Limited

Bangalore, the 14th July 1982

No. 3425/560/82-83.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Marine & General Services Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Frigilators Private Limited

Bangalore, the 14th July 1982

No. 2648/560/82-83.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Prigilators Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Standard Chemicals and Wood Preservatives Private Limited

Bangalore, the 14th July 1982

No. 737/560/82-83.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Standard Chemicals and Wood Preservatives Private Limited has this day been struck on the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Sahayadri Chits (India) Private Limited

#### Bangalore, the 14th July 1982

No. 3229/560/82-83.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the exipration of three months from the date hereof the name of M/s. Sahayadri Chits (India) Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Premier Machine Tools Private Limited

Bangalore, the 14th July 1982

No. 3012/560/82-83.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s Premier Machine Tools Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck of Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Electroweigh Private Limited

Bangalore, the 14th July 1982

No. 3120/560/82-83.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Elecroweigh Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Shlvakrupa Chit Fund & Finance Company Private Limited

# Bangalore, the 14th July 1982

No. 2647/560/82-83.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Shivakrupa Chit Fund & Finance Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

Sd./- ILLEGIBLE Registrar of Companies, Karnataka

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Seth Steel Wires Private Limited

New Delhi, the 14th July 1982

No. 4893/12164.—Notice is hereby given pursuant to subsub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Seth Steel & Wircs Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

SATYENDER SINGH Asstt. Registrar of Companies Delhi & Haryana In the matter of Companies Act, 1956, and of M/s. Trust Association of Christian Institutions (In Vol. Liquidation)

Gwalior, the 15th July 1982

No. 916/Liq/1272.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Trust Association of Christian Institutions (In Vol. Liquidation) has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. K. SAXENA Registrar of Companies Madhya Pradesh

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Obul Reddy (Madras) Private Limited

Madras-600006, the 16th July 1982

No. 1945/560/82.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Obul Reddy (Madras) Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

Asstt. Registrar of Companics Tamil Nadu

# INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400020, the 14th July 1982

No. F. 48-Ad(AT)/82.—Shri S. V. Narayanan, Sr. Stenographer, Income-tax Appellate Tribunal, Hyderabad Benches, Hyderabad who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay on ad-hoc basis in a temporary capacity for a period of one year with effect from 1-6-81 to 31-5-82 vide this office Notification No. F. 48-Ad(AT)/82, dated the 4th March, 1982, is now permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay for a further period of six months with effect from 1-6-1982 to 30-11-1982 or till the post is filled up on regular basis, whichever is carlier.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri S. V. Narayanan a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

T. D. SUGLA President

# OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Lucknow, the 13th July 1982 Income-Tax Department

No. 91.—Shri Ambika Prasad Saxena, Income-tax Inspector of Lucknow charge has been promoted to officiate as Income-tax Officer (Gr. 'B') in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200. On promotion he joined as Income-tax Officer, C-Ward, Salary Circle, Lucknow in the afternoon of 14-6-1982.

No. 92.—Shri Laxmi Narain Vaish, Income-tax Inspector of Lucknow charge has been promoted to officiate as Incometax Officer (Gr. 'B') in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200. On promotion he joined as Income-tax Officer, B-Ward, Gorakhpur in the forenoon of 29-6-1982.

No. 93.—Shri Ramesh Chand Pant, Income-tax Inspector of Lucknow charge has been promoted to officiate as Incometax Officer (Gr. 'B') in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200. On his promotion he joined as Income-tax Officer, Pithoragarh in the forenoon of 22-6-1982.

DHARNI DHAR, Commissioner of Income-tax., Lucknow

#### FORM I.T.N.—

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, (43 OF 1961)

#### Shri Ami Chand S/o Net Ram R/o Vill. Bakoli, Delhi State, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jaipal Singh S/o Ami Chand R/o Vill. Bakoli, Delhi State, Delhi.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 1st July 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/11-81|6371.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agril land situated at Vill. Burari, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Nov. 1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesiad property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the ealthW-tax Act, 1357 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 6 Bighas 16 Biswas Kh. Nos. 262 (4-16), 236 (2-0) Vill. Bakoli, Delhi.

NARINDAR SINGII.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
'isi/New Delhi

Date: 1-7-1982

Seal:

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTY. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, J. P. ESTATE, NEW DELHI

Now Delhi, the 1st July 1982

Rcf. No. IAC/Acq.II/SR-II/11-81[6372.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,  $\,$ 

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land situated at Vill. Bakoli, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi on Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

23-186GI/82

 Shri Ami Chand S/o Shri Net Ram R/o Vill. Bakoli, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Surta S/o Risal R/o Vill. Bakoli, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri, land Mg. 6 Bighas 17 Biswas Kh. No. 234 (6-17), Vill. Bakoli, Delhi.

NARINDAR SINGII
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 1-7-1982

Seal:

### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st July 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/11-81|6334.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Burari, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 769D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jaswant S/o Devi Sahai R/o Vill. Burari, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Mahadevi Agarwal W/o Banarsi Lal Aggarwal and Mahobir Parshad Agarwal S/o Banarsi Lal Aggarwal R/o V&P.O. Brakar, Chowk Bazar, Distt. Bardwan (WB).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agri. land. Mg. (2-0) vide Kh. No. 46/16 and 46/25/1 area of Vill. Burari, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 1-7-1982

Seal ;

#### FORM I.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGF-II G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st July 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/11-81/6335.—Whereas, I, NARINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Burari, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908) (16 of 1968) in the office of the Registering Officer New Delhi on Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jawwant S/o Shri Devi Sahai R/o Vill. Burari, Delhi.

(Transferor)

(1) Shri Hanuman Pd. Agarwal and Sagar Mal Agarwal Ss/o Sh. Duli Chand Agarwal and Sanwar Mal Goyal S/o Om Parkash Goyal and Murari Lal Agarwal S/o Late Sh. Duli Chand Agarwal R/o V&P|O| Nirsa Chatti Juytara Road, Distt. Dhaubat (Bihar).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agri. land. Mg. (5-16) vide Kh. No. 46/16 and 46/25/1 Vill. Burari, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-H
Delhi/New Delhi

Date: 1-7-1982

Seal:

## FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st July 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/11-81|6192.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Nawada, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bhim Singh & Pokhar Ss/o Shri Har Lal R/o Vill. Nawada, Delhi.
- (2) Shri Mohan Gandhi S/o Seth Hovan Lal R/o 47 North Office Para, P.O. Hinoo, Ranchi, South Bihar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agri. land. Mg. 2 Bighas, Kh. No. 791 Vill. Nawada, Delhi,

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 1-7-1982

Seal :

# FORM I.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13, GROUND FLOOR OR BUILDING, I. P. FSTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st July 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/11-81|6193.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri, land situated at Vill. Nawada, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed heroto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at New Delhi on Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (\$1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now. therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

 Shri Bhim Singh & Pokhar Ss/o Shri Har Lal R/o Vill. Nawada, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Krishan S/o Shri Meer Singh R/o Vill. Asalatpur, Janakpuri, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agri, land Mg. 2 Bighas Kh. No. 785 (1 Bighas 3 Bis-vas), 791 (0-12 Biswas) Vill. Nawada, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 1-7-1982

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 1st July 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/11-81|6166.—Whereas, I, NARINDAR SJNGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Alipur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Sardar Singh (2) Ram Chander (3) Zile Singh (4) Munshi s/o Pyare R/o Alipur, Delhi.

(Transferor)

 M/s. K. B. B. S. Associates, 25 Deputy Ganj, S. Bazar, Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANARION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agri. land. Mg. 46 Bighas 16 Biswas Vill. Alipur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II.
Delhi/New Delhi

Date: 1-7-1982

111 | 1

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING,
J.P. ESTATE, NEW DELHI,

New Delhi, the 5th July 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/11-81/8616.—Whereas, I, NARINDAR SINGII,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

J-58, situated at Rajouri Garden, New Delhi, Village Bassal Darapur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Abhey Bhatnagar and Ajay Bhatnagar ss/o Jagdish P Bhatnagar, r/o 3006-A, A. Wazirpura, Civil Lines, Agra.

(Transferor)

(2) Shri Satish Kumar Gupta s/o Jawabar Lal Gupta, and Meena Kumari Gupta w/o Vijay Kumar Gupta, r/o N-16, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons witin a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. J-58, ing. 240 sq. yds. Rajouri Garden, New Delhi area of village Bassai Darupur, Delhi.

NARINDAR SINGH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 5-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

\_\_\_\_

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE

G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI,

New Delhi, the 5th July 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/II-81/6256.—Wherens I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

No. 7, Road No. 48, Class 'D', situated at Punjabi Bagh, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Harbhajan Kaur w/o Amar Singh Bjndra, r/o7823 Roshanara Road, Delhi as GA Shri Pritam Singh s/o Shri Lachhman Singh.

(Transferor)

(2) Shri Amar Singh Bindra s/o Jodh Singh Bindra r/o 7823, Roshanara Road, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1 undivided share of house No. 7, Road No. 48, Class 'D' Punjabi Bagh, Deihi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 5-7-1982

#### FORM I.T.N.S.—

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE. G-13 GROUND FLOOR, CR BUIL I.P. ESTATE, NEW DELHI, CR BUILDING.

> > New Delhi, the 5th July 1982

IAC/Acq. II/SR-II/II-81/6257.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

H. No. 7. Road No. 48, Class 'D'. situated at Punjabi Bagh. Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on November, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of te property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

24-186GI/82

(1) Shri Amar Singh Bindra s/o Shri Jodh Singh Bindra, r/o 7823, Roshanara Road, Delhi as Regd. GA of Shri Pritam Singh, s/o Shri Lachhman Singh. r/o as tabove.

(Transferor)

(2) Smt. Harbhajan Kaur w/o Shri Amar Singh Bindra, 1/0 7823, Roshanam Road, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/2 undivided share of house No. 7, Road No. 48, Class 'D' Punjabi Bagh, Delhi,

> NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-П. Delhi/New Delhi

Date: 5-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELLHI.

New Dolhi, the 1st July 1982

Ref. No. IAC/Acq. H/SR-II/11-81/6314.—Whereas NARINDAR SINGH.

having the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. C-33.

situated at Inderpuri, Narina, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi November, 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (o) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

(1) Smt. Daya Wati w/o Shri Amar Nath Singhal and Shri Amar Nath Singhal s/o Shri Lakhmi Chand Singhal, r/o B-12/30, Dev Nagar, Katol Bagh, New Delhi.

('Fransferor)

(2) Shri Kulwant Singh Sedhi s/o Shri Gobind Singh Sodhi, r/o A-5, Naraina, Ring Road, New Delhi and Smt. Krishna Phull w/o L. Shri Harbans Ial, r/o H. No. 136, Kartarpura, Nabha (Punjab).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULF

Plot No. C-33, Mg. 500 sq. yds. Inderpuri, Naraina, New Delhi,

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 1-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, LP. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st July 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/11-81/8582.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot H-58, situated at Bali Nagar South

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on November, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/oc
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

 Wazir Singh Dutta s/o Iqbal Singh Dutta, r/o H-58, Bali Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) S. Rajinder Singh s/o S. Labh Singh, and Smt. Gurbachan Kaur w/o S. Rajinder Singh, r/o H-58, Bali Nagar, New Deihi.

(Transferes)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

D. S. House, on plot No. H.58, mg. 150 Sq. yde. Bali Nagar area of Village Bassai Darapur, Delhi State, Delhi.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Deto: 1-7-1982

# FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI,

New Delhi, the 1st July 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/11-81/6400.—Whereas l, NARINDAR SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land,

situated at Village Najafgarh, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on November, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afordsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kuldip Kumar s/o Roshan Lal, r/o B-53, Krishna Park, Najafgarh Road, Delhi.

(2) Shri Ranjeet Kaur w/o Sant Singh, r/o C 103, Naraina Vihar, New Delhi. (Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agri. land 6 Bighas, Village Munshibad, Najafgach, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 1-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, J.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st July 1982

Ref. No. IAC/AcqII/SR-II/11-81/6300.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Agri. land situated at Vill. Najafgarh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on November, 1981

tor an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Roshan Lal s/o Shri Bishan Singh r/o Vill. Najafgath, Delhi.

(Transferer)

(2) Shri Kuldip Kumar Julkhu s/o Shri Roshan Lal Julkhu r/o B-53, Krishna Park, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 4 Bighas 16 Biswas Vill. Najafgarh, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II.
Delhi/New Delhi

Date: 1-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (47 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, J.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st July 1882

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/11-81/6301,—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Agri. land situated at Vill. Najafgarh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per sent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely —

(1) Shri Roshan Lal s/o Shri Bishan Singh r/o Vill. Najafgarh, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kuldip Kumar Julkha S/o Shri Roshan Lal r/o B-53, Krishna Park, Dolhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 4 Bighas 16 Biswas Vill. Najafgarh, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assett. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 1-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Roshan Lal s/o Shri Bishan Singh r/o Vill. Najafgarh, Delhi.

(Transferor)

(2) Shii Kuldip Kumar Julka S/o Shii Roshan Lal Julkha, r/o B-53, Krishna Park, Nujafgarh, Delhi. Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II.
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DEI.HI

New Delhi, the 1st July 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/II-81/6302.---Whereas, I. NARINDAR SINGH.

boing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have renson to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000.— and bearing No.

Agri, land situated at Vill. Najafgarh, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Acr, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 4 Bighas 16 Biswas Vill. Najafgarh, Delhi.

NARINDER SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 1-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

10796

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st July 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/11-81/6298,—Whereas, I. NARINDER SINGH

being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Agri. land situated at Vill. Holambi Khurd, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer us agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Sudhan Singh
 S/o Shri Prabhu Dayal,
 r/o VPO, Holambi Khurd,
 Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Rukmani Devi Nahata w/o Shri Harakh Chand Nahata r/o 537. Katra Neel, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 10 Bighas Vill. Holambi Khurd, Delhi.

NARINDER SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 1-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 1st July 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/11-81/6275.—Whereas, I. NARINDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to in the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land situated at VIII. Holambi Khurd, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—25—186GI/82

 Shri Dalel Singh s/o Shri Jai Ram r/o Vill. Sultanpur, Mazra, Delbi.

(Transferor)

(2) Shri V. K. Gupta s/o Lala Raghubeer Saran r/o 1, Shankaracharya Marg, Civil Line, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 15 Bighas 13 Biswas i.e. 7 Bighas 164 Biswas bearing Khasra Nos. 30/20, (4-07) 21 (4-11), 31/25 (4-16), 53/5/1 (1-00), 54/1/1(0-19) Vill. Holambi Khurd, Delhi

NARINDER SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 1-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING. LP. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 1st July 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/11-81/6376.—Whereas I, NARINDER SINGH

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri, land situated at Khera Khurd, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

New Delhi on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Lakshmi Narain

1/0 Shri Ram Chander

1/0 Vill. Khewra, Distr. Sonepat

(Haryana) and

Shri Uttam Chand

1/2 Shri Mool Chand

1/2 0 2975. Tri Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Siri Bhagwan s/o Shri Roop Chand r 'o Vill. & P.O. Badli. Delbi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gozette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri. land Mg. (21-4) vide Khasra Nos. 124/9, 10, 12 min. 125/67 min area of Vill. Khera Khurd, Delhi.

NARINDER SINGH
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II.
Delhi/New Delhi

Date: 1-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER

### OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II,

New Delhi, the 1st July 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II '11-81/6272,—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri, hand situated at Viil. Molanmbi Khard, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Deihi on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than diffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shei Chander Bhan r/o Vill. Sultanpur Bazra, Delha. r/o Vill. Sultanpur Bazra, Delha.

(Transferor)

(2) Shri V. K. Gupta s/o Lala Raghubeer Saran r/o 1, Shankaradhaya Marg. Cjvil Line, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 15 Bighas 13 Biswas i.e. 7 Bighas 161 Biswas bearing Khasra Nos. 30/20 (4-07) 21 (4-11), 31/25 (4-16) 53 5/1 (1-00) 54/1/1 (0-19) Vill. Holambi Khurd, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-It.
Delhi/New Delhi

Date: 1-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE

#### NEW DELHI

New Delhi, the 1st July 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/11-81/6338.—Whereas, 1, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Burari, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Kalu, Kanwal Singh ss/o Shri Mangtu r/o Vill, Burarl, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Sarti Devi Aggarwal w/o Pokar Mal Aggarwal and Shiv Kumar Aggarwal s/o Shri Pokar Mal Aggarwal r/o 522 Lohri Gate, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agri, land Mg. 1 Bigha 5 Biswas Mustatil No. 94, Killa No. 4, 6, Vill. Burari, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 1-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 O) 1961)

(1) S/Shri Sham Lal and Gopl Chand, ss/o Shri Lurind Chand r/o 147 Hakikat Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Northern Agriculture & Stud Farms (Regd.). (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELFI

New Delhi, the 1st July 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/11-81/6356.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Bustari, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—'The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri, land Mg. (4-16) Kh No. (135/22) 135/3/4 Vill. Burari, Delhi.

NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-Il Delhi/New Delhi

Date: 1-7-1982

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 1st July 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/11-81/6349.---Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land situated at Vill. Amberhali, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Sis Ram and Daulat Ram sa/o Shri Net Ram r/o Amberhai, Delhi State, Delhi.

(Transferor)

(2) Sint. Veena Kakkar w/o Shri Hardev Kakkar B-1/632 Janakpuri, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri, land Mg. 10 Bighas 8 Biswas Vill. Amberhai, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 1-7-1982

on November, 1981

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Sudhan Singh s/o Shri Prabhu Dayal, r/o Holambi Khurd, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Harakh Chand Nahata s/o Shri Prabhu Dayal, r/o 537 Katra Neel, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, I. P. ESTATT, NEW DELHI

New Delhi, the 1st fuly 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/11-81/6350.—Whereas, I, NARINDER SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Hulambi Khurd, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1998) in the office of the Registering Officer at New Delhi

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the said

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

#### THE SCHEDULE

Agri. land 10 Bighas 2 Biswas Vill, Holambi Khurd, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
\text{\cquisition Range-II,}
Delhi New Delhi

Date: 1-7-1982

#### 10804 THE GAZETTE OF INDIA, AUGUST 7, 1982 (SRAVANA 16, 1904)

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Om Parkash Tancja s/o Shri Bhola Ram Taneja r/o 4/37, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

PART III-SEC. 1

(2) S/Shri Shiv Kumar Sharma & Kailash Chand Sharma ss/o Late Shri Giasi Ram r/o 313/101-D Tulsi Nagar, Old Rohtak Road, Delhi,

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. FSTATE. NEW DELHI

New Delhi, the 1st July 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/11-81/6308,--Whereas I. NARINDAR SINGH.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House on plot No. 1 Block E situated at Bhagwan Dass Nagar, Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by transferce for the purposes of the India Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms expressions and used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House on plot No. 1, Block E, Mg. 243 Sq. yds. Bhagwan Dass Nagar, Delhi.

> NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:--

Date: 1-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, LP. ESTATE, NEW DELHI,

> > New Delhi, the 1st July 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/11-81/8611.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

5-D, situated at Old Gupta Colony, Polo Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at November, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
26—186GI/82

 Shri Manjit Singh s/o Shri Ram Singh, R/o 5-D Polo Road, Old Gupta Colony, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri A. D. Ahuja s/o Shri R. N. Ahuja, r/o A-23, Vijay Nagar, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and texpressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

H. No. 5-D Old Gupta Colony, Polo Road, Delhi Mg. 150 Sq. Yds.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 1-7-1982

FORM I.T.N.S.-

(1) Harbans Kaur r/o WZ-8C Mahabir Nagar, New Dc/hi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961) (2) Manjit Singh, S. Tajinder Pal Singh, S. Ravinder Singh & Smt. Iaswant Ksur n/o 165-A DDA Flats, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI,

New Delhi, the 1st July 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/11-81/6177.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

WZ-228, situated at Fatch Nagar, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in November, 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said, to the following persons, namely:—
25—166 GI[82]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. WZ-228 on plot No. B-215  $M_{\rm E}$ . 176 sq. vds. Fateh Nagar, New Delhi.

NARINDAR SINGII
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 1-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI New Delhi, the 1st July 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/11-81/6368.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Agri. land, situated at Village Bakoli, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi, November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shr Aimi Chand s/o Net Ram, r/o Village Bakoli, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Indrawati w/o Kanvar Bhan, r/o KD-4A, Ashbk Vihar, Phase-I, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri. land 5 Bighas 17 Biswas, Kh. No. 462(3-17), 463 min. (2-0), Village Bakoli, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 1-7-1982

# FORM NO, I.T.N.S.-

(1) Sh. Beg Raj S/o Sh. Kalu, R/o VPO Holambi Kalan, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jagjit Singh S/o Sh. Ram Sarup, R/o VPO Holambi Kalan, Delhi.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

UFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING. I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st July 1982

Ref. No. IAC/Acq-Il/SR-II/11-81/6422.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Holambi Kalan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disvlosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 17 Bighas 13 Biswas Vill. Holambi Kalan, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME--TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Sh. Kuldip Singh S/o S. Malik Singh, R/o WZ-63, Vishnu Park, New Delhi.

(2) Shri Mahinder Singh S/o Shri Hans Raj Gandhi, R/o D-30, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st July 1982

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-II/11-81/6406.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. C-44 situated at Fateh Nagar, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at New Delhi on Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any icome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. C-44, Mg. 165 sq. yds. at Fatch Nagar, New Delhi Vill. Tehar, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 1-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATF, NEW DELHI

> > New Delhi, the 1st July 1982

Ref. No. 1AC/Acq-II/SR-II/11-81/6273.—Whereas, J, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Holaumbi Khurd, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering

Officer at

New Delhi on Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Dalael Singh S/o Sh. Jai Ram, R/o Vill. Sultanpur Mazra, Delhi State, Delhi, (Transferor)
- (2) Sh. Sharad Jain S/o Shri Shanti Sagar Jain, R/o 9, Court Road, Civil Lines, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Half share land Mg. 13 Bighas 6 Biswas i.e. 6 Bighas 18 Biswas Vill. Holaumbi Khurd, Delhi, 31/8(4-16) 9(3-3) 12(1-7) 13(4-0).

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 1-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st July 1982

Ref. No. IAC'/Acq-II/SR-II/11-81/6362.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. B-327, situated at Hari Nagar, Plot No. B-327, Kh. No. 4005 & 4010.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Janki Devi wd/o Shri Harbans Lal, R/o 17/4, Tilok Nagar, Main Market, New Delhi her self and as G.A. of (1) Shri Ramesh (2) Shri Satish Chand (3) Shri Yash Pal (4) Lata etc. (Transferor)
- (2) Sh. Yog Raj S/o Shri Piarc Lal, R/o B-327 Hari Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. B-327, Hari Nagar, New Delhi Mg. 220 sy. yds. Plot No. B-327 of Khasra No. 4005 & 4010.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 1-7-1982

#### FORM I.T.N.S. --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

> > New Delhi, the 1st July 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/11-81/6271.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the unmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 15-B situated at Hari Nagar, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Ashok Kumar as GA of Sh. Rattan Lal, R/o B/276. Hari Nagar, New Delhi,
- (2) Shri Joginder Pal Kohli S/o Kharaiti Lal Kohli R/o B/276, Hari Nagar, New Delhi.

  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 15-B, Mg. 220 sq. yds. Kh. No. 1978 and 1989, Abadi Hari Nagar area of Vill. Tehar, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 1-7-1982

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DFLHI

> > New Delhi, the 1st July 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/11-81/6299.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 1/69 situated at Punjabi Bagh, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay than under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings or the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

37—186GI/82

(1) Sh. Shri Ram Trehan S/o Late Bhagat Ram Trehan, Smt. Mohini Trehan w/o Sh. Shri Ram Trehan, R 'o 27-B/4, New Rohtak Road, New Delhi.

('Transferor)

(2) Sh. Virender Kumar S/o Dr. Mohan Laf, R/o 4/69, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Traneferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 1/69, Mg. 364.85 sq. yds, in Punjabi Bagh, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 1-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

> > New Delhi, the 1st July 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/11-81/8598.—Whereas, J, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 35/3 situated at East Patel Nagar, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 (1) (1) Smt. Khilo Bai w/o Shri Chaman Lal
 (2) Smt. Santosh Nangia w/o L. Sh. Lakhmi Chand
 (3) Shri Shiv Lal Nanda s/o Shri Sunder Dass R/o 6A/68, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi as GA of Smt. Kamlesh Kumari.

(Transferor)

((2) Sh. Ramesh Chander Nanda S/o Shri Shiy Lal Nanda R/o 35/3 East Patel Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 35/3, East Patel Nagar, New Delhi,

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 1-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE. G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 1st July 1982

IAC/Acq.II/SR-1/11-81/8612.—Whereas No. NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Plot No. B-36/8 situated at G. T. Karnal Road Industrial

Area, Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on Nov. 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

1. Shri Ram Parkash Monga s/o Kesar Dass Monga of M/s Monga Perfumery & Flour Mills B-36/8 G. T. Karnal Road Indl. Area, Delhi.

(Transferor)

2. Shri Krishan Gopal Monga & Vilay Kumar Monga sons Ram Parkash Monga r/o B-36/8, G. T. Karnal Road Indl. Area Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

2/3rd share of Plot No. B-36/8, G. T. Karnal Road Industrial Area, Delhi Mg. 414 sq. yds.

> NARINDAR SINGH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II. Delhi/New Delhi

Date: 1-7-1982

(1) Shri Ami Chand s/o Het Ram r/o Vill. Bakoli, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Asha Singla w/o Satihs Kumar Singla, r/o Kothi No. 2, Singha Sabh Road, Delhi.
(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

ÖFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st July 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/11-81/6367.—Whereas I. NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing Agri. land situated at Vill. Bakoli, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Nov. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1557);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri. land. Mg. 4 Bigha 16 Biswas Kh. Nos. 461 (4-15), Delhi Vill. Bakoli, Delhi,

NARINDAR SINGII
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II.
Delhi/New Delhi

Date: 1-7-1982

#### FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st July 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/11-81/6369,---Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Agri. land situated at Vill. Bakoli, Delhi

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Nov. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reducation of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1952 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ami Chand s/o Het Ram r/o Vill. Bakoli, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Krishna Devi w/o Nand Kishore r/o No. 4/ 36, Roop Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

may be made in writing to the undersigned:—456/2(3-2) Vill. Bakoli, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II.
Delhi/New Delhi

Date: 1-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) on Nov. 1981

- (1) Shri Zile Singh s/o Dalip Singh r/o Alipur, Delhi.
  (Transferor
- (2) Shri Kanwar Bhan s/o Manohar Lal r/o K-D-4A, Ashok Vihar, Delhi, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st July 1982

Ref. No. IAC/Acq.]I/SR-II/11-81/6245.—Whereas, I, NARINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land situated at Vill, Bakoli, Delhi

(and more fully described in the schedule annexed here(o), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on 1-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri, land Mg. 4 Bighas 2 Biswas Vill. Bakoli, Delhi.

NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-7-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st July 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/11-81/6246.—Whereas, I, NARINDER SINGH,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri, land situated at Vill, Bakoli, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Fateh Chand, Hukmi sons of Ram Sarup; 2. Raj Roop s/o Sikhan r/o Vill. Alipur, Delhi. (Transferor)
- (2) Shii Kanwar Bhan s/o Manohar Lal, r/o Ashok Vihar, Chander Parkush & Ashok Kumar sons of Som Parkush etc. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri. land Mr. 6 Bighas 5 Biswas Vill. Bekoli, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commisioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 1-7-82

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st July 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/11-81/6247,--Whereas, I. NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri, land situated at Vill, Bakoli, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-fax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kali Ram s/o Ram Prashad r/o Alipur, Delhi.
  (1) Shri Kali Ram s/o Ram Prashad r/o Alipur, Delhi.
- (2) Shri Kanwar Bhan s/o Manohar Lal r/o K-D4A, Ashok Vihar, Delhi, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 6 Bighas 2 Biswas Vill. Bakoli, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 1-7-82

### FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATF, NEW DELHI

New Delhi, the 1st July 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/11-81/6248.—Whereas, INARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land situated at Vill. Bakoli, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeraid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
28—186GI/82

(1) Shri Kishan Chand s/o Sher Singh r/o Vill. Alipur, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kanwar Bhan 5/0 Manohar Lal r/0 K-D4A, Ashok Vihar, Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 4 Bighas 16 Biswas Vill. Bakoli, Delhi .

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 1-7-82

### FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st July 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/11-81/6251.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing

Agri. land situated at Vill. Bakoli, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforenaid property by the Issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bhane s/o Bansi & Hari Singh s/o Ram Pershad r/o Vill, Alipur, Delhi.

  (Transferor)
- (2) Shri Kanwar Bhan s/o Manchar Lal r/o K.D-4A, Ashok Vihar, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri, land Mg. 7 Bighas 9 Biswas Kh. Nos. 409, 410 & 411 Vill. Bakoli, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 1-7-82

in Nov. 1981

## FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTIIN 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND I-LOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st July 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/11-81/6252.—Whereas, I. NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Agri. land situated at Vill. Bakoli, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfrreed under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Zile Singh s/o Dalip Singh, Kishan Singh s/o Sher Singh, Karam Singh s/o Roshan Vill, Alipur, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kanwar Bhan s/o Manohar Lal r/o Ashok Vihar, Delhi, 2. Chander Parkash, Ashok Kumar sons of Som Perkash, r/o Teli Wara, Delhi, (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri, land Mg. 6 Bighas 9 Biswas Vill, Bakoli, Delhi,

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 1-7-82

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st July 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/11-81/6207.—Whereas, 1, NARINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1691 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

H. No. 12, Road, No. 3, situated at East Punjabi Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Nov. 1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appartent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consoderation for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shii Narinder Kumar Khanna s/o Ram Gopal Khanna, r/o 12/3, East Punjabi Bagh, New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. Sarup Chand Eardia & Son, HUF through & M/s. Sagar Mal Bardia & Son HUF through its Karta Sh. Sagar Mal Bardie, D-6, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

S. S. house No. 12, Road No. 3, East Punjabi Bagh, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquiistion Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 1-7-82

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE PACOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IJ, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st July 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/11-81/8597.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'); have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 168 situated at XII Prem Nagar Subzi Mandi, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed here), has been transferred under his Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Dethi on Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said, Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said, Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to hte following persons, namely:—

- (1) Shri Viran w/o Kishan Chand 1/o 7309/5, Gali No. 1, Prem Nagar Opp. Shakti Nagar, Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Asarfi Devi w/o Har Pershad r/o 433, Gali Robin Cinema Subzi Mandi, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforested persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House built on plot No. 168 XII Prem Nagar Subzi Mandi, Delhi,

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 1-7-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st July 1982

Ref. No. IAC/Ac.II/SR-II/11-81/ $\epsilon$ 291.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

A-12 situated at Krishna Park, Najafgarh Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: —

(1) Shri Mahabir Pd. Gupta 8/0 Jug Lal r/0 L-12, Kidar Building, Subzi Mandi, Delhi.

(Transferor)

 Smt. Ram Kali w/o Ramesh Chander r/o 30/15, Punjabi Bagh, New Delhi.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. A-12, Krishna Park on Najafgarh Road, Delhi Mg. 201.9 sq. yds.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 1-7-82

#### FORM ITNS----

(1) Shri Mauge Ram & Suraj Bhan ss/o Chandgi Ram both r/o VPO Gheora, Delhi. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Ram Kaur w/o Mange kam & Chitro Devi w/o Suraj Bhan r/o VPO Gheora, Delhi. (Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th July 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/11-81/6278.—Whereas, I. NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Gheora, Delhi (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namley:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 19 Bighas 18 Biswas Kh. No. 45/21, 57/20, 21, 22, 244/1, 676/1 & 751 of Vill. Gheora, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II.
Delhi/New Delhi

Date: 12-7-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

10828

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 12th July 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/11-81/6200.—Fhereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here-inafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill Saft Pur Ranhola, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Darya & Maya Ram sons of Surta both r/o VPO Ranhola, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Saraswati Mishra w/o Govind Chandra Mishra r/o New Rausapatna, Cuttack-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 14 Bighas 8 Biswas Vill. Safi Pur, Ranhola, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 12-7-1982

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Naisee s/o Jhunda r/o Vill. Mundka, Delhi. (Transferor)

(2) Shri Nand Lal 5/0 Devi Ditta Ram, Ram Khuram s/0 Ram Nain r/0 1159 Ram Bagh, Shakurbasti, Delhi. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th July 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-81/11-81/6263.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agri, land situated at Vill, Mundka, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi and bearing No.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferffi and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

29-186GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested ni the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agri, land Mg. & 7 Bigha 2 Biswas Vill. Mundka, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 12-7-82

#### FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th July 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/11-81/6199.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Agri. land situated at Vill. Ranhola, Delbi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on Nov. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Darya & Maya Ram ss/o Surta, r/o Vill. VPO Ranhola, Delhi.
- (Transferor)
  (2) Smt. Saraswati Mishra w/o Govind Chandra Mishra r/o New Rausapatna, Cuttack-1.
  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 14 Bighas 8 Biswas Vill. Ranhola, Delhi.

NARINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 12-7-82

#### FORM I.T.N.S.-

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE,

G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th July 1982

Ref. No. 1AC/Acq.II/SR-II/11-81/6253.—Whereas INARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing No. Agri. land situated at Vill. Burari, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Nov. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kalum, Kanwal Singh sons of Mangtu r/o Vill. Burari, Delhi,

(Transferor)

(2) Smt. Ram Sarti Devi w/o Ram Chander Aggarwal and Smt. Bhagwani Devi w/o Raghu Nath Parshad Aggarwal r/o 522, Lohri Gate, Delhi.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 1 Bigha 5 Biswas part of Mustatil No. 94, Killa No. (4-6) in Vill. Burari, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 12-7-1982

Seal ·

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th July 1982

Ref. No. IAC|Acq. II|SR-II|11-81|6396.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'suid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agri. land situated at Village Rajpur Khurad, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on November, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jai Bhagwan s/o Prabhu Dayal R/o Vill. Tajpur Khurd, Najafgarh, Delhi. (Transferor)
- (1) Smt. Swaran Kanta Kakkar w/o Ishar Das Kakkar r/o A-36, Mahabir Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri, lan' Mg. 14 Bigha 16 Biswas Rect, No. 17/14/2, (2-0) Killa No. 17 min, (2-16) Vill. Tajpur Khurad, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 12-7-1982

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### **GOVERNMENT OF INDIA**

(1) Raghbir s/o Munshi & Baljit s/o Munshi, r/o Village Kashopur, Delhi.

(Transferor)

(2) Rameshwar Tyagi s/o Dalip and Rishi Pal Tyagi s/o Om Prakash, r/o Village Bodhela, Delbi

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th July 1982

Ref. No. IAC/Acq. U/SR-II/11-81/6259.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agri. land, situated at Village Razapur Khurad, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on November, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 12 Bigha 18 Biswas, Village Razapur Khurd, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 12-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

10834

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

> > New Delhi, the 12th July 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/11-81/6201.—Wheraes, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agri. land, situated at Village Ranhola, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on November, 1981,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Darya & Maya Ram, ss/o Surta, r/o Ranhola, Delhi.

(Transferor)

(2) Jagdish Chander Bhardwaj s/o Pyare Lal Sharma, VPO Nangloi, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 7 Bighas 4 Biswas of Village Ranhola,

NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 12-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sohan Pal Singh adopted s/o Smt. Chander Wati wd/o Late Shri Chhajju Singh, r/o 3744. Pahari Dhiraj, Delhi

(Transferor)

(2) Anil Kant Saini s/o Karan Singh Saini, DI/22 Model Town, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th July 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-Π/11-81/6148,—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Agri. land, situated at Village Alipur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 16 Bighas and 13 Biswas, Village Alipur. Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 12-7-1982 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

> > New Delhi, the 12th July 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/11-81/6183.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing Agri. land,

situated at Village Bakerwala, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in November, 1981,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Ram Karan s/o Sheo Chand, r/o Village Bakerwala, Delhi.

(Transferor)

(2) Mahabir & Suresh ss/o Ranbir Singh, r/o Village Bakerwala, Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sain property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agri. land. Mg. 66 Bighas 5 Biswas, Village Bakerwala, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 12-7-1982

#### FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

> > New Delhi, the 12th July 1982

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-II/11-81/6221,—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and hearing No.

Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land, situated at Village Gheora, Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi in November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—30—186GI/82

 Shri Mange Ram & Suraj Bhan s/o Chandgi Ram, both r/o VPO Ciheora, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ganga Bishan s/o Kali Ram, Jagadish Chand s/o Devi Ram, both r/o E-38, Rajouri Garden, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 8 Bighas 10 Biswas Kh. Nos. 80/9/2, 12 of Village Gheora, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 12-7-1982

#### FORM I.T.N.S.---

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th July 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/11-81/8606.—Whereas I NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. C/16-B, situated at Adarsh Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Raj Rani w/o T. C. Verma, r/o 18/37 Shakti Nagar, Delhi, through S. Rajinder Singh, s/o S. Kirpal Singh, F 14/28 Model Town, Delhi GA vide registered GA dt. 12-2-1974.

(Transferor)

(2) M/s. Sucha Khand Soap Factory, C/16-B Acharya Kirplani Road, Adarsh Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. C/16-B, Adarsh Nagar, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 12-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GRUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th July 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/11-81/6392.—Whereas I NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Scetion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land, situated at Village Ghewora, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of T908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Slri Kishan & Balbir Singh Sa/o Sobha Chand r/o Village Ghewra, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sobha Chand s/o Shiv Chand, r/o Village Ghewra, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri. land, Mg. 10 Bighas 7 Biswas, Village Ghewra, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 12-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# both r/o VPO Gheora, Delhi.

Chandgi Ram,

(1) Shri Mange Ram & Suraj Bhan Ss/o

(Transferor) (2) Shri Mange Ram & Roshan La Ss/o Nanha Ram both r/o A-71, Rajouri Garden, Delhi. (Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

> > New Delhi, the 12th July 1982

No. IAC/Acq. II/SR-II/11-81/6220.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000 - and bearing

Agri. land, situated at Village Gheora, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agri. and Mg. 4 Bighas 4 Biswas, Kh. No. 80/8/3 and 13/1 Village Gheora, Delhi.

> NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 12-7-1982

(1) Shri Yad Ram s/o Budha, r/o Village Hastal, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shyam Lal s/o Asa Ram, r/o 159 Kaziwati Palwal, Distt. Faridabad (Haryana).

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th July 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/11-81/6175.—Whereas NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing Agri. land, situated at Village Hastal, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on November, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 4 Bigha 16 Biswas, Kh. No. 74/11/2, 74/9/1 of Village Hastal, Delhi.

NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 12-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISTTION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

> > Now Delhi, the 12th July 1982

IAC/Acq. II/SR-II/11-81/6277.—Whereas I, Ref. No. NARINDAR SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agri. land, situated at Village Libaspur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Shri Ranbir Singh s/o Sohan Lal, and Shitaj Singh e/o Chet Ram, r/o Village Libaspur, Delhi.

(Transferor)

7 (2) Shri Rajesh and Rakesh Ss/o Ranvir Singh, r/o Village Libaspur, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other-persons interested in the said immovable preperty within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 2 Bighas, Village Libaspur, Delhi.

NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date: 12-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-U, G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th July 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/11-81/6241.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Agri. land,

situated at Village Prehlad Pur Banjer, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Hoshlar Singh s/o Mam Chand, Sardar Singh s/o Sehat Ram, Surinder Singh, Ishwar Singh, Sagbir Singh, Smt. Bala, Rajesh s/o Kartar S. Surjeet, all r/o VPO Prehladpur Banjer, Delhi, (Transferor)
- (2) Bimla Devi w/o Nand Ram, r/o 2098 New Mandi area Narela Mandi, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 1 Bigha 12 Biswas, Kh. No. 45/24-25) of Village Prehladpur Banger, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Runge-II, Delhi/New Delhi

Date: 12-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, 1.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th July 1982

Ref. No. IAC/Acq. Π/SR-II/11-81/6339.—Whereas 1, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agri. land cituated at Village Pehlad Pur Bangar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New New Delhi on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the efforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Hoshiar Singh s/o Mam Chand, Sardar Singh s/o Schat Ram, Surinder Singh, Ishwar Jagbir Singh s/o Kartar Singh, Raj Bala, Vidhya, Rajesh d/o Kartar Singh, Smt. Surjo w/o Kartar Singh, all r/o Pehladpur Bangar, Delhi.

(2) Brij Mohan Gupta s/o Sohan Lal Gupta, r/o Village Charkhi Dadri, Distt. Bhiwani, Haryana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 6 Bighas 2 Biswas, Kh. No. 45/24, 52/4, of Village Pehladpur Bangar, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 12-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 12th July 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/11-81/6363.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referrde to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

Agri. land situated at Vill. Siraspur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Ast in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said. Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

31-186GI|81

(1) Shri Laxmi Narain Sharma 8/o Shri Ramji Lal r/o A-229, Shastri Nagar Delhi as GA of S/Shri Ramanand and Roop Chand ss/o Shri Budha r/o Vill. Siraspur, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Gulshan Rai s/o Shri Nand Lal r/o C-88, Shivaji Park near Road No. 40, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given, in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 1 Bigha 8 Biswas (1400 sq. yds) Kh. No. 214 Vill. Siraspur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 12-7-1982

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th July 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/11-81/6279.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing Agri. land situated at Vill. Siraspur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1911 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Laxmi Narain Sharma s/o Shri Ramji Dass r/o A-229, Shastri Nagar Delhi

(Transferor)

 Shri Om Parkash Sharma s/o Shri J. S. Sharma, C-26, Hari Nagar, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 1 Bigha and 111 Biswas Kh. No. 39 at Vill. Siraspur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 12-7-1982

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-FAX,
ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 12th July 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/11-81/6331.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land situated at Vill. Siraspur, Delhi

(and more fully described in hte Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on November, 1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Jagormal Singh
 Shri Khazan Singh
 Vill. Haiderpur, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Jagjit Kaur w/o Kartar Singh, r/o 9199, Gali No. 4, Multani Dhanda, Paharganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri, land Mg. 1 Bigha and 3 Biswes Vill. Siraspur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Daet: 12-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 12th July 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/11-81/6330.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land situated at Vill. Siraspur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jagmal Snigh s/o Shri Khazan Singh r/o Vill. Haiderpur, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Jagjit Kaur w/o S. Kartar Singh r/o 9199 Gali No. 4, Multani Dhanda, Pahar Ganj, Delbi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 1 Bigha and 3 Biswas (1145 sq. yds.) Kh. No. 612, Vill. Siraspur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 12-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, 1.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 12th July 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/11-81/6342.—Whereas, I. NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Ra. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Siraspur, Delhi has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating of concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Shri Laxmi Narain Sharma s/o Shri Ramni Lal r/o A-229, Shashtri Nagar, Delhi as GA of S Shri Ramanand and Shri Roop Chand, ss/o Shri Budha r/o Vill. Siraspur, Delhi.

(Transferor)

(2) S/Shri Naresh Kumar and Arun Kumar ss/o Shri Krishan Lal Kapoor r/o B-23, G.T. Karnal Road, Industrial Area, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 1 Bighas (1000 sq. yds,) Kh. No. 214, Vill. Siraspur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 12-7-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th July 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/11-81/6343.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land situated at Vill. Siraspur, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Laxmi Narain Sharma s/o Shri Ramji Lal r/o A-229, Shashtri Nagar, Delhi as a GA of S/Shri Ramanand and Roop Chand S/o Shri Budha Batt, r/o Vill. Siraspur, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Surender Sonis/o Shri Jagir Chand Sonir/o 18/3 Shakti Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisitoin of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 1 Bighas and 10 Biswas Kir. No. 214, Vill. Siraspur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 12-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 12th July 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/11-81/6237.—Whereas, I NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Siraspur, Delbi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ramesh Yadav

s/o Shri Amir Singh

r/o Vill. Libaspur, Delhi

on behalf of S/Shri Zile Singh,

Tarif Singh and Smt. Ramo

sons and d/o Shri Prem

r/o Vill. Siraspur, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Bimla Gupta w/o Shri Krishan Dev Aggarwal r/o J-185, Paschim Vihar, New Delhi...

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 800 sq. yds. Kh. No. 560 Vill. Siraspur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 12-7-1982

## FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th July 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/11-81/6238.—Whereas, I, NARINDAR SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Siraspur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on Nov., 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ramesh Yadav 8/0 Shri Amir Singh r/0 Vill. Libaspur, Delhi on behalf of S/Shri Zile Singh and Tarif Singh 8/0 Shri Prem r/0 Vill. Siraspur, Delhi.

(Transferor)

 Shri Hazari Lal Mittal s/o Shri Pali Ram Mittal r/o H. No. 26/18, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 1 Bigha, Kh. No. 629, Vill. Siraspur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 12-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(Transferor)

(2) Shri Krishan Dev Gogna s/o Shri Hans Raj Gogna r/o EA-78, Inderpuri Colony, New Delhi.

(1) Shri Hans Raj Gogna 5/0 Shri Nand Lal Gogna

r/o EG-19, Inderpuri, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th July 1982

Ref. No. IAC/Acq.Π/SR-II/11-81/6345.--Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. EA-78, situated at Khasra No. 1610, Inderpuri Colony, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter. XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Half portion of house No. EA-78, Kh. No. 1610 Vill. Naraina, Inderpuri Colony, New Delhi.

> NARINDAR SINGH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
> Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:-32-186GI/82

Date: 12-7-1982

#### FORM ITNS----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th July 1982

Ref. No. IAC/Acq.II.'SR-\u00e4I/11-81/6227.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Agri, land situated at Vill. Burari, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Charu s/o Shri Lala 1/o Vill. Butari, Delhi.

(Transferor)

(2) S/Shr Riatti Ram and Mithan ss/o Shri Ganga r'o Vill. Burari, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri, land Mg. (14-8). Mustatil No. 109 Killa Nos. 2(4-16), 9(4-16) and 12(4-16) area of Vill. Burari, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 12-7-1982

Shal:

### FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

 Shri Jaswant s/o Shri Devi Sahai r/o Vill. Burari, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Karan Dutt Sharma s/o Shri Magtu Ram Sharma r/o 7/A, Babu Lal Lane, Calcutta.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 12th July 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/11-81/6205.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri, land situated at Vill. Burari, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Dealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapater XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri, land Mg. 2 Bighas 2 Biswas Mustatil No. 46, Killa Nos. 24 & 17, Vill. Burari, Delhi.

NARINDAR SINGIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 12-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FI.OOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th July 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/11-81/6206.—Whereas, 1, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Burari, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi

New Delhi on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Jaswant s/o Shri Devi Sahai r/o Vill, Burari, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Nand Lal Aggarwal s/o Shri Bashaser Lal τ/o 157, Netaji Subhash Road, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 6 Bighas Mustatil No. 46, Killa No. 24 and 17, Vill. Burari, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi|New Delhi

Date: 12-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, 1.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 12th July 1982

Ref. No. IAC/AcqII./SR-I/11-81/8571 —Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Incorne-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 9662-B Islamganj, Library Road situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Azad Market, Delhi

New Delhi on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesuid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as a meed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Shanti Devi Premwani w/o Bhagwan Dass Premwani H. No. 9662-B, Islam Ganj, Library Road, Azad Market, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ajay Arora s/o Shri Ram Pal Arora r/o 9665/66 Islamganj, Library Road, Azad Market, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

21 storeyed house No. 9662-B, Islamgani, Library Road, Azad Market, Delhi.

> NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rango II Delhi/New Delhi

Date: 12-7-1982

FORM NO. LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING 1. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th July 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/11-81/6152.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agri, land situated at Vill, Buraci, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on November 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration. •therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Ram Dutt s/o Khacheru r/o Vill. Burari, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Joginder Singh son of Jaswant Singh r/o M/s Golden Automobile, 377, V. P. Road, Bombay Fort.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the under signed:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agri, land Mg. (1-0) Bigha Kh. No. 622 Vill. Burari, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 12-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th July 1982

Rcf. No. IAC/Acq.II/SR-II/10-81/6379.—Whereas, I, NARINDAR SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. Agri. land situated at Vill. Salcempur Mazra Burari, Delhi.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at

Delhi on November 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Tika s/o Kuce r/o VPO Burari, Delhi,
  (Transferor)
- Shii Gajinder Singh s/o Harnam Singh, r/o Λ-32, Rameshwar Nagar, Azadpur, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agri. land. 5 Bighas 7 Biswas Kh. No. 29/5 Vill. Saleem, Pur Mazra, Burari, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 12-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th July 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/11-81/6244.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. Agri. land situated at Vill. Bakoli, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on November 1981.

for an apparent consideration which is less than, the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partie; has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Zilo Singh s/o Dalip Singh, Kishan Singh s/o Sher Singh, Ranjit Singh s/o Lalu, r/o Vill. Alipur, Delhi.

  (Transferor)
- (2) Shri Kanwar Bhan s/o Manohar Lal r/o Ashok Vihar & Chander Parkash. Ashok Kumar sons of Som Parkash, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri, land Mg. 19 Bighas 12 Bigwas Vill. Bakoli, Delhi, Date: 12-7-1982

NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 12-7-1982

(1) Shri Chander Bhan s/o Jai Ram r/o Vill. Sultan Pur Mazra, Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sharad Jain s/o Shanti Sagar Jain r/o 9, Court Road Civil Lines, Delhi.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th July 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/11-81/6274.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Holaumbi Khurd, Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore on Nov., 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen-per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of the Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

33—186GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 13 Bighas 6 Biswas i.e. 6 Bighas 13 Biswas Kh. Nos 31/4, (4-16), 9(3-3), 12(1-7), 13(4-0) Vill. Holambi Khurad, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 12-7-1982

7

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th July 1982

) Ref. No.: IAC/Acq.II/SR-II/11-81/6323.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Nawada Mazra Hastsal, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Delhi on November 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ing persons, namely:—

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfering; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Mange Ram s/o Ram Chander, r/o Hastsal, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sukh Dev Singh s/o Joginder Singh r/o 48/16/6, Indl. Area Vill. Hastsal, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land. Mg. 2 Bighas 8 Bsiwas Kh. No. 507 of Vill, Nawada Mazra, Hastsal, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 12-7-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th July 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/J1-81/8569.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No.' 4116 situated at Katra Nizamul-mulk Jamamaszid, Delhi.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atolesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Capt. Harnam Singh, Radhe Raman Chaman Singh, Rattan Singh, 4116. Kt. Nizamulk Jamamasjid, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jamia Salfia (Merkeziadurulu) Rewari, Talaz Varanasi through Abdul Veheed GS Jamia Mohadia Mansura Male Gaon through Mukhter Ahmed Naovl, Delhi

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

P. No. 4116, Katra Nizamul Mulk Jamamasjid, Delhi.

NARINDAR SINGH Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 12-7-1982

# FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-II

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 12th July 1982

IAC/Acq.II/SR-II/11-81/6403.—Whereas, I, Ref. No. NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1861 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 59 situated at Punjabl Bagh, Rd. No. 42, New

Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on November 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .--

 Dr. Suresh C. Arya through his real sister Smt. Shakuntla Devi Popli on the basis of GA dt. 22-5-1981 r/o B-3, Tagore Market, Kirtl Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Gee Pce Builders Pvt. Ltd. through Director S. Gurdip Singh, A-30-D DDA Flat, Munirka, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 59, Mg. 647. 22(sold area ing. 585, 18 sq. yds) Punjabi Bagh, Road No. 42, New Delhi

> NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Delhi New Delhi

Date: 12-7-1982 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 16th July 1982

Ref. No. 1ACl/Acq.II/SR-II/11-81/6414.—-Whereas, J. NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Razapur Khurd, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Nove. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereby more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sham Krishna s/o Banarsi Dass, R/o 23, Mahadev Road, New Delhi as executor of the will of Smt. Vidya Wati vide will dt, 7-6-79,

(Transferor)

(2) M/s. Lall Sons Bhagat & Associates, No. 56, for Bagh, New Delhi through its partner B. K. Bhagat, s/o C. L. Bhagat, r/o 56, Jor Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever priod expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agri. land. Mg. 68 Bighas 16 Biswas, Vill. Razapur Khurd, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi|New Delhi

Date: 16-7-1982

# FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING J. P. FSTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th July 1982

Ref. No. JAC/Acq.II/SR-I!/11-81/6194.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agri land situated at Vill. Nawada. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Bhim Singh & Pokhar sons of Har Lal r/o Vill. Nawada Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rameshwar Sharma s/o Nopa Ram, r/o X/94, West Patel Nagar, New Delhi, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agri land Mg. 2 Bighas, Kh. No. 791 Vill. Nawada,

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Delhi/New Delhi

Date: 12-7-1982

# FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th July 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/11-81/6418.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Rgrl. land situated at Vill. Razapur Khurd, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Delhi on November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Deep Chand s/o Bhai Ram r/o Vill. Nawada, Delhi

(Transferor)

(2) Shri Adarsh Bhatia s/o Panna Lal Bhatia and Sh. Harbans Lal s/o Tirath Ram r/o H/58, Partap Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, publication of this notice in the Official Gazette.
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agri, land Mg. 1 Bigha Vill. Nawada, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 12-7-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF AHE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 12th July 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-JI/11-81/6399.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agricultural land situated at Village Nawada, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair mraket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Kanshi Ram s/o Singh Ram R/o Village Nawada, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Rita Rani w/o Arun Kumar, Shiksha Devi w/o Ram Kumar, Arun Gupta w/o Adesh Kumar, Kusum Devi w/o Suresh Chand R/o 587 Khari Baoli, Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agricultural land 20 Biswas Village Nawada, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax.
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Date: 12-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th July 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/11-81/6294.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Nawada Majra Hostsal, Delhi

(and more fully described in the schedulc annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to

between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of th Indian noome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
34—186GI/82

 Smt. Kaushalya Rani Kopam W/o Labhu Kopam R/o 104 Sector No. 21-A, Chandigarh, Punjab.

(Transferor)

(2) Shri Bakshish Singh s,o Khushal Singh R/o C-2/335, Janakpuri, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agricultural land Mg. 2 Bigha Village Nawada Majra Hostsal, Delhi.

NARINDAR SECTION Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Renge-1
Delhi/New Delhi

Date: 12-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 12th July 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/11-81/6239.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-and bearing No.

Agricultural land situated at Village Siraspur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ramesh Yadav s/o Amir Singh R/o Village Libaspur, Delhi on behalf of Zile Singh and Tarif Singh s/o Prem R/o Village Siraspur, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ram Gopal Gupta S/o Ptarey Lal Gupta R/o 25/1038 Shakti Nagar, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agricultural land Mg. 1 Bigha, Kh. No. 639, Village Siraspur, Delhi.

NARINDAR SINGIF
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incomplate
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Date : 12-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING I.P. ESTATE. NEW DELHI

New Delhi, the 12th July 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/11-81/6364.—Wbcreas, I. NARINDAR SINGH.

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Agricultural land situated at Village Burari, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Gopi Chand s/o Lurind Chand, R/o 147, Hakikat Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Charan Ji Stingh,
Partner M/s. Northern Agriculture & Stud Farma
(Regd.).
(Transferse)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall be the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land (4-16) vide Khasra No. 135/3 (4-16) area of Village Burari Delhi,

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 12-7-1982

#### FORM J.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX, ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 12th July 1982

Ref. No. IAC/Acq.2/SR-II/11-81/6204.—Whereas, 1, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

Agricultural land situated at Village Burari, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at New Delhi on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Tilak Ram s/o Ram Chander of Village Burari Delhi as General Attorney of Shri Surject Singh s/o Pritam Singh. New Delhi.

(Transferor)

(2) Muster Sanjay Aggarwal Under the Guardianship of his father Shri Naranjan Lal R/o 7474, Gali Tel Mills, Ram Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land 10 Biswas Khasra No. 706/2, of Village Burari Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range U
Delhi/New Delhi

Date: 12-7-1982

# FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th July 1982

Ref. No. IAC/Acq.2/SR-II/11-81/6203.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Burari, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wearth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri 'Tilak Ram s/o Ram Chander of Village Burari Delhi as attorney of Smt. Rashmi Bhalla w/o Paramjeet. Delhi.

(Transferor)

(2) Master Parveen Kumar Agarwal, under the guardianship of his father Shri Babu Ram r/o 7610/12, Ram Nagar-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agricultural land 6-2/3 biswas of Khasra No. 706/2, of Village Burari Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 12-7-1982

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th July 1982

Ref. No. IAC/Acq.2/SR-II/11-81/6167.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agricultural land situated at Village Burari, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

 Shri Deep Chand s/o Shri Mam Raj R/o Village Burari, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Anjana Gupta w o Anil K. Gupta R/o 191, Katra Nawab, Chandni Chowk, Delhi

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agricultural land (0-18) Biswas vide Khasara No. 409, area of village Burari, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 12-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITNON RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th July 1982

Ref. No. IAC/Acq.2/SR-II/11-81/6261.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agricultural land situated at Village Burari, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteed per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shii Ram Phal s/o Shri Lakhmi Chaud R/o VPO, Burari, Delhi.

(Transferor)

(2) S/Shri Mahender Singh, Ranbir Singh, Jaswant Singh, Satpal Singh, Devender Singh, Jasbir Singh s/o Shri Hazari Lala All r/o VPO. Khera Kalan, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agricultural land 6 Bigha 6 Biswas of Village Burari, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Dat : 12-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th July 1982

Ref. No. IAC/Acq.2/SR-II/11-81/6297.—Whoreas, NARINDAR SINGH,

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market vaule exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agricultural land situated at Village Burari, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been tansferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on November 1981

for and apparent consideration which is less than the fair market alue of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ajit Singh s/o Harnam Singh r/o Village Burari, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Raj Kali wd/o late Mohan Lal Tyagi and Smt. Shiksha w/o Ved Parkash Tyagi s/o Village Burari, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land (1-7) vide Khasra No. 623 Khata No. 261 area of Village Burari, Delhi,

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 12-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Amir Chand s/o Channa Dass R/o F-317, Mansarover Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ramji Dass Sabharwal S/o Shri Bhagwan Dass Sabharwal R/o 68/20, Ramesh Nagar, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSITT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th July 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-JI/11-81/8581.—Whereas I, NARINDAR SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

C-91, situated at Kirti Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
35—186 GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One half undivided share of house No. C-91, Kirti Nagar, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 12-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th July 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/11-81/8577.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

bearing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C-91, Kirti Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Amir Chand s/o Channa Dassji r/o F-317, Mansarovar Garden, New Delhi,

(2) Smt. Shanti Rani Sabharwal w/o Ramji Dass Sabharwal r/o 68/20, Ramesh Nagar, New Delhi. (Transferor)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Gazatta or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 undivided share of house No. C-91, Kirti Nagar, New Delhi Mg. 196 sq. yards.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 12-7-1982 Seal :

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th July 1982

Rcf. No. IAC/Acq.II/SR-I/11-81/8558.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 6 Blicok D situated at Hakikat Rai Road, Adarsh Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in office of the Registering Officer at New Delhi on November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Sham Behari s/o L. Shri Baldev Raj R/o 518, Ram Colony, Rohtak (Haryana).

(Transferor)

(2) Smt. Kela Gupta w/o Shri J. C. Gupta, R/o 1870-C, Gali No. 139 Tri Nagar, Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from this date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

# THE SCHEDULE

Plot No. 6 Block D on Hakikat Rai Road, Adarsh Nagar, Delhi area 120 Sq. yards.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-11,
Delhi/New Delhi.

Date: 12-7-1982

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th July 1982

Ref No. IAC/Acq II/SR-I/11-81/8566.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. D-1/1 situated at Rajouri Garden, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1968 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on October 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri S. Mela Singh s/o Surjit Singh, through his GA Sh, Satvinder Singh D/45 Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Manjeet Kaur w/o Amarjit Singh Khanna r/o 14/2 East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Ground floor of property No. D-1/1, Mg. 112 sq. yds. Rajouri Garden area of Vill. Bassai Darapur, Delhi.

NARINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 12-7-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATF, NEW DELHI

New Delhi, the 12th July 1982

Ref. No. 1AC/Acq.II/SR-I/11-81/8555.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. D-18 situated at Bhagat Singh Road, Adarsh Nagar, Block D, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ram Lal s/o Vasanda Ram r/o H. No. D-18, Bhagat Singh Road, Adaish Nagar, Dolhi. (Transferor)
- (2) Shri Jagjit Singh and Gurcharan Singh sons of Des Raj r/o B-193 Gujaranwala Town, Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

# THE SCHEDULE

D/S house bearing No. D-18, Bhagat Singh Road, Adarsh Nagar Block D in the area of Vill. Bharola, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi]New Delhi

Date: 12-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th July 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/11-81/6170.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Ranhola, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer in Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Mange Ram s/o Ram Kala and Mohinder s/o Harka r/o Vill. Ranhola, Delhi.

  (Transferor)
- (2) Shri Chandgi Ram s/o Banwari Lal, r/o Vill. Ranhola, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri land Mg. 4 Bigha and 14 Biswas Vill, Ranhola, Delhi,

NARINDAR SINGH Competent Authority Inspeciting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 12-7-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

- (1) Shri Mahendra Prakash Gupta s/o L. Sh. V. L. Gupta r/o UA Jawahar Nagar, Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Avtar Singh Dutta s/o Sunder Singh Dutta and Mr. Amrit Kaur Dutta w/o Avtar Singh Dutta r/o 28 UA Jawahar Nagar, Delhi. (Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th July 1982

Ref No. JAC/Acq.II/SR-I/11-81/8595.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269(B) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

589D, Warn No. XII situated at Jawahar Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. 589 D Ward No. XII, Mg. 117 Sq. Mts. UA Jawahar Nagar, Delhi portion of 31 storeyed building.

NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi|New Delhi

Date: 12-7-82

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUÍSITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I, P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 13th July 1982

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/11-81/1451.—Whereas, I. S. R. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 71, Block-C, situated at Anand Niketan, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kanwar Randip Singh s/o Chaudhary Bharat Singh r/o 5, Bola Road, Civil Line, Delhi. (Transferor)
- (2) 1. Smt. Kailash Devi Sharma w/o Sh. O. P. Sharma r/o F-91, Moti Bagh, New Delhi. 2. Smt. Bhagwati w/o Sh. Shiv Prakash. 3. Raghu Sharma s/o Sh. O. P. Sharma, both r/o F-90, Moti Bagh, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 71 Block-C, Anand Niketan Co-operative House Building Society, New Delhi measuring 360.49 sq. yds.

S. R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II
Delhi|New Delhi

Date: 13-7-1982

(1) Shri S. Jagjit Singh Malhotra, E-302, Greater Kailash I. New Delhi.

(Transferor)

(2) Sinc. Innii Kaur r/o c/o 2402-3 Haidhian Singh Road, Karol Bagh, New Delhi. (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, LP. FSTATE. NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1982

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/-11-81/1471.-- Whereas I, S. R. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. E-302, situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at in November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (b) facilitating the concealment of any income as any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-fax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
36—186GI 82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

E-302, Greater Kailash-I, New Delhi-110048, area 231 sq vds 24 storeyed.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

<sup>15</sup>atc · 13-7-1982

#### FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, LP. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1982

Ref No. IAC/Acq.-I/SR-IV/11-81/463,---Whereas I. S. R. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

H. No. 31 & 33-A, situated at Mahila Colony, Delhi. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at in Novmeber 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—:

 Smt Dayal Devi wd/o Sh. Parkash Chand r/o 33-B. Mahila Colony, Delhi-110031.

(Transferor)

(2) Dr. Ramesh Kumar Passi s/o Sh. Hans Raj & Dr. Urmila Devi Passi w o Shri (Dr.) Ramesh Kumar Passi boht r/o D-198, Saket, New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULF

House No. 31 and 33-A, measuring 332 sq. yds, situated in Mahila Colony. Delhi-110031.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 13-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, LP. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1982

Ref. No. 1AC/Acq.-1/SR 1II/11-81/1373.—Whereas 1. S. R. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 /- and bearing No.

K-17, situated at NDSE-II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Vishwa Nath Seth s/o late Baij Nath r/o K-17, NDSE-II, New Delhi.
  - (Transferor)
- (2) Shri Gurpteet Singh s/o Shri Tirlochan Singh r/o 5/21, Roop Nagar, Delhi. (Transferce)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. K-17, measuring 200 sq. yds. NDS-II, new Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-J
Delhi/New Delhi,

Date: 8-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/11-81/1395.—Whereas I. S. R. GUPTA.

being the Competent Authority under Section 169B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 3, Block F, situated at NDSE-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at in November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer,
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any, moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 569D of the said Act to the following persons, namely:

- (1) M/s Rajiv Properties (P) Ltd., 37-Pusa Road, New Delhi through Krishan Kumar Chopra,

  (Transferor)
- (2) Shri Rajesh Kumar Sachdev 34-House Society NDSE-1. New Delhi & Prem Prabha 34-House Society NDSE-1, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 3, Block-F, measuring 334 sq. yds. situated in New Delhi South Extension Part II, New Delhi.

S. R. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Date: 8-7-1982

# FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, LP. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1982

Ref. No. IAC/ $\Lambda$ cq, I/SR-HI/H-81/1358.—Whereas 1, S. R. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beating

No. E-337, situated at Greater Karlash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than firteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income axising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s Saraswati Builders, G-1/16, Daryaganj, New Delhi through its Managing partner Shri Satish Seth s/o Shri F. C Seth G-1/16, Daryaganj, New Delhi-2.

  (Transferor)
- (2) 1. Smt. Chander Mohant Badhwar w/o Shri A. G. Badhwar, 2. Shri Ashish Kumar Badhwar s/o, Shri A. G. Badhwar r/o E-337, Greater Kailash, New Delhi-48 at present at C. M. Rice Mill, Kashipur (Nainital) U.P. (Fransferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovvable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the eaid Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Front portion of Second floor out of property No. E-337, Greater Kailash-II, New Delhi-48 measuring about 716 sq. feet.

S. R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 8-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, LP. ESTATE, NEW DELHI

Now Delhi, the 8th July 1982

Ref. No. 1AC/Acq.-I/SR-III/11-81/1359,---Whereas 1, S. R. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Fiat on ground floor, F-337, situated at Greater Kailash-II, New Delhi.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) Incilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Saraswati Builders Phase-II, having its registered office at G-1/16, Ansari Road, Daryagani, New Delhi-2, through its Managing partners Shri Satish Seth s/o Shri Ram Chand Seth r/o G-1/16, Ansari Road, Daryagani, New Delhi-48.

(Transferor)

(2) Shri Girdhar Gopal Mathur s/o Shri Bankey Bihari Lal Mathur r/o E-337, Greater Kailash-II, New Delhi-48.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat bearing private No. G-2 on the ground floor having an area of 738 sq. ft. with one store under the stair, out of property No. E-337, situated at Greater Kailash-Phase-II, New Delhi-48.

S. R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 8-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX.

# ACQUISITION RANGE-I NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/11-81/1360,--Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

E-337, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in November 1981

for an apparent consideration which is less than for fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, in the following persons namely:—

- (1) M/s. Saraswati Builders, Phase-II, having its registered office at G-16, Ansari Road, Daryaganj, New Delhi-2, through its Managing partner Sh. Satish Chand Seth S/o Sh. Ram Chand Seth, r/o G-1 6, Ansari Road, Daryagani, New Delhi-2. (Transferor)
- (2) Sh. Mahesh Behari Lal Mathur S/o Sh. Bankey Bihari Lal Mathur R/o E-337, Greater Kailash-II, New Delhi-48.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULF

Flat bearing private No. 512 on the 2nd floor having an urea of 738 sq. ft. out of property No. E-337, situated at Greater Kailash-Part-II, New Delhi-48.

S. R. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 8-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-U G-13. GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/11-81|1364,—Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One flat, M-15, situated at Greater Kailash-I, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Ram Piari Chopra & Smt. Prem Kanta Chopra, BL-117, Anand Vihar, Jail Road, New Delhi.

(Transferce)

(2) Sh. Villayati Ram Mittal S/o Late Sh. Kundan Lal R/a F-345, Kotla Mubarakput, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

One flat being property No. M-15, Greater Kailash Part-I, New Delhi on first floor back side (Proportnate Land 83.3 sq. yds.).

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 8-7-1982

Scal;

## FORM TIME

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/11-81/1365....Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property,

having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One flat being prop. No. M-15 (Second floor) situated at Grenter Kailash-I, New Delhi.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

it on November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereby by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

37-186GI/82

- (1) Smt. Ram Piari Chopra & Smt. Prem Kanta Chopra, BL-117, Anand Vihar, Jail Road, New Dolhi.
  (Transferor)
- (2) Mr. S. M. Sablock, So Sh. K. L. Sablock, B-53, Greater Kailash Part-I, New Delhi, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One flat being property No. M-15, Greater Kailash Part-I, New Delhi on second floor, back-side (Proportionate Land 83.3 sq. yds.).

S. R. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 8-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1982

Ref No. IAC/Acq.I/SR-III/11-81|1366.—Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. One flat being prop. No. M-15 (Second floor) situated at Greater Kailash-I, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at on November 1981

for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act. in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Ram Piarl Chopra & Smt. Prem Kanta Chopra,
BL-117, Anand Vihar, Jail Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shii K. L. Sablok s/o late-Sh. Kirpa Ram Sablok, B-53. Greafer Kailash Part-I, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

One flat being property No. M-15, Greater Kallash Part-I, New Delhi on second floor front side (Proportnate Land 83.3 sq. yds.).

S. R. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 8-7-1982

#### FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Smt. Ram Piari Chopra & Smt. Prem Kanta Chopra, BL-117, Anand Vihar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. K. L. Sablok, B-53, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-L G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1982

Ref. No.IAC/Acq.I/SR-III/11-81]1367. - Whereas, I. S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and

No. One flat being prop. No. M-15 (ground floor), situated at Greater Kailash-I, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at ...... on November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeexceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent o fsuch apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovare defined in Chapter XXA of the said publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One flat being property No. M-15, Greater Kailash Part-I, New Delhi on ground floor towards North side (Proportnate Land 83.3 ±

> S. R. GUPTA, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Delhi/New Delhi

Date: 8-7-1982 Seal:

#### FORM ITN9-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P, ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/11-81|1368.--Whereas, 1, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One flat, M-15 situated at Greater Kailash-I, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on November 1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesiad property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and htat the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising frmo the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Ram Plari Chopta & Smt. Prem Kanta Chopta, BL-117, Anand Vihar, Jall Road, New Delhi.
  (Transferor)
- (2) Sh. Sandeep Saluja s/o Sh. S. P. Saluja R/o C-591, Defence Colony, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

One flat being property No. M-15, Greater Kailash Part-I, New Delhi on first floor front side (Proportnate Land 83.3 sq. yds.).

S. R. GUPTA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 8-7-1982

Stai:

 Sh. Gurcharan Singh s/o S. B. Boota Singh r/o J-263, Saket, New Delhi.

(2) Mrs. Sawarn Kaur W/o Avtar Singh

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 3rd July 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/11-81|1376.—Whereas, I, S. R. GUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. B-1/7, situated at Malviya Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at on November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfereo for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisiion of the said property may be made in writing to the undersigned:---

R/o B-1/7, Malviya Nagar, New Delhi.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. B-1/7, measuring 202.5 sq. yads. Malviya Nagar, New Delhi.

S. R. GUPTA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 3-7-1982

Shyam Mohan Mehra S/o Sh. Har Mohan Mehra R/o D-316, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Mohd. Khurshid, Mohd. Irshad, Mohd. Jamshaid Mohd. Shahid & Mohd. Salim S<sub>3</sub>/o Sh. Abdul Majid all partners of M/s Khurshid & Bros. (Regd.) & Mohd. Shamim Aslam 5660, Gandhi Mkt., Sadar Bazar, Delhi-6.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-I G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE. NEW DELHI

New Delhi, the 3rd July 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/11-81[1462.--Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

H. No. B-171 situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

on November 1981 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. B-171. Greater Kailash-Part-1, New Delhi measuring 5121 sq. yds.

> S. R. GUPTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

> > · 1 \* ..

Date: 3-7-1982

#### FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd July 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/11-81|1485.--Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 318, Block-S, situated at Greater Kailash-II, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at on November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Ved Prakash self and attorney of Mr. Om Prakash s/o late Sarb Dayal r/o 7A, Khandelwal Building, 17th Road, Khar, Bombav & Jagdish Prakash s/o Sarb Dayal r/ 6/48, WEA, Karol Bagh, New Delhi, Mrs. Prem Kanta Mehra W/o C. L. Mehra R/o 66A/7, New Rohtak Road, New Delhi.
  (Transferor)
- Sh. Gurprect Singh S/o Tirlochan Singh R/o S/21, Roop Nagar, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (e) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 318, Block-S, measuring 300 sq. yds. Greater Kailash-II, New Delhi.

S. R. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1
Delhi/New Delhi

Date: 3-7-1982

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi the the 3rd July 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/11-81|1486.--Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. E-219, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating he concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S. Nrimal Singh S/o S. Chran Singh R/o 43, NDSE Part-I (Society), New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Sharan Pal Sigh S/o late Sh. Ram Rattan R/o M-161, G. K. II, New Delhi-48.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. E-219, Greater Kailah-II, New Delhi.

S. R. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 3-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd July 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-ΠΙ/11-81|1355.—Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

E-115, Greater Kailash-II, New Delhi situated at Greater Kailash-II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on November 1981

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

38-186GI/82

(1) 1. Sh. Gopal Dass Gehani 2. Sh. Jetha Nand Gehani

Sh. Kishan Chand alias Kesho Dass and
 Sh. Tara Chand Gehani all se/o late Sh. Tounrmal Gehani R/o F-115, Geater Kallash-II, New

Delhi-48.

(Transferor)

(2) Sh. Gurjit Singh Johar S/o late S. Ajit Singh Johar C-139, Defene Colony, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Single storey house bearing Municipal No. F-115, Greater Knilash-II, New Delhi-48. Built on a plot of land of 250 sq. yds. (208 sq. mtrs.).

S. R. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi /New Delhi

Date: 3-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd July 1982

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/11-81/1484.—Whereas J, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. E-315, situated at Greater Kailash-II, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Bhagirthi Devi & Smt. Geeta Devi Kala Mahal, Chuan, Kanakar, Mathura & 207 Ajmeri Gate, Delhi.

(Transferor)

Smt. Raj Kumari Bhatia, Sarvsri N. K. Bhatia,
 P. K. Bhatia, Anil Bhatia & Sunil Bhatia, W-41,
 Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vacant Plot No. E-315, Greater Kailash-II, New Delhi Area 449 sq. yds.

S. R. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 3-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 5th July 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/11-81/1461.—Whereas I, S. R. GUPT'A

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 41 situated at Ring Road, Lajpat Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Dr. Vidya Bhushan, 22-Darya Ganj, Delhi (Transferor)
- (2) Sh. Suraj Parkash 2. Sh. Sudhir Bhasin 3. Sh. Shu-shil Bhasin, 41, Ring Road, Lajpat Nagar, New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this netice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/4th undivided share in property No. 41, Ring Road, Lajpat Nagar, New Delhi built on plot mg. 800 sq. yds.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/N. Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby niitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-7-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Sh. Rattan Lal Kaushik, K-30A, Hauz Khas, New Delhi.

(2) M/s Shobha Trading Co. (P) Ltd. 31/9, East Patel

Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE New Delhi, the 7th July 1982

Ref. No. 1AC/Acq I/SR-III/11-81/1348.—Whereas I, S. R. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

K-30-A, situated at Hauz Khas, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such aparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. K-30A, Hauz Khas, New Delhi, 656 eq. metres.

S. R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi.

Date: 7-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 7th July 1982

Ref. No. IAC/AcqI/SR-III/11-81/1374.—Whereas I, S. R. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

2286/2287, Nai Wallan, situated at Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexted hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in Oct. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri V. S. Anand s/o late Sh. Sada Anand r/o 3309, Ranjit Nagar, New Delhi.
   Sh. A. R. Vig s/o Sh. Chuni Lal Vig r/o B-2, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi 3. Sh. Onkar Nath s/o Sh. Sada Nand r/o 17/5, West Patel Nagar, New Delhi.

  (Transferor)
- (2) M/s Five Stars Builders (P) Ltd. B-40, Phase-1, Mayapuri ,New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property bearing Municipal No. 2286/2287 situated in Nai Wallan, Karol Bagh, New Delhi with the lease hold rights of the land measuring 300 sq. yd. bearing khasra No. 1326/611 & 612 Block K, under the said property.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi,

Date: 7-7-1982

Seel:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITIO NRANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE

New Delhi, the 8th July 1982

Ref. No. IAC/AcqI/SR-III/11-81/1324.—Whereas J. S. R. GUPTA

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Dera Mandi, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on November 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid propety, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1951);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sis Ram, Sarjit ss/o Ram Saroop, Smt. Murti wd/o Ram Saroop (1/2th share) Rattan s/o Tulla (1/2th share) r/o Village Dera Mandi, New Delhi.

  (Transferors)
- (2) Shri R. D. Chandra s/o Mr. Dhan Raj Mull r/o 13-D, Pocket-H, Saket, New Delhi.
  (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agr. land mg. 4bighas and 16 biswas M. No. 56, killa No. 3, situated in village Dera Mandi, N. Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi.

Date: 8-7-82

#### FORM I.T.N.S.

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,

New Delhi, the 8th July 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/11-81/1325.—Whereas I, S, R. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/and bearing

No. Agr. land situated at Village Dera Mandi, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on November 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sis Ram, Sarjit ss/o Ram Saroop, Smt. Murti wd/o Ram Saroop (1/2th share), Rattan s/o Tulla (1/2th share) r/o Vill. Dera Mandi, Teh. Meh., New Delhi. (Transferor)
- (2) Dr. J. C. Ghosh s/o Kali Dass Ghosh r/o c/o R. D. Chandra 13-D, Pocket-H, Saket, New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act.

shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agr. land mg. 4 bighas and 16 biswas, Mustatil No. 56, killa No. 4, situated in village Dera Mandi, Teh. Meh., ND.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi,

Date: 8-7-82

#### PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,

New Delhi, the 5th July 1982

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/11-81/1338.—Whereas I, S. R.. GUPTA being the competent authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Village Dera Mandi, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following versons, namely:—

- (1) Shri Baba Dhari Dass Chela of Shri Ram Dass r/o Village Katesra, Tehsil Rohtak (Haryana). (Transferor)
- (2) Sh. Bansi s/o Shri Ghasi Ram r/o Village Dera Mandi, Teh. Meh., New Delhi.

  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agr. land M. No. 55, killa No. 2 (2-14), 9(4-16), 12(4-16), 19(4-12) Village Dera Mandi, Teh. Meh., New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi.

Date: 5-7-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE ( G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, LP. ESTATE,

New Delhi, the 8th July 1982

Ref. No. IAC/AcqI/SR-III/11-81/1452.—Whereas, I, S. R.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Dera Mandi, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on November 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

39-186GI/82

(1) Shri Raghbir Singh s/o Gurdit Singh r/o B-382, New Friends Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Competent Builders 6 Januar Mantar Road, New Delhi through partner Narender Anand.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the oforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agr. land measuring 4 bighas and 16 biswas M. No. 37, killa No. 15, Vill. Dera Mandi, Tch. Meh. New Delhi.

S. R. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I Delhi/New Delhi.

Date: 8-7-82

FORM I.T.N.S.——

- (1) Shri Raghbir Singh S/o S. Gurdit Singh R/o B-382, New Friends Colony, New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. Competent Builders, 6-Jantar Mantar Road, New Delhi through partners Sh. Narender Anand. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/11-81/1453.—Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair marktt value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

Agr. land situated at Village Dera Mandi, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

New Delhi on Oct. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agr. land measuring 5 bighas and 14 biswas M. No. 38, killa No. 11 (0-11), 12 (4-12), 13/10 (0-10), 26 min (0-1) Vill, Dera Mandi, Teh., Meh., New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 8-7-1982

Seal:

] ,

#### FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

# TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-J G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, J. P. ESTATE,

> NEW DELHI New Delhi, the 8th July 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/11-81/1386.—Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Agr. land situated at Village Mehrauli, New Delhi 'and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the officer of the Registering Officer at New Delhi on November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed up between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shr Hari Singh S/o Ramji Lal R/o Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Basanti Devi W/o Hukam Chand Gupta R/o 705F/6, Mehrauli, New Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this noice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agr. 1 and mg. 9 highes and 6 hiswas M. No. 44, Knia Nos. 22/2 (2-6), 23 (4-12), M. No. 56, killa No. 2/2 (2-8), situated in village Mehrauli, Teh. Meh., New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Astt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 8-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1982

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/11-81/1339.—Whereas, I, S. R. GUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agr. land situated at Village Shaurpur, Teh. Meh. New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act,
  in respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Inder Sain S/o Shri Kanahiya Lal R/o 779/6, Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Chahat, Tejpal, Mahipal Ss/o Dilel R/o Village Fatchpur Beri, Teh. Mch., New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agr. land mg. 7 bighas and 4 biswas khasra Nos. 361 min (1-12), 362 (5-12), situated in village Shaurpur, Teh. Meh., New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Astt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 8-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, J. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1982

Rcf. No. IAC/Acq I/SR-III/11-81/1390.—Whereas I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. land situated at Village Bharthal, Teh. Meh., New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly (stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jai Parkash, Ram Gopal and Daya Nand Ss/o Sh, Ram Saroop R/o Village Bharthal, Teh. Meh., New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Ram Wati W/o Sh. Daya Nand, Smt. Pushpa W/o Ram Gopal, Smt. Champa W/o Sh. Jai Parkash all R/o Vill. Bharthal, Teh. Mch., New Delhi, (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agr. land mg. 13 bighas and 18 biswas bearing Mustatil No. 28 killa Nos. 13 (4-16), 19 (4-11), 27 (0-5), 12 (4-6), at village Bharthal, Teb. Meh., New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 8-7-1982

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 8th July 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/11-81/1344.—Whereas I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agr. land situated at Village Kapashera, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at

New Delhi on November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afortsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :-

- (1) Mr. S. K. Bhayana S/o Sh. J. N. Bhayana B-9, Mayfair Gardens, New Delhi-110016. (Transferor)
- (2) Bhayana Builders (P) Ltd., registered office at B-9 Mayfair Gardens, New Delhi-110016.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agr. land 6 bigha 2 biswas bearing khasta No. 630 (4-16), 629 (1-6) situated at Vill. Kapashera, New Delhi-110035.

> S. R. GUPTA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I Delhi New Delhi

Date: 8-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Sh. J. L. Arora S/o late Sh. R. L. Arora R/o L-1/1, NDSE-II, New Delhi,

(Transferor)

(2) Shri L. Lorinda Mal Scthi & Co. Gandhi Cloth Market, Chandni Chowk, Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/11-81/1438.—Whereas I, S. R. GUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Village Sultanpur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agr. land measuring 4 bighas and 16 Biswas khasra No. 24, situated in village Sultanpur Teh. Meh., New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 8-7-1982

#### FORM I.T.N.S .---

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/11-81/1477.—Whereas I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agr. land situated at Village Matheypur, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on November 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 The Capital Co-op. Poultry Society Ltd., B-22, Maharani Bagh, New Delhi through its President Sh. P. R. Gupta, S/o Sh. Ram Chander Gupta R/o 1, Haily Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Sudhir Batra S/o Sh. K. L. Batra, R/o 3/4, Asaf Ali Road, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agr. land falling in khasra No. 114, Village Metheypur, Teh. Meh., New Delhi (4 bighas 12 biswas)).

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 8-7-1982

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND PLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1982

Ref. No. [AC/Acq I/SR-JII/11-81/1478,—Whereas I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Metheypur, Teh. Meh., New Delh'.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922 or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -40-186GI/82

- (1) The Capital Co-op. Poultry Society Ltd., B-22, Maharani Bagh, New Delhi, through its President Mi. P. R. Gunta on Sh. Ram Chonder Cupta of a LRady Road. New Delhi.
- (2) Smt. Usha Batra w/o Sh. A. K. Betra r o 43-A. Rajpur Road, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agr. land falling in Khasra No. 115, Vill. Metheypur, Teh. Mehrauli, New Delhi alongwith pucca well (4 bigha 12 biswas).

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 8-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1982

Ref. No. JAC/Acq I/SR-III/11-81/1479.—Whereas I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Metheypur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ Oľ
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the asoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;---

- (1) The Capital Co-op. Poultry Society Ltd., ti-22, Maharani Bagh, New Delhi through its President Sh. P. R. Gupta s/o Sh. Ram Ch Gupta r/o 1, Haily Road, New Delhi. Ram Chander
- (Transferor) (2) Sh. Batra Chaman Lal 5/0 Sh. J. R. Batra, r o 43-A, Rajpur Road, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agr. land falling in khasra No. 124, Vill. Metheypur, Teh. Mehrauli, New Delhi, 4 bigha 12 biswas,

> S. R. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I. Delhi/New Delhi,

Date: 8-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1982

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/11-81/1351.—Whereas, 1, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Village Mehrauli, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
  - (b) facilitating the concealment of any income or any monoys or other, assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Brig. Chandan Singh s/o Gogi Ram r/o Sector 15, House No. 1031, Faridabad. (Transferor)
- (2) M/s. Roshan Lal & Sons, E-24, East of Kailash, New Delhi through its partner Sh. Brij Mohan Suri. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agr. land mg. 8 bighas and 16 biswas M. No. 33, killa No. 19 (4-0), 22 (4-16), Vill. Mchrauli Teh. Meh., New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 8-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTÅTE. NEW DELHI.

New Delhi, the 8th July 1982

Ref. No. IAC/Acq 1/SH-III/11-81/1352.—Whereas I, S, R, GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing
No. Agr. lend situated at Vill. Mehrauli, New Delhi

No. Agr. land situated at Vill. Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than difference of conflict such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Brig. Chandan Singh s/o Gazi Ram r/o Sector 15, House No. 1031, Faridabad.
- (2) M/s. Roshan Lal & Sons, E-24A, East of Kailash, New Delhi through its partner Sh. Brij Mohan Suri. (Transferee)

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agr. land mg. 10 bighas M. No. 33, killa No. 13/2 (0-3), 26 (0-3), 18 (4-0), 23 (4-16), M. No. 42, killa No. 3/2 (0-18), Village Mehrauli, New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Delhi/New Delhi.

Date: 8-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1982

Ref. No. IAC/Acq J/SR-III/11-81/1353.--Whereas J, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred te as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Agr land situated at Vill. Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Brig. Chandan Singh 5/0 Sh. Gazi Ram r/o Sector 15, House No. 1031, Faridabad.

(Transferor) (2) M/s. Roshan l.al & Sons, E-24A, East of Kailash, New Delhi through its partner Sh. Brij Mohan Suri. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the oublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agr, land mg. 8 bighas and 16 biswas M. No. 33 killa No. 17 (4-0), 24 (4-16), situated in village Mehrauli, New Delhi.

> S. R. GUPTA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 8-7-1982

(1) Sh. Gur Sahai s/o Sh. Jora r o Vill. Ghitorni, New Delhi.

(Transferör)

(2) Shri Harbans Singh Narang s/o S. Jiwan Singh r/o A-135, New Friends Colony, New Delhi, (Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/11-81/1363.—Whereas, 1, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexd hereto), has been transfered under the Registeration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/4th share in agr. land M. No. 87, killa Nos. 2 (1-13), 3/2 (3-3), 4(4-16), 5/2 (4-9), 6/2 (4-9), 7(2-15), 15 (1-3) situated in village Mehrauli, Tch. Meh., New Delhi.

S. R. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 8-7-1982 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-( SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1982

Ref. No. IAC/Acq 1/SR-III/11-81/1382.—Whereas I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/ and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Mehrauli, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kartar Singh and Rai Singh 55/0 Bhima r/o Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar s o Panna Lal & Mrs. Mohini Kambhoj w/o Ashok Kumar 1/0 B-4 18, Safdarjang Enclave, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agr. land mg. 9 bighas and 17 biswas M. No. 77, Killa Nos. 1/2 (1-13), 10/2 (4-2), 11 (4-2), village Mehrauli, Teh. Mch., New Delhi.

S. R. GUPTA Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 8-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961) (1) Shri Hari Singh s/o Ramji Lal r. o Mehrauli, New Delhi.

Chansleion

(2) Smt. Basanti Devi w/o Hukam Chand Gupta r o 7051-6, Mehrauli, New Delhi,

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-Į G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHJ

New Delhi, the 8th July 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-IΠ/11-81/1385.—Whereas I. S. R. GUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agr. land situated at Village Mchrauli, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agr. land mg. 10 bighas and 6 biswas M. No. 56, killa No. 3 (4-16), 8/1 (3-2), 9/1 (2-8), situated in village Mehrauli, New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I. Delhi/New Delhi.

Date: 8-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING( J. P. ESTATE. NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1982

Ref. No. IAC/Acq [/SR-III/11-81/1436.—Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Agr. land situated at Vill. Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
41—186GI/82

(1) Shri Khem Chand and Deep Chand Ss/o Chhattar Singh R/o 4/315, Mehrauli, New Delhi. (Transferor)

(2) Shri Khem Chand S/o Shoo Singh R/o 122A/2, Gautam Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, of the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agr. land mg. 9 bighas 12 biswas bearing Mehrzuli No. 14 Killa No. 21 (1-9), 22 (4-16), 23 (3-7), Vill. Mehrauli. New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 8-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

## TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/11-81/1375.-Whereas I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Village Bijwasan, Teh. Meh., New

Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1857);

Now, therefore, in pursuance of Section 269° of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Shankar Dass S/o Shri Gopal Dass R/o 3/58, Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Km. Seema, Priya and Tanu all minor daughters of Ravinder Gandhi R/o C-37, Mayfair Garden, New

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri, land mg. 8 bighas and 16 biswas M. No. 84, Killa No. 14 (4-16), 16 (4-0), village Bijwasan, Teh. Mch., New Delhi.

> S. R. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 8-7-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE1I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/11-81/J387.—Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000| and bearing No.

Agr. land situated at Village Bijwasan, New Dolhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitaiting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ram Kishan S/o Shri Hirdey R/o Village Bijwasan, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. C. Lyall & Co. (Construction) (P) Ltd., 115 Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agr. land mg. 4 bighas and 18 biswas being 13/72nd share of lands comprised in Rect. No. 45, K. Nos. 6 (3-08), 7 (1-15), 14 (3-17), 15 (0-19), 17 (3-15), 13 and 18 (East) (2-10), 23 East (4-09), 24 (4-16) and 25 West (1-16) in Village Bijwasan, New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 8-7-1982

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/11-81/1342.--Whereas I, S. R. GUPTA.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. Agr. land situated at Vill. Chhattarpur, Tch. Meh.,

New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly staated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the Transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:---

(1) M/s. Rajdoot Paints (P) Ltd. Village Sultanpur, Mehrauli, Gurgaon Road, New Delhi through its Managing Director Sh. S. S. Dhingra S/o N. S. Dhingra.

(Transferor)

(2) Smt. Phoola Rani Chadha W/o Sh. Manohar Lal Chadha R/o M-7, Kirti Nagar, New Delhi. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--The and expressions used terms herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agr. land bearing khasra No. 1664/2 (4-06), 1665 (4-16) Total 8 bighas 2 biswas situated at Village Chhattarpur, Teh., Mch., New Delhi with boundary wall and farm house.

> S. R. GUPTA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 8-7-1982

#### FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/11-81/1349,---Whereas, J. S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agr. land situated at Village Aya Nagar, New Dolhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Sat Pal Dilawri S/o Sh. Bhagat Ram Dilawri R/o C-6/53, Safdarjang Development Area, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Om Prakash Jain and Ashok Kumar Jain both Ss/o late Sh. Sri Ram Jain R/o C-6/53, Safdarjang Development Area, New Delhi, Sh. Jitender Kumar, Sh. Devinder Kumar Gupta both Ss/o late Shri Ram Kumar Gupta R/o 17 Bazar Lane, New Delhi, Shri Ram Nath Singhal S/o Sh. Ram Pat R/o 1, Acharwala Bagh, Subzi Mandi, Delhi and Sh. Ayub Sayeed S/o Sh. Sayed Mohd. R/o C-6/53, Safdarjang Development Area, New Delhi. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agr. land mg. about 11 acres 2 biswas, bearing khasra No. 260/1 (18 biswas), 261 (4-16), 262 (4-16), 263 (4-16), 264 (4-16), 265 (4-16), 266 (7-2), 268/1 (4-0), 269/1 (3-11) 269/2 (1-5), 270/1 (1-18), 270/2 (2-18), 271 (4-16), 272 (2-10) allotted to him by the consolidation officer under the consolidation proceedings situated in Aya Nagar, Tch. Meh., New Delhi.

9. R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 8-7-1982

#### FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/11-81/1460.—Whereas I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Deoli, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Pushpa Rani W/o Brig. Joginder Singh R/o 65, Lodhi Estate, New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Satvinder Kaur W/o S. Tajinder Singh M-69, Greater Kailash-I, Mktd, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Khasra No. 12(1), Area 4 bighas 8 biswas in Village Deoli, New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 8-7-1982

#### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/11-81/1459.—Whereas I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable poperty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Village Deoli, New Delhi, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 908) in the office of the Registering Officer at Jew Delhi in November 1981

or an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to elieve that the fair market value of the property as aforeaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument if transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor ot pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said At, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the acresaid property by the issue of this notice under substitute (1) of Section 269D of the said Act, to the following posons; namely:—

(1) Smt. Pushpa Rani W/o Brig. Joginder Singh R/o 65, Lodhi Estate, New Delhi.

(Transferor)
(2) Smt. Gursharan Kaur W/o S. Gurbachan Singh
R/o M-69, Greater Kailash-I Market, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agr. land in Village Deoli, Khasra No. 10 (4-16), New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 8-7-1982

FORM I.T.N.S.

(1) Shri Ami Chand S/o Het Ram R/o Vill. Bakoli, Delhi State, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Khazan S/o Hata R/o Vill. Bakoli, Delhi State, Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 1st July 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/11-81|6370.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agrl. land situated at Vill. Bakoli, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi

at on Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

may be made in writing to the undersigned-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persona. whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri. land, Mg. 6 Bighas 17 Biswas Kh. Nos. 235 (3-14) 234 (0-7), 236 (2-16) Vill. Bakoli, Delhi.

NARINDAR SINGS
Competent Authorit
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tan
Acquisition Range-l
Delhi/New Delt

Date: 1-7-1982